सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर - 12

दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार - 12

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपीन सहमत - 13

लोग आते जाते रहेंगे लेकिन टीम कल्चर हमेशा सुधार से जुड़ा होना चाहिए : गौतम गंभीर- 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
26.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.37
सूर्यास्त 06.59

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी 02:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 6 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 257, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की धीरज वधावन की बेल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कई करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाला मामले में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) कंपनी के पूर्व प्रवर्तक धीरज वधावन को दी गई जमानत(बेल) मंगलवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मेडिकल बोर्ड द्वारा दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया और वधावन को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने वधावन के स्वास्थ्य के आधार पर नौ सितंबर, 2024 को जमानत देते हुए कहा था कि वह एक बीमार व्यक्ति के मापदंडों के अंतर्गत आते हैं। न्यायालय ने सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर यह आदेश जारी किया।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। डेरे के प्रवक्ता और वकील जितेंद्र खुराना ने बताया कि गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा। सिंह ने सिरसा पहुंचने के बाद एक वीडियो संदेश में अपने अनुयायियों से डेरे में न आने और डेरे के वरिष्ठ लोगों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। गुरमीत सिंह 15 अगस्त को 58 साल का हो जाएगा।

अंदर देखें ... रंगोली

उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही, 4 की मौत

धराली में खीर गंगा में आई बाढ़, 50 से अधिक लापता, कई मकान, दुकान और होटल बहे

- धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे, 8-10 सैनिक लापता

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में लगातार अतिवृष्टि के बीच उत्तरकाशी में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मची है। खीरगंगा नदी में आई बाढ़ का रौद्र रूप पूरे धराली बाजार को बहा ले गया। कई मकान, दुकान, होटल, होमस्टे आदि तबाह होने से हाहाकार मचा है। 50-60 लोगों के लापता होने की खबर है जबकि चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे और 8-10 सैनिक लापता बताए गए हैं। इस बड़ी आपदा में लोगों के जान-माल की रक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार हाई अलर्ट पर है। सेना, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। एसडीआरएफ अभी तक 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा चुकी है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी जिले की भटवाड़ी तहसील में हर्षिल के नजदीक खीरगंगा में मंगलवार दोपहर 1:50 बजे के आसपास जलस्तर बढ़ने से धराली बाजार में भारी मलबा आ गया। कुछ ही मिनट में मलबा कई भवनों, होटलों एवं दुकानों को बहा ले गया। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने इस आपदा में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। आपदा में कई लोगों के दबे होने और मारे जाने की आशंका है। धराली बाजार में कई होटल, दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान मलबे में दबे हैं। कई घर भी इस आपदा में तबाह हो गए हैं। एम्स ऋषिकेश तथा देहरादून के कई चिकित्सालयों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं और एम्बुलेंस घटनास्थल पर भेज दी गई हैं।

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में कई घर बह गए।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक जताया

उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की दुखद घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गहरा दु:ख जताया है। प्रधानमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में हुए जन-धन की हानि पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य सरकार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। कहा कि प्रभावितों को शीघ्र राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

25-35 के मलबे में दबे होने का अंदेशा

आपदा के बाद उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने घटनास्थल के सामने स्थित मुखानी गांव के लोगों द्वारा बनाए गए विभिन्न वीडियो के आधार पर 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई है। 25-30 होटल, दुकानें मलबे में बहने की आशंका है। हर्षिल में शाम करीब चार बजे आर्मी कैम्प में अचानक मलबा आने के कारण कैम्प के एक हिस्से और हर्षिल हेलीपैड में भारी नुकसान हुआ है। कैम्प में रुके 8-10 जवान लापता हैं जबकि 100 से अधिक जवान धरासू में रेस्क्यू में जुटे हैं। आयुक्त गढ़वाल मंडल, विनय शंकर पांडे ने बताया कि हर्षिल की घटना के बाद सुक्खी टॉप में भी बादल फटने की खबर है।

दौरा बीच में छोड़ आंध्र प्रदेश से लौटे सीएम

मंगलवार को आंध्र प्रदेश के दौरे पर गए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दौरा बीच में ही छोड़कर देहरादून लौट आए। उन्होंने सीधे देहरादून स्थित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पहुंचकर आपदा की तात्कालिक स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना के साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन एवं केंद्रीय आपदा प्रबंधन की टीमें जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों के लिए युद्ध स्तर पर जुटी हैं। वह वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और स्थिति की गहन निगरानी की जा रही है।

उप्र में थम नहीं रहा नदियों का जलस्तर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना समेत अन्य नदियों का जलस्तर थम नहीं रहा है। बाढ़ का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, ऐसे में हालात विकराल हैं। कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ का संकट जारी है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

जौनपुर में गोमती नदी का जलस्तर जहां खतरे के निशान से ऊपर है तो वहीं गाजीपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांव पानी में डूब गए। वहीं, बांदा में केन और यमुना नदी में बाढ़ आने के कारण कई गांव पानी में डूब गए। प्रयागराज में भी गंगा नदी के उफान से निचले इलाके जलमग्न हैं। तीन दिनों से हो रही मानसूनी बारिश से प्रयागराज, वाराणसी समेत लगभग 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मंगलवार को बिजनौर में प्रदेश में सर्वाधिक 248 मिमी बारिश दर्ज की गई। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बरेली, पीलीभीत आदि में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार को बिजनौर, मुरादाबाद, बरेली समेत छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार से मानसूनी बारिश के थमने के आसार हैं।

अनिल अंबानी से 10 घंटे पूछताछ

- बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में ईडी के समक्ष हुए थे पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी से उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपये की कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। अनिल अंबानी सुबह करीब 10:50 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और रात 9 बजे से कुछ पहले बाहर निकले।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी अनिल अंबानी (66) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंबानी से लगभग एक दर्जन सवाल पूछे गए। ऐसा माना जा रहा है कि अंबानी ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया और कहा कि उनकी कंपनियों ने नियामकों के समक्ष अपनी वित्तीय स्थिति के बारे में समय पर खुलासा किया है। उन्होंने जांच अधिकारियों को यह भी बताया कि सभी वित्तीय निर्णय संबंधित कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिए गए थे। हालांकि, ईडी के जांच अधिकारी इस बात से आश्वस्त नहीं हैं और उन्हें दोबारा तलब किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि अंबानी ने प्रमुख वित्तीय निर्णयों से संबंधित कुछ दस्तावेज ईडी को सौंपने के लिए लगभग 10 दिन का समय भी मांगा है। यह समन एजेंसी द्वारा 24 जुलाई को मुंबई में 50 कंपनियों और उनके व्यापारिक समूह के अधिकारियों सहित 25 लोगों के 35 परिसरों की तलाशी के बाद जारी किया गया।

ईडी ने बड़े बैंक 'धोखाधड़ी' मामलों में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंबानी के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का दोपहर 1:12 बजे यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया।

वह लंबे समय से अस्पताल की आईसीयू में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था। वे मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा : मुख्यमंत्री

योगी ने अलीगढ़ और आगरा से देशवासियों को किया सचेत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। हमारा पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद, धर्मांतरण, अव्यवस्था और विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने में इस्तेमाल किया जाएगा। योगी ने त्योहारों पर स्वदेशी सामान खरीदने और उपहार में देने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ में 958 करोड़ की विकास योजनाओं और आगरा में अटल पुरम की सौगात देने के बाद आयोजित कार्यक्रमों में देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए सचेत किया। कहा कि जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है। उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले अलीगढ़ और उत्तर प्रदेश दंगों और अराजकता से जूझ रहे थे। आज बेहतर कानून व्यवस्था के कारण विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आज बरेली और मुरादाबाद में देंगे अरबों की सौगात

बरेली/मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मंडलीय समीक्षा कार्यक्रम के तहत बरेली और मुरादाबाद में रहेंगे। इस दौरान दोनों मंडलों के 9 जिलों के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था के साथ ही अरबों रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे, जबकि मुरादाबाद में रात्रि विश्राम भी करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर दोनों ही जिलों में मंगलवार को दिन भर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। मुख्यमंत्री बुधवार को समीक्षा दौरे पर बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे सुबह 10 :30 बजे बरेली पहुंचेंगे और सर्किट हाउस में मंडल भर के जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। इसके बाद बरेली कॉलेज मैदान पर रोजगार मेले में शिरकत करने के साथ ही जनसभा को संबोधित करेंगे। वह बरेली मंडल में 2262 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। 10 छात्र-छात्राओं को टैबलेट, पांच अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र और किसान दुर्घटना बीमा के कई पात्रों को चेक भी देंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1 :30 बजे मुरादाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री बरेली से राजकीय हेलीकॉप्टर से मुरादाबाद जिले की बिलारी तहसील के ग्राम पीपली के लिए उड़ान भरेंगे। वहां नवनिर्मित अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। साथ ही करोड़ों रुपये की योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

जज के आपराधिक मामले सुनने पर सुप्रीम रोक, कहा- न्याय का मजाक बना दिया

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम
- संबंधित जज पर सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक, पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को कार्यकाल समाप्त होने तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब न्यायाधीश ने एक दीवानी विवाद में त्रुटिपूर्वक आपराधिक प्रकृति के समन को बरकरार रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उनकी सेवानिवृत्ति तक उनके रोस्टर से आपराधिक मामलों को हटाने का निर्देश दिया और उन्हें एक खंडपीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठने का कार्य सौंपा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने एक कंपनी के खिलाफ मजिस्ट्रेट के समन आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। इस कंपनी पर दीवानी प्रकृति के एक व्यापारिक लेनदेन में शेष राशि का भुगतान न करने का आरोप था।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि शिकायतकर्ता को राशि वसूलने के लिए दीवानी उपाय अपनाने के लिए कहना अनुचित है, क्योंकि इसमें बहुत समय लगता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीश ने यहां तक कह दिया कि शिकायतकर्ता को शेष राशि की वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट का यह आदेश उनके न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल के दौरान देखने में आया सबसे खराब और सबसे त्रुटिपूर्ण आदेशों में से एक था।

यह अज्ञानता या कोई बाहरी प्रभाव

पीठ ने कहा, न्यायाधीश ने न केवल खुद के लिए अपमानजनक स्थिति उत्पन्न की है, बल्कि न्याय का मजाक भी बना दिया है। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि उच्च न्यायालय के स्तर पर भारतीय न्यायपालिका के साथ क्या समस्या है। कभी-कभी हमे आश्चर्य होता है कि क्या ऐसे आदेश किसी बाहरी प्रभाव में दिए जाते हैं या यह कानून की सरासर अज्ञानता है। जो भी हो, ऐसे बेतुके और त्रुटिपूर्ण आदेश पारित करना अक्षम्य है। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'मेसर्स शिखर केमिकल्स' द्वारा वाणिज्यिक लेनदेन के एक मामले में समन आदेश को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस मामले में, शिकायतकर्ता (ललिता टेक्सटाइल्स) ने 'शिखर केमिकल्स' को 52 .34 लाख रुपये मूल्य का धागा बेचा था, जिसमें से 47 .75 लाख रुपये का भुगतान किया गया लेकिन शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ललिता टेक्सटाइल्स ने शेष राशि की वसूली के लिए एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद, शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया और एक मजिस्ट्रेट अदालत ने आवेदक के खिलाफ समन जारी किया। 'मैसर्स शिखर केमिकल्स' ने इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया और तर्क दिया कि यह विवाद पूरी तरह से दीवानी प्रकृति का है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने आवेदक की याचिका खारिज कर दी।

सत्यापन का भी अब शुल्क लेगा यूपी बोर्ड

प्रयागराज। यूपी बोर्ड अंकपत्र, प्रमाणपत्र के सत्यापन का अब शुल्क लेगा। बोर्ड के पांच क्षेत्रीय कार्यालय में प्रतिवर्ष 10 लाख से ज्यादा अंकपत्र, प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। जिस भी विभाग में यूपी बोर्ड के विद्यार्थी नौकरी पाते हैं। उनके प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि प्रारुप तैयार कर शासन को भेजा जा रहा है, मंजूरी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा।

बौखलाहट

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं

ट्रंप बोले-24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अड़चन यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। अब मैं यह कहूंगा कि भारत अब तक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा। लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

भारत के पलटवार से तिलमिलाए ट्रंप

सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करेंगे। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूसी तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। ट्रंप के बयान के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए उसे अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार किया। भारत ने आलोचना को पुरजोर तरीके खारिज करते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए दोहरे मानदंड अपनाने की बात कही है।

रूस ने भारत के अधिकार का किया समर्थन

मास्को। रूस ने मंगलवार को कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार और आर्थिक सहयोग में अपने साझेदार चुनने का अधिकार है। रूस ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद कही है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि वह रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। रूस सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भारत के संबंध में अमेरिका की चेतावनी पर कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार साझेदार स्वयं चुनने और स्वतंत्र रूप से व्यापार और आर्थिक सहयोग के तरीकों को निर्धारित करने का अधिकार होना चाहिए।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,6 अगस्त 2025

शाहजहांपुर

सिटी ब्रीफ

24 घंटे में रिकॉर्ड 155 एमएम बारिश दर्ज

शाहजहांपुर,अमृत विचार : मौसम वैज्ञानिक डॉ .मनमोहन सिंह ने बताया 24 घंटे में जिले में रिकॉर्ड तोड़ बारिश 155 एमएम दर्ज की गई है, जो सोमवार की है। मंगलवार को सुबह 8 से शाम 5 बजे तक 28 एमएम बारिश हुई है। रात में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है और अगले दो दिन और अभी बारिश होगी। अब बारिश ज्यादा होने से गन्ना की फसल को नुकसान होगा।

डीएम का आदेश,आज विद्यालय रहेंगे बंद

शाहजहांपुर,अमृत विचार : बारिश के दृष्टिगत मौसम विभाग की ओर से जिले में भारी बारिश की चेतावनी जारी गई है और मंगलवार को भी जिला रेड जोन में रहा। बारिश से गंगा, रामगंगा, गर्रा व खन्नौत नदी का जलस्तर में बढोत्तरी दर्ज की गई है। नरौरा बैराज से गंगा नदी में मंगलवार को 80447 क्यूसेक पानी छोड़ा गया और दियूनी बांध से गर्रा नदी में भी 5499 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। वही डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जिले के कक्षा एक से बारह तक के सभी सरकारी और निजी विद्यालय को बारिश के चलते आज बुधवार को विद्यार्थियों के लिए बंद रखने के आदेश दिए हैं।

मूसलाधार बारिश से नदियां उफनाईं, छह मकान हुए जमीदोंज

एडीएम वित्त और एसडीएम सदर ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों का लिया जायजा, 71 बाढ़ चौकियां चिन्हित कर अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर

अमृत विचार: दो दिन से जिले में हो रही मूसलाधार बारिश से आमजन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। शहर क्या गांव हर ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है।

गंगा, रामगंगा, गर्रा व खन्नौत नदी किनारे तटीय इलाकों में जलभराव होना शुरू हो गया। वहां रहने वाले वांशिदों को बाढ़ का खतरा सताने लगा है। जिला प्रशासन व आपदा प्रबंधन की ओर से बाढ़ से निपटने के लिए तैयारियां युध्दस्तर पर शुरू कर दी गई है। जिला स्तरीय अधिकारियों की ओर से स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर नजर रखी जा रही है। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह खुद मानीटरिंग कर रिपोर्ट ले रहे हैं।

71 बाढ़ चौकियां चिन्हित, ड्यूटी लगाई : जिले में 71 बाढ़ चौकियां चिन्हित कर अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गयी है। जो कि जलस्तर वृद्धि आदि का अनुश्रवण करेंगे तथा 60 राहत शरणालय चिन्हित कर लिए गए है, जिनमें प्रभावित लोगों को विस्थापित

- डीएम ने एक दिन पूर्व ही भारी बरसात को देखते की थी अपील

कराया जाएगा। तहसील कलान में 16 नावें एवं जलालाबाद में 12 नावें अवस्थित है तथा सदर में 5 मोटरबोट व 10 नावें मंगाई गई है।

8 बाढ़ सुरक्षा समितियां बनाई: मेडिकल टीमों का गठन कर अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गयी है। सिंचाई विभाग द्वारा बाढ़ से बचाव को 8 बाढ़ सुरक्षा समितियां बनाई गयी है, जिनके द्वारा बंधो आदि पर निगरानी रखी जाएगी।पशुओं के विस्थापन के लिए 11 पशु शिविर चिन्हित कर लिए गये है। पशुओं को भूसा व चारा दिए जाने की व्यवस्था कर ली गयी है। बाढ़ राहत किट टेण्डर, कुक्ड फूड टेंडर व राहत शरणालय में लॉजिस्टिक व्यवस्था पूर्ण कर ली गयी है।

1 प्लाटून पीएसी बुलाई गई: बाढ़ को दृष्टिगत रखते शासन द्वारा पूर्व से ही एक प्लाटून पीएसी टीम को आवश्यक उपकरणों सहित जनपद में भेजा जा चुका है। बाढ़ की सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में कंट्रोल रूम संचालित है। जिसका नम्बर- 05842-220018, 462754, 351037, 351038 है।डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन पर एडीएम वित्त अरविंद कुमार ने एसडीएम सदर संजय पाण्डेय, तहसीलदार सतेन्द्र कटियार एवं राजस्व प्रशासन के साथ तहसील सदर अंतर्गत इन्दिरानगर कालोनी, अक्षरधाम कालोनी, लोधीपुर पटी गली एवं दनियापुर आदि मोहल्लो व गांवो का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इन्दिरानगर कालोनी, अक्षरधाम कालोनी में लोगो को अवगत कराया गया कि बाढ़ के दौरान प्रभावित लोगों के लिए गुरुनानक पाठशाला हाइस्कू में राहत शिविर बनाया गया है। लोधीपुर कालोनी में बाढ़ के दौरान प्रभावित लोगों के लिए एनटीआई स्कूल लोधीपुर में राहत शिविर बनाया गया है जिसमें रहने एवं खाने आदि की व्यवस्था की गयी है। दनियापुर, उटहा, चौढेरा, गुवारी, सुजातपुर, शाहबाजपुर आदि गांवों के प्रभावित व्यक्तियों के ठहरने आदि के लिए अटल बिहारी इण्टर कॉलेज दनियापुर में राहत शिविर की स्थापना की गयी है।

सदर तहसील में पशुहानि और मकान क्षतिग्रस्त

- सतवां बुजुर्ग में भैंस की मौत दीवार गिरने से व मलिखान को आंशिक रूप से चोटें आई।
- मुड़िगवां में सूरज मिश्रा की घर की दीवार पेड़ गिरने से गिरी
- ढिकरी में सामने मकान के दीवार गिरी
- दिलावरपुर देवकली में जसकरन के यहां पेड़ गिरने से झोपड़ी गिरी
- जपनापुर में दीपेंद्र की कच्ची दीवार गिरी
- रसौआ कलां में शिवशंकर का कच्चा मकान गिरा

“बारिश से 1 पशुहानि और 6 मकान क्षति की रिपोर्ट आई है। जिसमें नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने के संबंध में कार्रवाई की गई है। शासन की मंशा के अनुसार अतिवृष्टि में हुए मकान व पशु हानि के संबंध में 24 घंटे के अंदर आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जाएगी।

–संजय कुमार पांडय , एसडीएम सदर

“बारिश के दृष्टिगत जिला प्रशासन अलर्ट है, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर जायजा लिया जा रहा है। बाढ़ को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ से बचाव के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। एक प्लाटून पीएसी तैनात है। जनपदवासियों की सुरक्षा के लिए हम लोग तत्पर है।

– अरविंद कुमार, एडीएम वित्त

गांधी कॉलोनी में जलभराव, तस्वीरें वायरल कर समाधान की मांग

गांधी कॉलोनी में जलभराव से घर में घुसा पानी। ● अमृत विचार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : यह दृश्य किसी गांव का नहीं बल्कि महानगर की गांधी कॉलोनी का है जिसमें दो माह से रेलवे द्वारा नाले को बंद करने के कारण आए दिन लोगों के घरों में पानी भरा रहता है। तीन दिन से मोहल्ले वालों को घरों से निकलना मुश्किल है, कई बार नगर निगम को शिकायत के बाद भी कोई भी जिम्मेदार संज्ञान में नहीं ले रहा है। जिससे मोहल्लेवासियों में रोष है। कॉलोनी में रहने वाले डॉ. रत्नाकर दीक्षित, मोहन मिश्रा, सुनील सक्सेना, मनोज सक्सेना, सर्वजीत आदि ने बताया कि दो माह पहले रेलवे ने मोहल्ले को निकलने वाले नाले को मिट्टी डालकर बंद कर दिया था। तब से लगातार कॉलोनी के घरों में पानी भरा है, कॉलोनी में पुराने मकान है। जो कभी भी गिर सकते हैं और कोई बड़ा हादसा हो सकता है। मोहल्ले वालों ने एकत्रित होकर डीएम, नगरायुक्त के पास कई बार गुहार लगाई है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से समस्या के समाधान के लिए गुहार लगाई थी। जिसके बाद नगर निगम ने एक मोटर लाकर वहां लगा दिया, जिसके बाद भी जलभराव खत्म नहीं हुआ है और तीन दिनों से बारिश होने से लोग घरों में कैद है, लेकिन उनकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है।

गन्ना उत्पादन की कई तकनीक बताई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

गन्ना शोध परिषद में चल रहे प्रशिक्षण में मौजूद अधिकारी व लोग।

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद में चल रहे पांच दिवसीय गन्ना अधिकारी प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रतिभागियों को गन्ना उत्पादन की विविध वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी गई।

वैज्ञानिकों ने गन्ना खेती की शस्य तकनीकी, उर्वरक प्रबंधन, मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती एवं ऊतक संवर्धन तकनीक जैसी जानकारी दी। प्रथम सत्र में परिषद के वरिष्ठ गन्ना वैज्ञानिक डॉ. सुभाष सिंह ने गन्ना उत्पादन की शस्य तकनीकी पर प्रकाश डाला। उन्होंने गन्ने की उन्नत किस्मों, समयबद्ध बुवाई, ट्रंच विधि, फसल चक्र, सिंचाई प्रबंधन तथा खरपतवार नियंत्रण जैसी तकनीकों पर प्रकाश डाला। डा. जीएन गुप्ता ने मृदा वैज्ञानिक द्वारा मृदा परीक्षण एवं खादीय संस्तुतियों के महत्व पर प्रकाश डाला।

- गन्ना अधिकारी प्रशिक्षण में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एनपी गुप्ता ने गन्ने की प्राकृतिक खेती विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। किसानों को बताया कि किस प्रकार प्राकृतिक खेती से भूमि की उर्वरता भी स्थायी रूप से बढ़ाई जा सकती है। अंतिम सत्र में डा. अर्चना ने ऊतक संवर्धन विशेषज्ञ द्वारा ऊतक संवर्धन विधि से गन्ना बीज उत्पादन की प्रक्रिया पर व्याख्यान दिया गया। इस विधि से गन्ना उत्पादन की स्थायित्व क्षमता में वृद्धि होती है एवं यह फसल की समानता और गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। प्रसार अधिकारी डॉ. संजीव पाठक द्वारा प्रशिक्षण के उपरांत प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया।जिसमें प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया एवं अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए गए। व्याख्यान पर 10-10 प्रश्न पूछे गए जिसमें अधिकतर लोगों ने सही जवाब दिये। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश एवं नेपाल की विभिन्न चीनी मिलों से आए अधिकारियों की उपस्थिति सराहनीय रही।

डेढ़ माह पहले मरम्मत कराई गई रोड बारिश में कटी

कुर्रिया कला, अमृत विचार: बारिश में डेढ़ माह पहले मरम्मत कराई गई सड़क धंस गया। कांट क्षेत्र के ग्राम खुटरिया से मीरवैश्यपुर तक मार्ग की मरम्मत 26 लाख से कराया गया था। इसका लोकार्पण 14 जुलाई को ददरौल विधायक अरविंद सिंह ने किया था।

ददरौल विधायक ने बताया कि इस सड़क का निर्माण पूर्व की सरकार में कराया गया था। तब इसका ध्यान नहीं रखा गया कि यहां पर पुलिया की आवश्यकता थी। इस स्थान पर पुलिया या पाइप के लिए बोल दिया गया है। जल्द ही निर्माण कराया जाएगा। मंडी विभाग के अवर अभियंता भारत अग्रवाल ने बताया मंगलवार को हुई बारिश के बाद मार्ग पर एक जगह पर सड़क धस गई है। मार्ग के बीच में गड्ढा हो गया है। अंदर की मिट्टी धंस गई है। बारिश रुकने के बाद सही कराया जाएगा।

तेज बारिश के बाद कई स्थानों पर जलभराव

पुवायां,अमृत विचार: दो दिन से हो रही तेज बारिश में नगर के कई मोहल्लों में जलभराव होने के साथ ही कांशीरामनगर स्थित तालाब का पानी घरों में घुस गया। जिससे लोग परेशान है।

पुवायां में दो दिन से रुक -रुककर बारिश हो रही है, जिसके चलते नगर के तकिया, शिशु मंदिर स्कूल के पास, रामलीला मैदान, तरती बाजार समेत कांशीराम नगर की कई गलियों में जलभराव हो गया। कांशीराम नगर में पुराना तालाब है जो हमेशा भरा रहता है, क्योंकि समय के साथ इसका रकबा कम होता जा रहा है। बारिश के बाद लोगों के घरों में पानी घुस गया। जिसमें मोहल्ले के बच्चे पानी का आनंद लेते दिखे।

आश्रम बना तालाब : नगर के रामलीला मैदान के पास स्थित श्री पंचायती अखाड़ा आश्रम में भी बारिश से जलभराव हो गया। जिससे मंदिर परिसर में तालाब जैसा नजारा दिखाई देने लगा। आश्रम संचालक ने सभासद और चेयरमैन को फोन कर इसकी शिकायत कर पानी निलकवाने की व्यवस्था करवाने को कहा।

श्री पंचायती अखाड़ा आश्रम में भरा बारिश का पानी। ● अमृत विचार

- काशीराम नगर ने तालाब का पानी घरों में पहुंचा

बारिश में जलीय जीव जंतु यहां वहां देखे जा सकते हैं। नगर के निगोही रोड जठियापुर गांव के पास तालाब में कुछ दिनों से एक मगर देखा जा रहा था। जिससे लोगों में दहशत का माहौल था। रविवार को वन कर्मियों ने बमुश्किल मगर का रेस्क्यू किया था। अब काशीराम नगर में जलभराव के चलते मोहल्ले वासियों में भय व्याप्त है।

गोवंश ने जेनरेटर कक्ष को बनाया ठिकाना : पुवायां,अमृत विचार: तेज बारिश सभी के दिलों में डर पैदा कर देती है। इंसान हो या जानवर सभी बारिश से बचने का उचित ठिकाना तलाश करते दिखाई देते हैं। ऐसा ही एक फोटो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है ,जिसमें गोवंशीय पशु बारिश से बचने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के जेनरेटर कक्ष में घुसकर खड़ा हो गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है

तेज बारिश में बहा भैंसी का सेल्फी प्वाइंट

पुवायां,अमृत विचार : भैंसी नदी पुनर्जीवन अभियान के तहत बनाया गया सेल्फी प्वाइंट तेज बारिश के चलते बह गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर भैंसी के किनारे कई स्थानों पर पौधरोपण के साथ हरीशंकरी रोपित की गई थी। बरौना घाट पर भी हरीशंकरी रोपित कर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था। सोमवार की रात से हो रही बारिश में सेल्फी प्वाइंट बह गया। जहां भैंसी प्रेमियों और पदाधिकारियों में भैंसी में पानी आने की खुशी है तो वहीं दूसरी ओर हरीशंकरी और सेल्फी प्वाइंट बहने का कुछ अफसोस भी है। लोकभारती पदाधिकारी ने इस बात की जानकारी संगठन के क्षेत्रीय मुखिया को दी है।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव की तैयारी जोरों पर

शाहजहांपुर, अमृत विचार: श्री श्याम मंदिर, साउथ सिटी, बरेली मोड़ पर इस वर्ष भी 16 अगस्त को श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं और कार्यक्रम को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के लिए एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष रूप से कृष्ण बाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कृष्ण स्वरूप प्रतियोगिता, एकल नृत्य प्रतियोगिता एवं युगल राधा-कृष्ण नृत्य जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इन प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिए जाएंगे। श्री कृष्ण के शृंगार के लिए दिल्ली व कोलकाता से विशेष फूलों को मंगवाया गया है, जिससे बाबा का दिव्य श्रृंगार किया जाएगा।

- बच्चों की प्रतियोगिताएं बनेंगी आकर्षण का केंद्र

आयोजन को सफल बनाने हेतु हुई बैठक में प्रमोद गुप्ता, मनोज अग्रवाल, संजय अंकित अग्रवाल, शिवम अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, अनिल खत्री, गौरव अग्रवाल, गुप्ता सहित कई भक्तजन उपस्थित रहे। मुख्य ट्रस्टी अशोक अग्रवाल ने भक्तों से अनुरोध किया है कि वे कार्यक्रम में अपनी श्रद्धा अनुसार सहयोग प्रदान करें, जिससे आयोजन को और भी भव्य रूप दिया जा सके।

संभव में 6 शिकायतों का निस्तारण

शाहजहांपुर,अमृत विचार : नगर आयुक्त डॉ.बिपिन कुमार मिश्र की अध्यक्षता में मंगलवार को संभव के अन्तर्गत नगर निगम कार्यालय में जनसुनवाई हुई। जिसमें साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दु, नाली निर्माण एवं कर विभाग से सम्बन्धि शिकायतें आई। नगर आयुक्त ने प्राप्त शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना व संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जन-सामान्य की संतुष्टि, को ध्यान में रखते हुए ससमय निस्तारण कराया जाए। इस दौरान 6 शिकायतें प्राप्त हुई,जिनका मौके पर निस्तारण कराया गया। नगर आयुक्त ने नगरवासियों से अपील की गई

नगर आयुक्त शिकायतें सुनते हुए। ● अमृत विचार

कि प्रत्येक मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित होने वाले जन सुनवाई दिवस में सक्रिय प्रतिभाग कर निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से संबंधित समस्याओं को रख सकते है, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक जल विजय नारायण मौर्य, कर अधीक्षक विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

80 प्रतिशत से कम रिजल्ट आने पर प्रधानाचार्य और एबीएसए को दी जाएगी प्रतिकूल प्रविष्टि

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद में युग्मन पेयरिंग किए जा रहे विद्यालयों एवं निपुण परीक्षा कार्यक्रम संबंध में समीक्षा बैठक कैंप कार्यालय पर की गई।

डीएम ने 12 जुलाई को हुई निपुण परीक्षा के संबंध में जानकारी ली लेते हुए निर्देश दिए कि हर क्लास के लिए टीचर नामित किए जाए। टीचर्स मोटिवेट करके बच्चों को पढ़ाए। प्रत्येक दिन बच्चों को पढ़ने में कुछ न कुछ टारगेट दिया जाए। बच्चों को पढ़ना लिखना, गिनती एवं पहाड़े अवश्य आने चाहिए। अगली निपुण परीक्षा 23 अगस्त को होगी, इसके लिए सारी तैयारियां समय से ही पूर्ण कर ली जाए।

- 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों की ही पेयरिंग हो

कक्षा 6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों के लिए प्रश्न पत्र छपवाया जाए। 12 जुलाई की हुई परीक्षा के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि परीक्षा की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए पर्यवेक्षक लगाया जाए। मूल्यांकन अच्छे प्रकार से होने चाहिए, किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। 12 जुलाई की परीक्षा में जिन विद्यालयों में सी, डी एवं ई अधिक ग्रेड आए है उन्हें डीएम ने चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। अगस्त माह 80 प्रतिशत से कम रिजल्ट आने पर संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं संबंधित एबीएसए को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी।

शिक्षकों को चिह्नित करें:

सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल वार रिजल्ट को चेक करें और पढ़ाई पर ध्यान न देने वाले शिक्षकों को चिन्हित करें। विद्यालय पेयरिंग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विद्यालय की दूरी एक किलोमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए और जिन विद्यालयों में 50 से कम छात्र संख्या है, उन्हीं विद्यालयों पेयरिंग की कार्रवाई की जाए। पेयरिंग की कार्रवाई पर खंड शिक्षा अधिकारियों को पुन: जांच करने के निर्देश दिए। डीएम ने जर्जर विद्यालय के भवनों की ध्वस्तीकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में तेजी लाई जाए। खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए यह सूचित किया जाए कि कहीं पर भी जर्जर भवनों में पढ़ाई नहीं होनी चाहिए।

कार्यक्रम | वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय में भव्य ओरिएंटेशन से नवागंतुकों का किया गया स्वागत

नैतिकता और आत्मविश्वास से करें शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत : अशोक अग्रवाल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की शुरुआत के उपलक्ष्य में एक भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल औपचारिक स्वागत था, बल्कि एक नई पीढ़ी को शैक्षणिक संस्कृति, संसाधनों, मूल्यों और अनुशासन से परिचित कराने का सार्थक प्रयास भी रहा। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज़, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, और फैकल्टी ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के नए छात्रों का हार्दिक स्वागत किया गया। समारोह की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसने आयोजन को संस्कारपूर्ण गरिमा प्रदान की।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उद्योगपति अशोक कुमार अग्रवाल ने जीवन की सफलता के चार सूत्र साझा किए, जिनमें अनुशासन, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच और सद्गुणी संगति शामिल है। उन्होंने कहा, “जब आप प्रेरक मित्रों, मार्गदर्शक शिक्षकों और मेहनती साथियों के बीच होते हैं, तो आप हर ऊंचाई छू सकते हैं।” अग्रवाल ने अपने उद्योगपति जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि सीमित संसाधनों में भी दृढ़ता और ईमानदारी से कैसे उन्होंने सफल जीवन की नींव रखी। प्रो-चांसलर डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, “तकनीकी उपकरणों का विवेकपूर्ण उपयोग, सकारात्मक संगति और नैतिक मूल्य ही आज के छात्र को श्रेष्ठ नागरिक में बदलते हैं।”वहीं वाइस चांसलर डॉ. किरन अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा को केवल सैद्धांतिक तक सीमित नहीं रखना चाहिए। प्रयोगात्मक ज्ञान, टीमवर्क, और नैतिकता आधुनिक शिक्षा के अनिवार्य पहलू हैं। कार्यक्रम का समापन प्रो-वाइस चांसलर डॉ. लेख राज वर्मा के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यक्तित्व विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

कार्यक्रम में हिस्सा लेते छात्र व छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में बोलते अशोक अग्रवाल।

अनुभव और उत्साह का संगमः कार्यक्रम में वरिष्ठ छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और नवागंतुकों को समय प्रबंधन, फैकल्टी से संवाद, और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इससे नवप्रवेशियों को न केवल मार्गदर्शन, बल्कि आत्मविश्वास की भी ऊर्जा मिली। टीम-बिल्डिंग गतिविधियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और अंत में गीता की पुस्तक वितरण इस आयोजन को अध्यात्म, संस्कृति और शिक्षा का समग्र संगम बनाते हैं। पैरामेडिकल साइंसेज की वाइस प्रिंसिपल नेहा गुप्ता, मो. जुनैद, आकांक्षा राठौर, सुष्मिता सिंह, दिव्या वर्मा, सुधाकर, इशिका सक्सेना और सुनोबिया सहित कई फैकल्टी मेंबर और स्टाफ मौजूद रहा।

संस्थागत आधार और संसाधन भी मजबूत

डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार पाल ने विश्वविद्यालय की स्थापना, मान्यता और संसाधनों की जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश सरकार के अधिनियम संख्या 12 के अंतर्गत स्थापित हुआ और यूजीसी, पीसीआई, एनएमसी, आईएनसी आदि से मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय के पास आधुनिक पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, आईटी सुविधा, हॉस्टल, जिम, ऑडिटोरियम आदि सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। डीन वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज डॉ. कर्नल रवींद्र नाथ शुक्ला ने फार्मेसी कोर्स की उपयोगिता समझाते हुए कहा कि यह क्षेत्र सामाजिक स्वास्थ्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने छात्रों को सकारात्मक संगति और नैतिक दिशा में चलने की सलाह दी। कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने आयोजन का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि छात्रों को स्व अनुशासन, नैतिक मूल्य और नेतृत्व कौशल की ओर ले जाने वाला मंच है। डॉ. मानसी अग्रवाल ने फार्मेसी को केवल दवा निर्माण नहीं, बल्कि मानव सेवा, विज्ञान और नैतिकता के संगम के रूप में प्रस्तुत किया।

रोस्टिंग और ट्रिपिंग से ग्रामीण परेशान

खुटार, अमृत विचार: खुटार क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र रामपुर कला में लगातार हो रही ट्रिपिंग व रोस्टिंग को लेकर लगातार ग्रामीण परेशान होने को मजबूर हो रहे हैं। जिसको लेकर ग्रामीणों ने विद्युत एसडीओ पुवायां को भी कई बार शिकायती प्रार्थना पत्र दिए लेकिन उसके बावजूद भी सुधार नहीं हुआ।

ग्रामीणों ने मंगलवार को लगातार तीन से चार घंटे रोस्टिंग उसके बाद ट्रिपिंग को लेकर जब विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचकर शिकायत की तो विद्युत उप केंद्र पर मौजूद एक कर्मचारी ने अपने आप को जेई का रिश्तेदार बताते हुए कहा कि यहां इसी हिसाब से विद्युत सप्लाई दी जाएगी। जिस पर ग्रामीणों ने मुख्य अधिशासी अभियंता शाहजहांपुर को शिकायती प्रार्थना पत्र भेज कर विद्युत सप्लाई सुचारू रूप से चालू करने व विद्युत उपकेंद्र पर मौजूद कर्मचारी द्वारा उपभोक्ताओं से अभद्रता करने की जांच करा कर कार्रवाई की मांग की है।

सिटी ब्रीफ

ट्रेन की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत

निगोही/शाहजहांपुर, अमृत विचार : गांव उदारा निवासी श्रीपाल (55) मंगलवार को शाम 4:30 बजे रेल लाइन के किनारे जानवर चरा रहा था। पीलीभीत से शाहजहांपुर ट्रेन आ रही थी। वह जानवर भगाने लगा तो अचानक ट्रेन की चपेट में आकर श्रीपाल की मौत हो गयी। मौत की खबर सुनकर परिवार वाले मौके पर पहुंचे। स्टेशन मास्टर ने निगोही थाना को सूचना दी।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मदनापुर/शाहजहांपुर, अमृत विचार : दौलतपुर गांव में एक महिला की तबीयत खराब हो गई। परिवार वाले सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी पवन ने बताया उसकी पत्नी रिंकी (24) सोमवार की शाम खाना बना रही थी। अचानक तबीयत खराब हो गई उसे जलालाबाद सीएचसी पर ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छेड़छाड़ के विरोध में कांवड़ियों से मारपीट

नाराज कांवड़ियों ने थाना गेट पर ट्रैक्टर-ट्राली खड़ी करके लगाया जाम, सीओ के समझाने पर माने

संवाददाता, शाहजहांपुर/मदनापुर,

- सीओ के आश्वासन पर माने कांवड़िया

अमृत विचारः सावन के महीने में जलाभिषेक कर लौट रहे कांवड़ियों के साथ मदनापुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात किन्नर से छेड़छाड़ के विवाद में मारपीट की गई। जिसके विरोध में आक्रोशित कांवड़ियों ने थाना गेट पर ट्रैक्टर-ट्रालियों से कटरा-मदनापुर मार्ग जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद देर रात जाम समाप्त हुआ।

गांव रघुनाथपुर के करीब दो दर्जन से अधिक कांवड़िया, ट्रैक्टर-ट्राली से गोला गंगा स्नान और जलाभिषेक करके लौट रहे थे। उनके साथ एक किन्नर भी था, जिसने पार्वती का रूप धारण कर रखा था। ट्रॉली पर डीजे बज रहा था और सभी भक्तिमय माहौल में लीन थे। जैसे ही ट्रॉली मदनापुर क्षेत्र के एक गांव के पास पहुंची, वहां कुछ लोग शराब के नशे में झूमते मिले। उन्होंने कांवड़ियों की ट्राली रोक ली और किन्नर से अश्लील हरकतें करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने कांवड़ियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि कांवड़ियों के मोबाइल फोन छीन लिए गए, उन्हें जातिसूचक गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी देकर हमलावर फरार हो गए। अपमान और हमले से आक्रोशित कांवड़िये ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ सीधे मदनापुर थाने पहुंचे और थाना गेट पर ही बैठकर जाम लगा दिया। कटरा-मदनापुर मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। थानाध्यक्ष ने कांवड़ियों को समझाने की कोशिश की लेकिन वे किसी अधिकारी से सीधे बात की मांग पर अड़े रहे। बाद में प्रभारी निरीक्षक ने सीओ सदर प्रयांक जैन से फोन पर वार्ता कराई, जिन्होंने तहरीर लेकर तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस आश्वासन के बाद ही कांवड़िये शांत हुए और जाम समाप्त किया गया।

धार्मिक पोस्टर का अपमान, दो पक्षों में विवाद

निगोही/शाहजहांपुर, अमृत विचार : गांव गौरी खेड़ा गौटिया में कांवड़िया ट्रैक्टर-ट्राली से पांचाल घाट गंगा जल लेने के लिए जाने की तैयारी कर रहे थे। ट्राली में भगवान शंकर के धार्मिक पोस्टर लगे हुए थे। किसी ने धार्मिक पोस्टर का अपमान किया। इस दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराया। निगोही थाना क्षेत्र गांव गौरी खेड़ा गौटिया के 12 से अधिक ग्रामीण कांवड़ लेकर छोटी काशी गोला जाने की तैयारी मंगलवार को दिन में साढ़े 10 बजे कर रहे थे। ट्रॉली को गांव के एक स्थान पर खड़ी करके धार्मिक पोस्टर लगा दिए थे और केसरिया रंग का झंडा लगा दिया था। किसी ने मौका पाकर ट्रॉली पर लगे धार्मिक पोस्टर का अपमान कर दिया। कांवड़िया पांचाल घाट जाने के लिए ट्राली के पास आए। कांवड़ियों ने देखा किसी ने धार्मिक पोस्टर का अपमान किया है। उन लोगों को गांव के एक व्यक्ति पर शक हुआ। वह उसके घर पर गए। जहां दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया और मारपीट की नौबत आ गई। दोनों पक्षों के लोग काफी संख्या में एकत्रित हो गए। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह सिपाहियों के साथ और डायल 112 के सिपाही गांव में पहुंच गए। प्रभारी निरीक्षक ने दोनों पक्षों के लोगों को समझाकर शांत कराया। उन्होंने कांवड़ियों को आश्वासन दिया कि जांच करके दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि धार्मिक पोस्टर के अपमान को लेकर विवाद हुआ था। दोनों पक्षों को समझाकर शांत करा दिया गया है। अब गांव में किसी प्रकार का विवाद नहीं है।

बैंक शाखा में उतरा करंट काम रहा बाधित

संवाददाता, कलान

- पूरे दिन काम न होने से उपभोक्ता रहे परेशान

अमृत विचारः बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) कलान की शाखा में अचानक करंट उतरने से बैंक में पूरे दिन काम बाधित रहा। जिससे उपभोक्ता परेशान रहे। हालांकि बैंक प्रशासन की ओर बिजली मिस्त्रियों को बुलाकर फाल्ट सही कराने का काम चल रहा था। ग्राम निकुर्रा निवासी रतिराम ने बताया कि वह अपना पेमेंट लेने आए थे। ओमप्रकाश सथरा धर्मपुर, विश्वनाथ गुप्ता कलान, नंदकिशोर गुप्ता कलान, विकास कलुआपुर, रामधनी जखिया, ओमवती कलान, गुड्डी देवी कलान बैंक में अपने कार्यों के लिए आए थे, लेकिन बैंक में करंट के आने की चर्चा को लेकर कोई काम बैंक से नहीं हो पाया। बंद होने का कारण पूछा गया तो वहां के कर्मचारियों ने बताया कि बैंक में करंट उतर आने के कारण बैंक का कार्य ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए बंद कर दिया है। बैंक में तैनात गार्ड ध्यान पाल सिंह यादव ने बताया कि सुबह से बैंक में करंट आ आ रहा है। इसलिए बैंक का कामकाज फाल्ट ठीक न होने तक बंद कर दिया गया है। बिजली मिस्त्री करंट का पता लगाने के लिए बैंक में कार्य कर रहा है।

उधर, जब इस संबंध में बैंक ऑफ बड़ौदा के सहायक शाखा प्रबंधक अजय कुमार गुप्ता से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया बैंक में करंट आ रहा था। ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य बंद कर दिया गया है। बिजली कार्य सही करने के लिए बिजली मिस्त्रियों को लगाया गया है। करंट सही होने पर काम सुचारू रूप से चालू कर दिया जाएगा।

कलान ब्लॉक की प्रकाशित निविदाएं रद

संवाददाता, कलान

- क्षेत्र पंचायत सदस्य कर रहे थे विरोध में धरना प्रदर्शन
- अखबार के संस्करण में निविदा हुई थी प्रकाशित

अमृत विचारः आखिरकार धरना प्रदर्शन कर रहे क्षेत्र पंचायत सदस्यों के आगे ब्लॉक प्रशासन ने घुटने टेक दिए। एक समाचार पत्र के बरेली संस्करण और एक साप्ताहिक समाचार पत्र में 1 अगस्त को निविदा प्रकाशित की गई थी। जबकि टेंडरों की बिक्री 23 जुलाई से दिखाई गई थी। क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अन्य जनपद में निविदा प्रकाशन व पूर्ण हुए कार्यों की निविदा पुनः प्रकाशित कराने को लेकर शासकीय धन का बंदर वाट करने व टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता का आरोप लगाया था। क्षेत्र पंचायत सदस्यों के आरोप और धरना प्रदर्शन के बाद प्रकाशित निविदाएं ब्लॉक प्रशासन ने निरस्त कर दी हैं। निविदा प्रकाशन निरस्त करने की सूचना नोटिस बोर्ड पर चश्पा कर दी गई है। धरना प्रदर्शन के दौरान बीडीसी सदस्यों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र पंचायत की बैठक के दौरान मिलने वाला मानदेय भी अप्रैल में हुई बैठक का इस बार नहीं दिया गया। पहले यह धनराशि नकद दे दी जाती थी। इस बार यह कहा गया कि सभी सदस्यों के एकाउंट में रुपए ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने बताया कि इसके लिए हम लोगों के खाता नंबर भी ले लिए गए, लेकिन अभी तक मानदेय खातों में ट्रांसफर नहीं किया गया। क्षेत्र पंचायत सदस्यों की मांग है कि हम लोगों का रुपया शीघ्र ही खातो में ट्रांसफर किया जाए तथा निविदाओं का प्रकाशन स्थानीय समाचार पत्रों में कराया जाए। उन्होंने निविदा प्रकाशन में लापरवाही करने वाले दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। वहीं खण्ड विकास अधिकारी रवि सिंह द्वारा मैसर्स बालाजी ट्रेडर्स कलान को अग्रिम 6 माह के लिए किया ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है।

वहीं बालाजी ट्रेडर्स को ब्लैक लिस्ट करने के संबंध में खण्ड विकास अधिकारी कलान रवि सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि संबंधित फर्म द्वारा कराए गए कार्य की ईंटों को मौके से सील कर विस्तृत परीक्षण के लिए पीडब्ल्यूडी कार्यालय शाहजहांपुर भेजा गया था। सैंपल जांच में गुणवत्ता हीन पाया गया। इसीलिए जनहित में उक्त फर्म को अग्रिम 6 माह के लिए ब्लैक लिस्ट किया गया है। उधर, जब इस संबंध में मैसर्स बालाजी ट्रेडर्स कलान के स्वामी मनोज बाबू गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इससे पहले भी मेरी फर्म को दबाव के चलते काली सूची में डाल दिया गया था। मैंने न्यायालय की शरण ली थी। मुझे जीत मिली। पुनः दबाव में आकर मेरी फर्म को ब्लैक लिस्ट किया गया है। मैं न्यायालय की शरण लूंगा। मुझे न्यायालय और ईश्वर पर पूरा भरोसा है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो कांवड़ियों की मौत

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः परौर थाना क्षेत्र के कुंडरिया गांव में मंगलवार रात 9:30 बजे कांवड़ियां गंगाजल लेने के लिए पांचाल घाट जाने की तैयारी कर रहे थे, ट्रैक्टर ट्रॉली पर डीजे था। हाईटेंशन लाइन पर तार छू जाने पर दो लोग झुलस गए। दोनों को फर्रुखाबाद सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया, जहां दोनों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया फर्रुखाबाद के सरकारी अस्पताल में सुखबीर और जसवीर की मौत हुई है, कोई अन्य नहीं झुलसा है।

चार किमी दूर करना पड़ा अंतिम संस्कार

संवाददाता, बंडा

अमृत विचारः गांव ढुकरी बुजुर्ग में श्मशान घाट की बदहाल व्यवस्था के चलते एक बुजुर्ग का अंतिम संस्कार चार किलोमीटर दूर करना पड़ा। मृतक को कुछ दिन पहले कुत्ते ने काट लिया था, जिससे वह बीमार हो गए थे। सोमवार की रात उनकी तबियत अचानक बिगड़ी और अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

परिवारजन अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे, लेकिन बारिश और गांव के श्मशान घाट की दुर्दशा बाधा बन गई। ग्रामीणों के मुताबिक गांव में बना श्मशान घाट करीब एक एकड़ में फैला है, लेकिन अधिकतर भूमि पर लोगों का कब्जा है। इसके अलावा वहां टिन शेड जैसी मूलभूत सुविधा नहीं है। गांव के लोगों ने रामनरेश का अंतिम संस्कार चार किलोमीटर दूर कुंडरा गांव के श्मशान घाट पर किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द गांव के श्मशान घाट को व्यवस्थित कर वहां टिन शेड डलवाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी असुविधा दोबारा न हो।

एसडीएम पुवायां के सामने पेश हुए दोनों पक्ष, बयान दर्ज

संवाददाता, बंडा

- शिव मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर प्रशासन की कार्रवाई जारी

अमृत विचारः सुनासीरनाथ शिव मंदिर की भूमि पर कब्जे का मामला संज्ञान में आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है।

मंगलवार को मंदिर के महंत और मां नर्मदा धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी एसडीएम पुवायां के सामने पेश हुए और दोनों पक्षों ने अपना- अपना पक्ष रखते हुए अपने अपने दस्तावेज प्रस्तुत किए। इसके बाद एसडीएम ने दोनों पक्षों के लोगों के अलग-अलग बयान दर्ज कराए। महंत रमेश गिरी और पुजारी सर्वेश गिरी ने 31 जुलाई को जिलाधिकारी को पत्र देकर शिव मंदिर के साथ ही जय कायम खेड़ा, मेला का खेड़ा, मेला स्थल के साथ ही श्री स्वामी गौरी शंकर सालिगराम महाराज मेला सुनासीरनाथ के नाम दर्ज भूमि पर कुछ लोगों पर कब्जा करने का आरोप लगाया था और हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष अवनीश मिश्र से मिलकर पूरे मामले से अवगत कराया था। जिसके बाद हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश (अ) के अध्यक्ष अवनीश मिश्र ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की थी और धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। जिसके बाद रविवार को एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल और सीओ पुवाया प्रवीण मलिक बंडा थाने पहुंच दोनों पक्षों को बुलाया था। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद सीओ और एसडीएम ने मंगलवार को कागजात लेकर एसडीएम कार्यालय में आने को कहा था। जिस पर मां नर्मदा धर्मार्थ टेस्ट के ट्रस्टी मोहन मित्तल ट्रस्ट के सदस्यों के साथ अभिलेख लेकर मौके पर पहुंचे थे और एसडीएम के समक्ष अपने समस्त अभिलेख प्रस्तुत किए।

अधूरे नाले में व्यक्ति गिरकर घायल

बंडा, अमृत विचारः नगर पंचायत बंडा द्वारा खुटार रोड पर बनाए जा रहे नाले का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है, जिससे सोमवार दोपहर एक व्यक्ति हादसे का शिकार हो गया। रामप्रताप सब्जी लेने जा रहे थे, तभी खुले पड़े नाले में गिरकर घायल हो गए।

रामप्रताप ने नगर पंचायत पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि नाले की खुदाई 15 दिन पहले की गई थी, लेकिन काम लगातार टाला जा रहा है। मात्र आधा दर्जन मजदूर काम पर लगाए गए हैं, जिससे निर्माण धीमी गति से चल रहा है। आरोप हैं नाले में घटिया क्वालिटी की पीली रोड़ी डाली जा रही है।घटना के बाद रामप्रताप ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की है कि नाले के निर्माण में उच्च गुणवत्ता की सामग्री का इस्तेमाल करते हुए कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि भविष्य में कोई और हादसा न हो।

10 लाख से अधिक भवन निर्माण पर खर्च किए तो देना होगा एक फीसदी टैक्स

प्रभाकर मिश्रा, शाहजहांपुर

- आपके मकान पर श्रम विभाग की रहेगी नजर, नवनिर्माण हो रहे चिंहित
- श्रम उपकर वसूलने को 12 आरसी व 42 लोगों को जारी किए गए नोटिस

> जनपद में अब तक श्रम विभाग ने 4 करोड़ 15 लाख 80 हजार 511 रुपये श्रम उपकर जमा कराएं है। हमारे विभाग द्वारा निरंतर नवनिर्माण पर निगरानी कर टैक्स जमा कराया जा रहा है। जो लोग अनदेखी कर रहे हैं, उनके खिलाफ नोटिस व आरसी की कार्यवाही की जा रही है।
>
> – **नासिर खान** सहायक श्रमायुक्त।

अमृत विचारः अगर आप भी मकान बनवाने की सोच रहे या जमीन खरीदकर भवन निर्माण कराना शुरू कर दिया है तो आपके आशियाने पर श्रम विभाग की नजर बनी हुई है।

आप 10 लाख रुपये से ज्यादा भवन निर्माण पर खर्च कर रहे हैं, तो आपको एक फीसदी श्रम उपकर श्रम विभाग को अनिवार्य रूप से जमा करना ही होगा। इसको लेकर श्रम विभाग द्वारा महानगर से ग्रामीण क्षेत्रों में भी हो रहे निजी व सरकारी भवन निर्माण का सर्वे कराकर भवन मालिकों को नोटिस भेजकर टैक्स जमा कराया जा रहा है। अगर आपने नोटिस आने के बाद भी समय से टैक्स विभाग को न जमा किया तो आपके नाम से आरसी जारी कर प्रशासन द्वारा अपने हिसाब से वसूली की जाएगी, इसमें मकान की कुर्की तक संभव है।

अभी तक आपने नगर निगम, नगर निकायों की ओर से भवन टैक्स जमा करने की बात सुनी होगी, लेकिन अब 2009 के बाद जिन्होंने भी भवन निर्माण कराया या करा रहे हैं, तो उनको दस लाख रुपये से अधिक लागत से मकान बनवाने पर एक फीसदी टैक्स श्रम विभाग को जमा करना होगा। श्रम विभाग की टीमें मकान, स्कूल, होटल, रेस्टोरेंट, कॉलेज को चिंहित कर रही है। श्रम विभाग को मिलने वाले इस टैक्स से निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए आर्थिक योजना चलाई जा रही है।

बता दें कि 2025-26 में श्रम विभाग द्वारा सरकारी भवन निर्माण पर 3 करोड़ 69 लाख 72 हजार 94 रुपये व निजी भवनों से 46 लाख 73 हजार 217 रुपये कुल 4 करोड़ 15 लाख 80 हजार 511 रुपये श्रम उपकर जमा कराया गया है। इसमें 12 भवन मालिकों को आरसी व 42 को नोटिस जारी किया गया है।

तेंदुआ पकड़ने को चांदपुर - केसरपुर में लगाए गए सीसीटीवी और पिंजरे

ग्रामीणों में दहशत का माहौल, तेंदुए की तलाश में वन विभाग की सतर्क निगरानी

संवाददाता, खुटार

चांदपुर में लगाया गया पिजरा। ● अमृत विचार

ग्रामीणों से जानकारी करते एसडीओ सुशील कुमार।

- बकरी पर हमले की सूचना पर केसरपुर खुर्द पहुंचे एसडीओ सुशील कुमार
- लोकेशन ट्रेस के प्रयास जारी, दो कैमरे और दो पिंजरे लगाए गए

अमृत विचार: क्षेत्र में तेंदुए की दहशत से जहां ग्रामीण भयभीत हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण पालतू जानवरों को बचाने के लिए भी सतर्कता बरत रहे हैं। सोमवार की रात वन क्षेत्र के गांव केसरपुर खुर्द में बकरी पर तेंदुए के हमला करने की सूचना पर वन विभाग के एसडीओ डॉ. सुशील कुमार टीम के साथ केसरपुर खुर्द गांव पहुंचे और जांच -पड़ताल की। उसके बाद उन्होंने चांदपुर में लगाए गए कैमरा ट्रैप व पिंजरे का भी निरीक्षण किया। डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि जंगल में पानी और कीचड़ हो जाने से तेंदुए जंगल के बाहर निकल आते हैं। जिससे वह जानवरों का शिकार बनाते हैं। चांदपुर, बरगदिया, चतुरपुर, हरिहरपुर सहित कई गांवों में पिछले एक सप्ताह से तेंदुआ दर्जनों बकरियों को अपना निवाला बना डाला। बकरियों पर लगातार हमले होने से ग्रामीण भी दहशत में आ गए। जबकि किसान खेतों में काम करने से भी डरने लगे। उधर किसानों ने वन विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि वन विभाग तेंदुए को खदेड़ने के लिए कांबिंग के नाम पर खाना पूर्ति कर रही है।एसडीओ डॉ. सुशील कुमार ने अलग-अलग टीमें गठित कर तेंदुए को पकड़ने के लिए कैमरा ट्रैप और पिंजरे लगवाएं हैं। उन्होंने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए दो कैमरे व दो पिंजरे चांदपुर में लगाए गए हैं तेंदुए की लोकेशन लगातार ट्रेस की जा रही है लोकेशन ट्रेस होते ही उसे पिंजरे में कैद कर जंगल में ले जाकर छोड़ दिया जाएगा।

शौच करने गए व्यक्ति की तालाब में डूबकर मौत

शाहजहांपुर,अमृत विचार: एक व्यक्ति तालाब पर शौच करने गया था, पैर फिसलने से तालाब में डूब गया। ग्रामीणों ने उसे डूबते देख लिया तो किसी तरह निकाल, उसे सीएचसी पर ले गए। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव कूरे बंडा निवासी रतीराम (52) मंगलवार की सुबह खेत पर गए। इस दौरान शौच करने खेत से कुछ दूरी पर तालाब पर गए। पैर फिसल जाने से तालाब में डूब गए। ग्रामीणों ने उनको तालाब में डूबते देख लिया और शोर मचाया। ग्रामीणों ने उन्हें तालाब से होशी की हालत में निकाला। परिवार वाले सीएचसी पर ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार वालों ने थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर, तहसीलदार अनुराग दूबे ओर लेखपाल सुशील वर्मा गांव में पहुंचे और मृतक के परिवार वालों से जानकारी की। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा तीन पुत्र व एक पुत्री है।

शिवमहापुराण कथा के बाद किया रुद्राभिषेक

रुद्राभिषेक करते हुए भक्त। ● अमृत विचार

शाहजहांपुर, अमृत विचार: खिरनीबाग रामलीला मैदान में चल रही श्री स्कंद शिव महापुराण कथा के समापन पर, कथा के बाद सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। काशी से पधारे विद्वान संतों द्वारा संस्कृत वैदिक मंत्रोच्चार की दिव्यता में संपूर्ण रामलीला मैदान शिव भाव से सराबोर हो उठा। जैसे-जैसे ऋचाएं गूंजीं, वैसे-वैसे भक्तों की भुजाएं उठीं और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो गया।

कथावाचक प्रशांत प्रभु महाराज के सान्निध्य में सर्वप्रथम पूजन का प्रारंभ हुआ। विधिवत पूजन उपरांत रुद्राभिषेक की प्रक्रिया आरंभ की गई। जिसमें श्रद्धालुओं ने जल, दूध, शहद, बेलपत्र और गंगाजल से भगवान रुद्र का सामूहिक अभिषेक किया। आयोजन मात्र एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, अपितु सामूहिक आत्मशुद्धि का स्वरूप बन गया, जहां हर भक्त की आंखों में आस्था थी और हृदय में शिव का वास। श्रद्धालुओं सहित दूरदराज़ से आए भक्तों ने भी इस अलौकिक अवसर का लाभ लिया। आयोजन समिति ने सुचारू रूप से व्यवस्थाएं संभालते हुए सबको सुलभता से पूजा का अवसर प्रदान किया।

सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे, हादसे की आशंका

मदनापुर, अमृत विचार: गढ़िया रंगीन मार्ग पर बहगुल नदी के पक्के पुल के पास सड़क किनारे मिट्टी धंसने से गंभीर स्थिति बन गई है।

बुधवाना गांव के समीप पुल के दोनों ओर सड़क की पटरी धंस गई है, जिससे 15 फीट गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों को अब तक भरा नहीं गया है, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। इस मार्ग से गढ़िया रंगीन, जलालाबाद व अन्य गांवों के लोगों की आवाजाही करते हैं। रात के समय अंधेरे में सड़क की पटरी स्पष्ट नहीं दिखाई देती ।

लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की छत गिरी

संवाददाता, कलान

- घर में रखा गृहस्थी का सामान क्षतिग्रस्त हो गया

अमृत विचार: कलान क्षेत्र में लगातार हो रही रिमझिम बारिश अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। मंगलवार दोपहर पिलुआ गांव में बंटी सिंह के कच्चे मकान की छत भरभरा कर गिर गई। जिससे उनके परिजन बाल बाल बच गये। गनीमत रही कि यह हादसा दिन में हुआ।

बंटी सिंह ने बताया कि पूरा परिवार इसी मकान में सोता है यदि रात में छत गिरती तो निश्चित तौर पर जनहानि हो जाती। अचानक गिरी छत से अंदर रखा बिस्तर, बर्तन और अन्य घरेलू सामान मलबे के नीचे दब गया। कुर्सियां भी टूट गई।हादसे के समय मकान के अंदर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था।

इस वजह से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बंटी ने बताया कि कई दिनों से हो रही बारिश के कारण मकान पूरी तरह भीग चुका था।इससे छत कमजोर हो गई थी। जिसके कारण मकान की छत गिर गई।

वाहन से टकराकर तीन पशुओं की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: कटरा में लखनऊ-दिल्ली मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अलग-अलग स्थानों पर अज्ञात वाहनों से टकराकर तीन गौवंशीय पशु की मौत हो गई।

मंगलवार की सुबह चार बजे हुलास नगला गांव के सामने अज्ञात वाहन से टकराकर एक गौवंश की मौत हो गयी। हाईवे पर दो अन्य स्थानों पर अज्ञात वाहनों से दो गौवंश की मौत हो गयी। राष्ट्रीय गौरक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजीत शर्मा अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने फोन पर अधिकारियों से फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में छुट्टा पशु खुले आम घूम रहे है। उनको पकड़कर गौशाला में नहीं पहुंचाया जा रहा है।

रक्षाबंधन पर महिलाएं रोडवेज बसों में तीन दिन तक करेंगी निशुल्क यात्रा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 8 से 10 अगस्त तक, हथोड़ा चौराहे से बसों का संचालन से दिक्कत

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने इस बार भी रक्षाबंधन पर अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए रोडवेज बसों में महिलाएं निशुल्क यात्रा कर सकेगी। यह सुविधा 8 अगस्त की शाम 6 बजे से 10 अगस्त की रात 12 बजे तक रहेगी। इधर रोडवेज बस का निर्माण कार्य पूरा न होने हथौड़ा चौराहे से बसों का संचालन हो रहा है। यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय डिपो में निगम की 144 बसें और अनुबंधित 77 बसें है। बसों का संचालन सभी मार्गों पर हो रहा है। प्रदेश सरकार ने इस साल भी रक्षाबंधन पर अपने भाइयों को राखी बांधने जाने के लिए रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की सौगात दी है। आठ अगस्त से शाम छह बजे से 10 अगस्त को रात 12 बजे तक निशुल्क सफर कर सकेंगी। इधर रोडवेज बस अड्डे का सुन्दरीकरण कार्य एक साल से अधिक समय हो गया और कार्य चल रहा है। ठेकेदार ने बस अड्डे परिसर में सामान फैला रखा है, जिससे बसें परिसर में खड़ी नही हो पाती है। रोडवेज बस अड्डे के बाहर बसें खड़ी करने पर जाम लगता है।

रोडवेज प्रशासन ने कुछ बसों को संचालन बरेली और हथौड़ा चौराहे से किया है। बस अड्डे पर वहीं बसें आती है, जिन्हे डीजल लेना होता है। ऐसे में लोगों को जाम से निजात तो मिल गयी है, लेकिन यात्रियों को भटकना पड़ रहा है। लोगों को बस पकड़ने के लिए बरेली मोड़ और हथोड़ा चौराहे जाना पड़ता है। लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

डग्गामार वाहनों के खिलाफ रोडवेज कर्मियों ने किया प्रदर्शन

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रोडवेज कर्मचारियों ने डग्गामार वाहनों के खिलाफ प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन से मांग की है कि डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जाए।

मंगलवार की दोपहर दो बजे रोडवेज कर्मचारी बस स्टैंड गेट पर एकत्रित हुए और जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारियों ने बताया कि डग्गामार मैजिक, ईको और प्राइवेट बस गेट के पास खड़ी करके आवाज लगाकर सवारियों को बुलाते है। जबकि ट्रैफिक पुलिस वहीं पर खड़ी रहती है और डग्गामार वाहनों को न चालान करती और न हटाती है। डग्गावार वाहनों के खिलाफ कई बार प्रशासन को ज्ञापन दिया जा चुका है। लेकिन डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों ने मांग की है कि डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जाए। प्रदर्शन करने वालो में डिपो प्रभारी सुशील त्रिवेदी, मृदुल कुमार, विनोद कुमार, विजय शुक्ला, शेर सिंह आदि थे।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार: कहेलिया रेलवे स्टेशन के निकट अप व डाउन लाइन के बीच मंगलवार की सुबह एक युवक का शव मिला है। स्टेशन मास्टर ने थाना को मेमो दिया। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार मिश्र सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। मृतक की उम्र 30 वर्ष है। मृतक कत्थई रंग की शर्ट, काली बनियान और सफेद रंग की पैंट पहने हुए है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पायी है।

सीएमओ ने बांटी पोषण की पोटली

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शासन की मंशानुरूप क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरण कर उनकी हर माह मानीटरिंग स्वास्थ्य विभाग की ओर से जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को सीएमओ सभागार में सीएमओ डॉ .विवेक कुमार मिश्रा ने क्षय रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया। उन्होंने क्षय रोग विभाग से टीम को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान डीटीओ डॉ .ओमेंद्र, डॉ. फैजल, आरती सिंह, सिद्धार्थ आदि रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती मनाई

शाहजहांपुर, अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशन पर पार्टी के चिन्तक एवं दार्शनिक छोटे लोहिया, सपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्वः जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयन्ती पार्टी के जिला कार्यालय पर मनाई गई। पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उनको याद किया।

एक गोष्ठी का आयोजन सपा के जिला महासचिव रणजय सिंह यादव की अध्यक्षता में किया गया और पार्टी के प्रख्यात चिन्तक एवं छोटे लोहिया स्वः जनेश्वर मिश्र के विचारों,व्यक्तित्व पर चर्चा की गई। पूर्व विधायक राजेश यादव, पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा, सपा के प्रदेश सचिव रामसूरत यादव,सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रमुख महासचिव सैयद रिजवान अहमद, उत्पल यादव, हफ़ीज़ अंसारी, असलम खान, श्याम लाल यादव, राधेश्याम यादव इरफान खान संतोष पाल राजू कनौजिया, मोहसिन खान, वीर मिश्रा आदि मौजूद रहे।

सर्पदंश से किशोर की गई जान

खुदागंज, अमृत विचार: भूसौरी गांव में एक किशोर को सर्प ने डस लिया। परिवार वाले उसे मेडिकल कॉलेज न ले जाकर झाड़फूंक कराते रहे। हालत नहीं सुधरने पर सुबह मेडिकल कॉलेज ले गए,जहां डॉक्टर ने किशोर को मृत घोषित कर दिया।

खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव भूसौरी निवासी 15 वर्षीय जितेंद्र सोमवार की रात खाना खाने के बाद एक कोठरी में सोने के लिए चला गया। रात 12 बजे सर्प ने काट लिया। उसने शोर मचाया तो परिवार वाले जाग गए। इस दौरान सांप भाग गया। झाड़फूंक से आराम नहीं हुआ तो परिवार वाले सुबह 9 बजे उसे बेहोशी की हालत में लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार वाले उसका शव लेकर घर चले गए और शाम को उसका अंतिम संस्कार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना पर कोई सूचना नहीं है।

इलाज के दौरान घायल ने तोड़ा दम

संवाददाता, जेतीपुर/शाहजहांपुर

- ट्रॉली में लदी सरिया गले में घुसने से युवक हुआ था घायल

अमृत विचार: ट्रॉली में लदी लोहे की सरिया बाइक सवार के गले में घुस जाने पर उसकी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। इससे घर में कोहराम मच गया। रोजा थाना क्षेत्र के गांव हथौड़ा निवासी जान मोहम्मद (55) तीन दिन पहले बाइक से जा रहा था।

स्टेट हाइवे पर करकौर गांव के सामने ट्रॉली पर लदी सरिया उसकी गर्दन में घुस गई थी। चालक ट्रैक्टर-ट्राली लेकर भाग गया था।

परिवार वालों ने घायल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान सोमवार की रात मौत हो गई। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी गौरव त्यागी ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कॉमर्स विषय में केतन ने हासिल की पीएचडी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: चौक क्षेत्र स्थित मोहल्ला चौकसी फूलमती मंदिर निवासी केतन पांडेय ने कॉमर्स में शोध कर संस्कृति विश्वविद्यालय मथुरा से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

उन्होंने "एनालिटिकल स्टडी ऑफ फाइनेंसिंग वूमेन एंटरप्रेन्योर्स बाई नेशनलाइज्ड बैंक" विषय पर शोध किया है। यह शोध कार्य महिला उद्यमिता की अवधारणा को उजागर करने और राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा उन्हें दिए जाने वाले वित्तीय सहयोग का विश्लेषण करने के उद्देश्य से किया गया। केतन ने इस उपलब्धि को ईश्वर, दिवंगत नानी, दिवंगत माता-पिता तथा अपने गुरुजनों को दिया।

अंगदान को लेकर निकाली प्रेरणादायक रैली

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय में अंगदान दिवस पर रैली
- चिकित्सकों और छात्रों ने उठाया सामाजिक जिम्मेदारी का बीड़ा

रैली निकालते वरुण अर्जुन विवि के छात्र। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारतीय राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय की ओर से एक प्रेरणादायक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल अंगदान की वैज्ञानिक प्रक्रिया को समझाना था, बल्कि आमजन में इसके प्रति सकारात्मक सोच और भागीदारी को बढ़ावा देना भी था।

रैली की शुरुआत वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल परिसर से हुई, जहां मुख्य अतिथि एवं कॉलेज के डीन डॉ. कर्नल रवींद्र नाथ शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस दौरान उप-प्राचार्य डॉ. संथानाकृष्णन, कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता, बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश आर. लुकाड़े समेत कई वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। छात्रों और चिकित्सकीय स्टाफ ने हाथों में "मृत्यु के बाद भी करें जीवनदान", "एक अंग, अनेक जिंदगियां" जैसे नारों से युक्त तख्तियां लेकर आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को अंगदान के महत्व के प्रति जागरूक किया। डॉ. शुक्ला ने अपने संबोधन में अंगदान को सेवा का सर्वोच्च रूप बताया और कहा कि एक मृतक व्यक्ति आठ से अधिक जिंदगियां बचा सकता है। उन्होंने अंगों और ऊतकों के दान की वैज्ञानिक जानकारी साझा करते हुए युवाओं से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

डॉ. संथानाकृष्णन ने इसे केवल एक चिकित्सा प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्य और सांस्कृतिक परंपरा बताया। वहीं, डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता ने समाज में व्याप्त भ्रांतियों और अंधविश्वासों को दूर करने की अपील की और भारत सरकार के अंगदान पोर्टल नोटो की जानकारी साझा की। डॉ. लुकाड़े ने बताया कि अंगदान बच्चों के जीवन के लिए भी वरदान साबित हो सकता है, इसलिए इसे गांव-कस्बों तक ले जाना जरूरी है।

कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल, प्रति-कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल और कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल ने विश्वविद्यालय की इस पहल को सराहा और बताया कि आने वाले महीनों में इससे जुड़ी कार्यशालाएं, प्रतियोगिताएं व संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंगदान को जन आंदोलन बनाने के दृष्टिकोण से प्रेरित रहा।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है

A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध

02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

Contact Us:- 9311198889 9045599027

Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi

"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

सिटी ब्रीफ

आज जिले में रहेंगी महिला आयोग की सदस्य अवनी सिंह

बदायूं, अमृत विचार : जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अभय कुमार ने बताया कि राज्य महिला आयोग की सदस्य अवनी सिंह बुधवार को जिले में आ रही हैं। वह पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 01:00 बजे महिलाओं की समस्याएं सुनेंगी। इसके बाद ब्लॉक सालारपुर में महिला चौपाल आयोजित कर महिलाओं की समस्याओं का निस्तारण कराएंगी। चौपाल में विभिन्न योजनाओं की जानकारी महिलाओं को दी जाएगी।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश को 13 अगस्त तक होंगे आवेदन

बदायूं, अमृत विचार : जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 और 9 में प्रवेश के लिए आवेदन 13 अगस्त तक होंगे। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य भगत सिंह ने जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2026-27 में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को 13 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। कहा कि आवेदक जनपद बदायूं का निवासी होना चाहिए और वह कक्षा पांच में अध्यनरत हो।

युवाओं को स्वरोजगार के लिए मिलेंगे 5 लाख

बदायूं, अमृत विचार : प्रदेश सरकार युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार करने के लिए पांच लाख रुपये तक ऋण दिया जाएगा। इसके लिए छह माह तक किस्त भी जमा नहीं करनी होगी। उद्योग विभाग को वर्ष 2025-26 में 1700 युवाओं को ऋण दिलाए जाने का लक्ष्य मिला है। बुधवार को कलेक्ट्रेट में हुई बैठक के दौरान डीएम ने अधिकारियों को लक्ष्य को पूरा करने के आदेश दिए। जिससे युवा वर्ग स्वरोजगार कर सकें। डीएम अवनीश कुमार राय ने विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबन्धकों, अग्रणी जिला प्रबन्धक, पंजाब नैशनल बैंक को योजना के तहत ऋण स्वीकृत किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही बैठक में उपस्थित प्रधानाचार्य राजकीय पॉलीटेक्निक, आरसेटी व सीएससी सेन्टर के छात्र-छात्राओं को योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम का छापा, भरे नमूने

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- त्योहार पर मिलावट करने वालों के खिलाफ चल रहा अभियान

अमृत विचार : रक्षाबंधन पर्व पर मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग जिले भर के बाजार में छापामार अभियान चला जा रहा है। मंगलवार को खाद्य सुरक्षा विभाग ने बिसौली और शहर के बाजार में स्थित मिष्ठान भंडार से दूध से निर्मित मिठाईयों के पांच सैंपल लिए। इन्हें जांच को लैब में भेजा गया है।

सहायक खाद्य आयुक्त सीएल यादव ने बताया कि खाद्य विभाग की टीम ने बिसौली स्थित बाजार में छापा मारा। दो प्रतिष्ठानों से बर्फी का एक और छेना मिठाई के दो सैंपल लिए। वहीं शहर लालपुल स्थित सूरज मिष्ठान भंडार से एक पेड़ा और एक छेना मिठाई का सैंपल लिया। इन सभी को जांच के लिए लैब में भेजा गया है। सहायक आयुक्त ने बताया कि मिष्ठान भंडारों की रसोई में गंदगी मिलने पर साफ सफाई रखने के निर्देश दिए गए। चेतावनी दी कि अगर आदेशों का पालन नहीं किया जाता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। छापामार अभियान में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरपी सिंह, प्रमोद कुमार, खुशीराम, प्रिया त्रिपाठी एवं करन सिंह मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों में खरीदा जाएगा एक-एक सेट वाद्य यंत्र, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी करेगी चयन

ढोलक-हारमोनियम की धुन पर गांवों में गूंजेंगे भजन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- ग्राम पंचायतों में भेजे जाएंगे हारमोनियम और ढोलक
- संचालित करने वाली पंचायतों को मिलेगी प्राथमिकता

> संस्कृति विभाग की ओर से ग्राम पंचायतों को वाद्य यंत्र दिए जाएंगे। पहले चरण में 10 ग्राम पंचायतों को वाद्य यंत्र मिलेंगे। ग्राम पंचायतों का चयन डीएम स्तर से किया जाएगा। इसमें ऐसे गांवों को लिया जा रहा है जहां के मंदिरों में भजन-कीर्तन व सार्वजनिक कार्यक्रम ज्यादा होते आ रहे हैं। जल्द ही ग्राम पंचायतों का चयन किया जाएगा।
>
> - यावर अब्बास, जिला पंचायत राज अधिकारी

अमृत विचार : जिले की ग्राम पंचायतों में एक बार फिर से वाद्य यंत्रों की थाप लोक गीतों के स्वर सुनाई देंगे। शासन की पहल पर ग्राम पंचायतों में झांझ-मजीरा से लेकर ढोलक, हारमोनियम आदि वाद्य यंत्र खरीदे जाएंगे। वाद्य यंत्र खरीदे जाने के लिए ग्राम पंचायतों का चयन डीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी करेगी। इसमें उन ग्राम पंचायतों को वरीयता दी जाएगी जहां निरंतर लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने लिए कार्यक्रम आयोजित होते आ रहे हैं।

शासन स्तर से पंचायती राज विभाग को पत्र मिला है। पत्र मिलने पर विभागीय स्तर से तैयारी शुरू हो गई है। वाद्य यंत्र संस्कृति विभाग द्वारा खरीद कर चयनित ग्राम पंचायतों में भेजेगा। लोक कला को प्रोत्साहित करने के लिए शासन स्तर से पहल की गई है। इस पहल के तहत ग्राम पंचायतों में संस्कृति विभाग वाद्य यंत्र का एक सेट भेजेगा। इसमें हारमोनियम, ढोलक, झांझ, मंजीरा, करताल, घुंघरू आदि शामिल रहेंगे। वाद्य यंत्र 10 ग्राम पंचायतों को भेजा जाएगा। इन ग्राम पंचायतों का चयन डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति करेगी। लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए यह कवायद की जा रही है। वाद्य यंत्रों के वितरण का उद्देश्य युवा पीढ़ी को कला, संस्कृति से जोड़ना है। इसके तहत भजन-कीर्तन मंडली, लोकगीत, लोकनृत्य, संस्कार गीत, नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रमों के निरंतर संचालित करने वाली ग्राम पंचायतों को प्राथमिकता दी जाएगी। संस्कृति विभाग की ओर से डीएम को पत्र जारी कर ग्राम पंचायतों का चयन करने के आदेश दिए हैं। चयनित ग्राम पंचायतों को वाद्य यंत्रों का सेट लखनऊ में आयोजित एक समारोह में ग्राम प्रधान व उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि को दिया गया। जिस पर संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश का नाम लिखा होगा।

ग्राम पंचायतों की होगी रखरखाव की जिम्मेदारी

गांवों में सांस्कृतिक आयोजनों के लिए वाद्य यंत्र को ग्राम पंचायतों के लिए शासन की ओर से दिया जाएगा। वाद्य यंत्रों का रख-रखाव एवं मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायत की होगी। ग्राम सभा के सदस्यों व कलाकारों द्वारा मांगे जाने पर वाद्ययंत्र सांस्कृतिक आयोजनों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इन वाद्य यंत्रों का उपयोग सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, पर्यटन संवर्द्धन, स्वच्छ भारत मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, महिला सशक्तिकरण, बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ व सरकार द्वारा संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रचार-प्रसार में भी किया जाएगा।

बारिश के दौरान गिरा कच्चा मकान किसान की मौत, पत्नी व बेटा घायल

मंगलवार दोपहर दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव कांसू नगला में हुआ हादसा

संवाददाता, दातागंज

मौका मुआयना करते एसडीएम दातागंज धर्मेंद्र कुमार व कोतवाल गौरव विश्नोई।

हादसे के बाद मकान का मलबा।

अमृत विचार : तीन दिन से हो रही लगातार बारिश के दौरान दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव कांसू नगला में एक किसान का कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। ग्रामीणों ने किसान और उसके परिवार के सदस्यों को मलबा से बाहर निकाला। हादसे में किसान की मौत हो गई, जबकि पत्नी व बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के दौरान किसान घर में खाना खा रहा था। पत्नी पास में बैठी थी और बेटा खेल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसडीएम व कोतवाल ने मौका मुआयना किया।

मृतक छोटे लाल।

हादसा कोतवाली दातागंज क्षेत्र के गांव कांसू नगला में हुआ। गांव निवासी छोटे लाल मंगलवार दोपहर बारिश के दौरान खेत पर फसल देखकर वापस गांव लौटे थे। घर के भीतर बैठकर खाना खा रहे थे। उनकी पत्नी शकुंतला पास में बैठी थी और आठ साल का बेटा अजीत खेल रहा था। इसी दौरान उनका मकान अचानक गिर गया। छोटे लाल, उनकी पत्नी और बच्चा मलबा में दब गए। तेज आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़कर पहुंचे। खासी मशक्कत के बाद तीनों को मलबा से बाहर निकाला, लेकिन तब तक छोटे लाल की मौत हो चुकी थी। घायलों को जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया। ग्रामीणों की सूचना पर एसडीएम धर्मेंद्र कुमार और दातागंज कोतवाल गौरव विश्नोई गांव पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। एसडीएम ने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी।

धान की फसल बेचकर करनी थी बेटी की शादी, देख रहे थे घर

छोटे लाल अपनी चार बीघा जमीन से परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। इसके अलावा बाहर जाकर मजदूरी भी करते थे। धान की बुवाई के लिए वह गांव आए थे। उनकी दो अविवाहित बेटियां और दो छोटे बेटे हैं। एक बड़ी बेटी और एक बेटे की शादी हो चुकी है। हादसे के बाद मृतक की पत्नी फफकती रही। कहा कि उनके पति बेटी की शादी के लिए घर देख रहे थे। कहते थे कि धान की फसल बिकन के बाद बेटी की शादी करेंगे।

काश मिल जाता योजना के तहत आवास

ग्रामीणों ने कहा कि यह घटना सरकार के दावों की पोल खोल रही है। लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास दिए गए लेकिन बहुत से पात्र हैं जो आवास स अछूते हैं। पात्र होने के बाद भी आवास नहीं मिल पाते। कहा कि अगर छोटे लाल को आवास मिल जाता तो वह जीवित होते।

विधायक ने उसहैत के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का लिया जायजा

म्याऊं, अमृत विचार : उसहैत क्षेत्र में गंगा नदी में अधिक जलस्तर बढ़ने पर दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ उपजिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह व उसहैत थाना अध्यक्ष विक्रम सिंह भी रहे। निरीक्षण के समय विधायक ने ग्रामीणों से कई बिंदुओं पर जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए।। उन्होंने एसडीएम दातागंज से वहां लाइट लगाने को कहा। बाद में उन्होंने स्टीमर पर बैठकर बाढ़ का जायजा लिया। विधायक ने क्षेत्र के गांव जटा, ठाकुरी नगला में बाढ़ का जायजा लेते हुए लोगों की शिकायतें भी सुनी और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को समस्या का समाधान करने का निर्देश दिए।

स्टीमर पर बैठकर बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का जायजा लेते विधायक राजीव कुमार सिंह।

एसडीएम ने बाढ़ क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों को किया सतर्क

बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण करते एसडीएम सदर मोहित कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता कादर चौक

- आवश्यकता होने पर कंट्रोल रूम के नंबरों पर बात कर सकेंगे लोग

अमृत विचार : मंगलवार को कादर चौक ब्लॉक क्षेत्र के जोरी नगला और रामसहाय नगला का एसडीएम सदर मोहित कुमार ने घाट पर जाकर निरीक्षण किया। बाढ़ के हालात को देखते हुए उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि पहाड़ों पर अधिक बारिश हो रही है। इसलिए नरौरा बैराज से अब अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। इसलिए बाढ़ जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। ऐसे समय में लोगों को धैर्य से काम लेना होगा। उन्होंने स्थानीय लोगों से कहा कि अभी जलस्तर बढ़ रहा है इसलिए पानी में न जाएं। बच्चों को भी पानी से दूर रखें। जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम बनाया है। यदि आवश्यकता हो तो उक्त कंट्रोल रूम के नंबरों पर बात कर अपनी समस्या बताएं। इससे उसका निराकरण किया जा सके। कहा कि जिला प्रशासन स्थिति पर नज़र बनाए हुए है। लोग अपने परिवार के साथ रहें। पशुओं को भी बाहर न निकालें। रात को जागते रहें और जलस्तर पर स्वयं भी नजर रखें।

बदायूं डायरी

छात्राओं ने बनाई तिरंगा रंगोली

बदायूं, अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस से शुरू हो रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को राजकीय महिला महाविद्यालय में तिरंगा रंगोली का आयोजन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने श्वेत, केसरिया और हरे रंग की रंगोली का प्रयोग कर अत्यंत सुंदर मनमोहक रंगोली बनाई। रंगोली बनाते समय छात्राओं के अंदर देश प्रेम की भावना का उत्साह दिखाई दे रहा था।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र को सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

उसहैत, अमृत विचार : दातागंज स्थित पार्टी कार्यालय पर सपा की मासिक बैठक हुई। इसमें समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई। दातागंज विधानसभा के अध्यक्ष सतीश यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ जनेश्वर मिश्र के फोटो पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कहा कि छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र के आदर्शों पर चलना चाहिए। समाजवाद के लिए किए गए संघर्षों को याद करते हुए उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। कहा कि जिनके वोट नहीं हैं उनके वोट संबंधित बूथ के बीएलओ से संपर्क करके अवश्य बनवा लें। इस दौरान नत्थूराम कश्यप, हरीश मैथिल , मुकेश शर्मा, अरविंद यादव, विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

मंदिर और पंचायत घर में घुसा पानी

दबतोरी, अमृत विचार : क्षेत्र के परसिया सरस हाट बाजार के निकट स्थित मंदिर में बारिश का गंदा पानी घुस गया। इससे मंदिर को जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी हो रही है। पंचायत भवन में भी पानी भर गया है जिससे अंदर का सामान तहस नहस हो गया है। मंदिर की ओर जाने वाले नाले का गंदा पानी पंचायत भवन में भर गया है। मंदिर में जलभराव के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानी हो रही है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि मोहल्ले वालो ने घरों का गन्दा पानी मंदिर की तरफ नालियां बना कर दिया है। मंदिर में गंदा पानी भर जाता है। मंदिर से पानी निकालना पड़ता हैं। पंचायत सहायक इमरान ने बताया कि पंचायत भवन के अंदर पानी भरने से सारा काम रुक गया है।

जलभराव से राहगीर परेशान

दातागंज, अमृत विचार : लगातार तीन दिन से हो रही बरसात का पानी सड़कों पर भर गया है। इसके चलते राहगीरों को परेशानी हो रही है। वाहन चालकों का निकलना दूभर हो गया है। बरसात से पूर्व में नगर पालिका द्वारा कराई गई नालों की सफाई की पोल खुल कर सामने आ गई। लाखों रुपये खर्च कर नगर के मुख्य मार्ग दातागंज-शाहजहांपुर मार्ग, बदायूं मार्ग आदि पर नालों का निर्माण कराया गया, लेकिन तीन दिन की बरसात में नालों की पोल खुल गई। जलभराव होने पर नगर पालिका अध्यक्ष नैना गुप्ता के पति अनूप गुप्ता एवं ईओ विकास आनंद ने जलभराव वाले रोड एवं मोहल्ले का निरीक्षण कर कर्मचारियों को पानी निकालने के दिशा निर्देश दिए।

सूर्य घर योजना के तहत नगर निकायों में लगेंगे शिविर

बदायूं, अमृत विचार : बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी वीसी रूम में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के कार्यों की समीक्षा डीएम अवनीश कुमार राय ने की। बैठक में उपस्थित निकायों के ईओ और पंजीकृत वेंडर्स को नगर निकायों में कैंप लगाने के आदेश दिए। कैंप में नगर पालिका को 20 और नगर पंचायत को रोजाना 10 आवेदन कराने होंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है इसके लग जाने से प्रत्येक आवेदक को बिजली की खपत में दो तिहाई की बचत होगी। किसी प्रकार की दिक्कत होती है तो उसके लिए लखनऊ में कॉल सेंटर नंबर 155243 की भी स्थापना की गई है।

बाढ़ को लेकर प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बाढ़ से पहले ऊंचे स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश

अमृत विचार : नरौरा बैराज से एक लाख 44 हजार 810 क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने भी संभावित बाढ़ को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है।

मंगलवार शाम को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा ने बताया कि उत्तराखंड में हो रही लगातार वर्षा से बिजनौर बैराज से 1 लाख 74 हजार 339 क्यूसेक एवं नरौरा बैराज से 1 लाख 44 हजार 810 क्यूसेक पानी छोडे जाने की सूचना मिली है। अन्य बैराजों से भी पानी अधिक मात्रा में छोडा जा रहा है। इससे गंगा और रामगंगा में अधिक मात्रा में पानी छोड़ने के कारण जलस्तर में वृद्धि हो रही है। तहसील क्षेत्रान्तर्गत कतिपय ग्रामों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की पूर्ण सम्भावना है। बाढ़ आपदा के समय कलैक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके नंबर भी जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ से पहले ऊंचे स्थानों को चिन्हित करें। जरूरी कागज जैसे, राशन कार्ड, पासबुक, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड इत्यादि को वॉटरप्रुफ बैग में इकट्ठा रखें। कंट्रोल रूम के दूरभाष संख्या 05832-266052 और मोबाइल नंबर 7505389289 व 7505395940 पर संपर्क करें।

बिगड़े हालात, शहर के कई इलाके जलमग्न

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

शहर के गांधी ग्राउंड रोड पर भरा पानी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मानसून में अब तक सबसे अधिक बारिश हुई है। पिछले 36 घंटे में 172 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। रविवार की देर रात से शुरू हुई बारिश का सिलसिला अभी भी जारी है। आसमान में काली घटाएं घिरी हुई हैं। बारिश से शहर का एक तिहाई इलाका तालाब बन चुका है। घरों और दुकानों में पानी भर गया है। इसकी वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। लगातार हो रही बारिश की वजह से जनजीवन प्रभावित हैं।

रविवार की रात से शुरू झमाझम बारिश लोगों के लिए आफत बन गई। बारिश से शहर से लेकर देहात तक सड़कें तालाब नजर आईं। सरकारी कार्यालयों और स्कूलों के साथ शहर के कई घरों और दुकानों में पानी भर गया। ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर कच्चे मकान गिर गए। ब्लॉक वजीरगंज के गांव धिमरपुरा में गांव निवासी हरप्रसाद के मकान की छत गिर गई। पीड़ित के अनुसार वह कमरे के बाहर पन्नी में सो रहे थे। पत्नी बच्चों के साथ कमरे में सो रही थी। रात में अचानक कच्ची छत भरभरा कर गिर गई। जिसमें तीनों दब गए। अचानक छत गिरने से चीख पुकार मच गई। दबे हुए लोगों को ग्रामीणों ने बाहर निकाला। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। अन्य कई स्थानों पर भी कच्चे मकान गिरने की खबरें हैं। सोमवार की देर रात शुरू हुई बारिश मंगलवार दोपहर तक होती रही। दिन में हुई तेज बारिश की वजह से सरकारी अस्पताल सहित कार्यालयों और प्राथमिक स्कूलों में पानी भर गया। दोपहर तक हुई बारिश की वजह से बाजार में दुकानें समय पर नहीं खुल सकीं। बारिश की वजह से शहर बाबू राम मार्केट, वाटर वर्क्स रोड, गांधी ग्राउंड, पनबड़िया, सुभाष चौक, पटियाली सराय, कबूलपुरा, आवास विकास कॉलोनी की सड़कें तालाब बनी नजर आईं। सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आने जाने में समस्या का सामना पड़ा। पैदल तो छोड़ो बाइक सवारों को भी दिक्कत हुई।

खबरें
www. amrit vichar.com
पर भी पढ़ें

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL Vocational Education & Research
Estd. 2003
(SILVER LAW COLLEGE)
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION

LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40%
(in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
नि:शुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

सिटी ब्रीफ

ऋषि आश्रम में तीसरा दिन अन्न दिवस के रूप में मनाया

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव बांस बरोलिया स्थित ऋषि आश्रम के ब्रह्मलीन महंत उमाशंकर शास्त्री महाराज के प्राण प्रतिष्ठा के तृतीय दिन यहां अन्न दिवस का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के काफी लोगों ने यहां पहुंच कर हिस्सा लिया। बताते है कि कार्यक्रम के अंतिम दिन सात जुलाई को यहां उनकी प्राण प्रतिष्ठा धूमधाम से की जाएगी। अंतिम दिन आश्रम पर विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर यहां तैयारियां चल रही है। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष वेदव्यास शर्मा, रामप्रकाश शर्मा, रमाशंकर शर्मा, शिशुपाल शर्मा, अशोक शर्मा, अशोक गुप्ता, मेहरबान सिंह, प्रिंस माहेश्वरी, नरेश पाल, हरिओम आदि मौजूद रहे।

छुट्टा पशुओं से परेशानी

बदायूं, अमृत विचार : शहर से लेकर देहात तक छुट्टा पशुओं से लोग परेशान है। इन पशुओं के कारण आए दिन हादसे हो रहे है। वहीं खेतों में फसलों को छुट्टा पशु बर्बाद कर रहे है। रात में इन पशुओं का झुंड सड़क के बीच या किनारे बैठ जाते है। कई बार रात में बाइक सवारों को यह पशु नहीं दिख पाते। जब तक वह दिखते है तब तक हादसा हो जाता है। कई मामालों में जान तक चली गई है।

उसहैत के तटवर्ती कई गांवों में घुसा बाढ़ का पानी

दो फीट तक गंगा का जलस्तर बढ़ा, ग्रामीणों ने दातागंज तहसील प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मंगलवार को नरौरा से 80 हजार क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा
- जिलाधिकारी के आदेश पर तहसील अधिकारियों ने देखे हालात

रैपुरा इलाके में गंगा का रौद्र रूप। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तटवर्ती इलाकों में अब बाढ़ की शुरूआत हो चुकी है। गंगा किनारे के अनेकों गांव बाढ़ के मुहाने पर हैं। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। जिला प्रशासन ने दातागंज तहसील प्रशासन को निर्देशित किया है कि स्थलीय निरीक्षण कर लोगों की मदद की जाए, ताकि किसी को परेशानी न हो।

मंगलवार को नरौरा से 80 हजार क्यूसेक से अधिक पानी गंगा में डिस्चार्ज किया गया। पिछले कई दिनो से गंगा का जलस्तर बढ़ा हुआ है। तीन दिन से हो रही बारिश ने तटवर्ती गांवों को घेरना शुरू कर दिया है। उसहैत क्षेत्र के ग्राम जटा, प्रेमी नगला, रैपुरा, दल नगला, कदम नगला, कमलईया पुर, अहमदनगर बछौरा, असमिया रफतपुर, भकरी, बेहटी, भुंडी, पथरामई आदि गांवों में पानी घुस चुका है। इन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रविवार से मंगलवार शाम तक दो फीट तक गंगा का जलस्तर बढ़ा है। बेहटी व भकरी में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंगा का पानी दूर-दूर तक दिखाई दे रहा है। लोगों की फसलें डूब चुकी हैं। कई सड़कें पानी से कटने लगी हैं। कच्चे रास्तों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया है जिससे स्थानीय लोगों का आवागमन बंद हो चुका है। ग्रामीणों ने अपने पशुओं को घर से बाहर निकालना बंद कर दिया है। बेहटी निवासी किसान अमरपाल ने बताया कि यह गांव पिछले वर्ष से बाढ़ की चपेट में रहा। करीब 40 दिन तक लोग पानी से परेशान रहे। राकेश राठौर, राकेश कश्यप, तोताराम और अभी राना का कहना है कि यदि दो दिन तक नरौरा से पानी और छोड़ा गया तो गांव मे खतरा बढ़ सकता है। बाढ़ प्रभावित इलाकों का सोमवार को डीएम ने दौरा कर स्थिति का जायजा लिया था। डीएम ने दातागंज तहसील प्रशासन को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित ग्रामों का स्थलीय निरीक्षण कर लोगों की समस्याएं देखी जाएं। किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। डीएम के उक्त निर्देश पर मंगलवार को नायब तहसीलदार छविराम रैपुरा गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बात की। छविराम ने कहा कि यदि बाढ़ का पानी बढ़ता है तो ग्रामीणों को स्टीमर मुहैया कराए जाएंगे। पशुओं को चारा और ग्रामीणों को राशन की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने को कहा है।

> गंगा और रामगंगा में अब ऊपर से पानी अधिक छोड़ा जा रहा है। साथ ही बारिश भी तेज गति से हो रही है। बारिश का पानी भी निचले इलाकों में पहुंच रहा है जो गंगा नदी में जल स्तर को बढ़ा रहा है। इसलिए बाढ़ की आशंका जताई जा रही है। बाढ़ आने पर गांवों के अंदर पानी भर जाता है। कुछ गांवों तक पानी पहुंच चुका है। जिला प्रशासन भी इस पर नजर बनाए हुए है। बाढ़ खंड के सभी बांध मजबूत हैं।
> – **नेशपाल**, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

खतरे के निशान तक पहुंचा रामगंगा का जलस्तर

बारिश का कहर अब राम गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। ऊपर से आ रहे पानी ने खतरे के निशान को छू लिया है। अब राम गंगा 161 मीटर गेज तक पहुंच चुकी है। सोमवार रात तक पानी कम था, लेकिन मंगलवार सुबह हुई बारिश ने रामगंगा में उफान ला दिया है। रामगंगा किनारे के गांवों में भी बाढ़ की आशंका जताई जा रही है। हजरतपुर के पुल पर लोगों ने अपने पशुओं को पहुंचाना शुरू कर दिया है। पुल से गढ़िया रंगीन तक जाने वाली सड़क पर पानी पहुंच चुका है। मंगलवार को सड़क पर पानी आने से वाहन नहीं चले। रसूलपुर गांव से आगे की सड़क कई जगह कट चुकी है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। रामगंगा का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंचने से स्थानीय लोगों की धड़कने बढ़ने लगी हैं।

विधायक ने किया राजकीय हाईस्कूल का लोकार्पण

संवाददाता, उसहैत

- विधायक ने कॉलेज को इंटर कॉलेज किए जाने की घोषणा की

अमृत विचार : कस्बे में नवनिर्मित राजकीय हाईस्कूल का दातागंज विधायक ने फीता काटकर लोकार्पण किया। साथ ही कॉलेज को इंटर कॉलेज किए जाने की घोषणा की।

मंगलवार को दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह, एसडीएम धर्मेंद्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक लाल सिंह, थानाध्यक्ष विक्रम सिंह समेत प्रशासनिक कस्बे में पहुंचे। उनके द्वारा रपटा पुल कटरा रोड स्थित नवीन राजकीय हाईस्कूल का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस दौरान दातागंज विधायक ने कॉलेज को इंटर कॉलेज बनाने के साथ कस्बे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित कराने का आश्वासन दिया। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि राजकीय हाईस्कूल खुलने से आसपास के बच्चों को लाभ होगा। इस मौके पर ध्रुव देव गुप्ता, श्याम सिंह मुन्ना सिंह, अजय प्रताप सिंह, रामप्रकाश गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, महेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

फीता काटकर कॉलेज का लोकार्पण करते विधायक राजीव कुमार सिंह।

ट्रैक्टर रैली सफल बनाने के लिए किया जनसंपर्क

बदायूं, अमृत विचार : संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर देशव्यापी किसान आंदोलन ट्रैक्टर रैली को सफल बनाने को भाकियू टिकैत ने गांव गांव संपर्क अभियान शुरू कर दिया है। किसानों को ट्रैक्टर रैली में शामिल होने को आमंत्रित किया जा रहा है।

मंगलवार को भाकियू टिकैत के मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सक्सेना व पप्पू सैफी ब्लॉक अध्यक्ष सलारपुर के गांव मोहम्मदपुर बिहार पहुंचे। उन्होंने किसानों से ज्यादा संख्या में ट्रैक्टर लाने की अपील की। ब्लॉक सलारपुर से 20 ट्रैक्टर रैली में लाने को कहा गया है। उन्होंने कहा एआरटीओ दफ्तर से इस्लामिया इंटर कॉलेज तक ट्रैक्टर परेड निकाली जाएगी। उसमें अन्य वाहन भी शामिल किए जाएंगे। इस मौके पर संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

दूषित पानी रोकने के लिए अनशन जारी

नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन करते ग्रामीण और कांग्रेस पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कांग्रेस पदाधिकारियों ने पालिका चेयरमैन के खिलाफ की नारेबाजी

अमृत विचार : उझानी नगर पालिका का दूषित पानी रोकने के लिए गांव नरुउ के ग्रामीणों के साथ कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी क्रमिक अनशन कर रहे हैं। उनका अनशन मंगलवार को 45वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान ग्रामीणों ने उझानी नगर पालिका चेयरमैन के खिलाफ नारेबाजी की।

संघर्ष समिति के सदस्य योगेंद्र पाल सिंह, राजाराम जाटव, मुन्नालाल जाटव, वेदपाल जाटव और नेपाल सिंह सोलंकी क्रमिक अनशन पर बैठे। शाम को जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष ओमकार सिंह ने जूस पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया। उनके स्थान पर अन्य ग्रामीण अनशन पर बैठ गए। कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष ओमकार सिंह ने कहा कि यह आंदोलन अब कांग्रेसियों व ग्राम वासियों का जीवन मरण का प्रश्न बन गया है। जब तक समस्या का निराकरण नहीं होगा तब तक यह आंदोलन चलता रहेगा। कहा कि अनशन को धार देने के लिए पार्टी के पूर्व प्रदेश महासचिव कुमुद गंगवार बदायूं आ रहे हैं। उनके आगमन के बाद आंदोलन की आगे की दिशा तय की जाएगी। इस मौके पर कमल प्रताप, तेजेंद्र पाल कश्यप, वेदपाल धनवीर ओमेंद्र आदि उपस्थित रहे।

दुष्कर्म का आरोपी हुक्का बार संचालक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पीड़िता की तहरीर पर सदर कोतवाली में दर्ज की थी रिपोर्ट

अमृत विचार : शहर में रेस्टोरेंट के नाम पर हुक्का बार का संचालन करके युवाओं को नशे का आदी बनाने और दुष्कर्म करने का आरोपी अरबाज पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। एक युवती ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, धर्मांतरण के प्रयास आदि की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नई सराय निवासी अरबाज अली खान ने मोहल्ले में रेस्टोरेंट शुरू किया था। इसके बाद उसे अवैध कामों का अड्डा बना लिया। रेस्टोरेंट की बजाय हुक्का बार चलाने लगा था। नाबालिग लड़कियों को भी हुक्का पिलाकर नशे का आदी बनाने लगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जेल भेजा था। अब एक लड़की ने अरबाज अली पर दुष्कर्म, धर्मांतरण आदि का आरोप लगाते हुए तहरीर दी।

बताया था कि अरबाज के परिजन मुकदमा वापस लेने के लिए उसपर दवाब बना रहे हैं। सदर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ धमकाने, अपहरण, अपमानित करने, मारपीट, एनडीपीएस एक्ट, पॉक्सो एक्ट, आईटी एक्ट, महिला का पीछा करने, गैंगस्टर, धर्म परिवर्तन के लिए दवाब बनाने आदि की रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है।

चोरों का मचा शोर लाठी-डंडे लेकर पहुंचे ग्रामीण

ओरछी, अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सिसरका में सोमवार देर रात गांव में चोरों की अफवाह पर ग्रामीण एकत्र हो गए। लाठी डंडे लेकर सड़कों पर घूमने लगे। पिछले कुछ समय से गांवों में चोरों का शोर मचा है। ग्रामीण रात भर जागकर पहरेदारी कर रहे हैं। सोमवार रात गांव सिसरका में चोर आने का शोर मचा। ग्रामीण अपनी छतों पर लाठी डंडे लेकर चढ़ गए और एक-दूसरे को आवाज लगाने लगे। लोग अपने-अपने घरों के बाहर आकर खड़े हो गए। वहीं कुछ जगहों पर अफवाह उड़ी कि चोर तालाब में घुस गए हैं। ग्रामीण वहां पहुंचे लेकिन कोई नहीं था। देर रात चोरों की अफवाह पर लोगों ने वीडियो वायरल किए।

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे
हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें

शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

भारत प्रसिद्ध
YouTube पर Search करें
गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india
आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
बरेली
9837023223

एमए की मेरिट हुई जारी, आज से शुरू होंगे प्रवेश

बिल्सी, अमृत विचार : एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के निर्देश पर महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सत्र 2025-26 एमए प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र तथा हिन्दी विषय की मेरिट सूची महाविद्यालय द्वारा जारी कर नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। जिन छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा किया हैं वे छात्र-छात्राएं मेरिट सूची में अपना नाम देखकर छह से सात अगस्त तक अपना प्रवेश कराना सुनिश्चित करें। यह जानकारी प्राचार्य डा.पंकज कुमार सिंह ने दी है।

अघोषित बिजली कटौती ने बढ़ाई उपभोक्ताओं की मुसीबत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शहर के कई मोहल्लों में सुबह 9 बजे गई बिजली दोपहर 2 बजे लौटी, पानी की हुई किल्लत
- जिला अस्पताल में बंद रही पैथोलॉजी लैब, नहीं हो सकी मरीजों के खून की जांच

अमृत विचार : शहर से लेकर देहात तक बिजली संकट बना हुआ है। शहर में कई मोहल्लों में मंगलवार को चार से पांच घंटे तक बिजली गुल रही। मंगलवार को शहर में चार घंटे की अघोषित कटौती ने उपभोक्ताओं को परेशान कर दिया।

मंगलवार को शहर के करीब 10 मोहल्लों में सुबह 9 बजे बिजली गुल हो गई। इससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी हुई। मोहल्ला कल्याण नगर, लोची नगला, शहवाजपुर, नई सराय, नई बस्ती, दातागंज रोड, मझिया गांव, मंडी समिति, नाहर खां सराय, मीरा सराय, शेखूपुर रोड, कबूलपुरा, छोटे सरकार रोड, आदि मोहल्लों में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक बिजली गुल रही। लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में परशुराम चौक से लेकर कचहरी रोड पर भी बिजली गुल रही। उधर, लालपुल क्षेत्र में भी बिजली कटौती से लोग परेशान रहे। कोतवाली स्थित बिजली घर से सुबह को बारिश के समय बिजली सप्लाई रोक दी गई। बारिश बंद होने के बाद ही शहर के लोगों को बिजली मिली। बारिश का पानी बिनावर बिजली घर में भर जाने से मंगलवार को बिजली सप्लाई बाधित रही। करीब 108 गांवों को बिजली बिनावर फीडर से दी जाती है। बारिश में जलभराव के चलते यहां से सप्लाई रोकी जाती है जिससे सभी गांवों में लोगों को परेशानी होती है। बिजली विभाग का कहना है कि सोमवार को बिजली घर से कुछ पानी निकाला गया, लेकिन मंगलवार सुबह हुई बारिश के बाद पानी फिर से भर गया जिससे बिजली सप्लाई रोकी गई। बिजली घर में हर बार पानी भर जाता है जिससे बिजली आपूर्ति हर बार ठप रहती है। तीन दिन से इस क्षेत्र में बिजली सप्लाई बाधित हो रही है।

> बारिश के चलते जगह-जगह जलभराव है। ऐसे में अप्रिय घटनाएं न हों इसलिए कुछ समय के लिए बिजली सप्लाई रोकी जाती है। शहर में अंडरग्राउंड केबल है जिससे बारिश में समस्या रहती है। बारिश बंद होने के बाद हर जगह सप्लाई शुरू कर दी गई। कहीं से कोई शिकायत नहीं मिली है।
> – **संजीव कुमार**, अधिशासी अभियंता, प्रथम

दातागंज में कई घंटे गुल रही बिजली

मंगलवार सुबह बारिश के चलते कस्बे में करीब तीन घंटे तक बिजली गुल रही। कस्बे के मोहल्ला परा में बारिश में एक मकान गिर गया। इसके बाद पूरे मोहल्ले की बिजली गुल हो गई। परा मोहल्ले में जलभराव होने से बिजली सप्लाई रोक दी गई है। कस्बे के कई मोहल्लों में करीब तीन घंटे तक बिजली गुल रही। निकटवर्ती गांव वसेला में सुबह पांच बजे बिजली ठप हो गई जो दोपहर 12 बजे शुरू हुई। सात घंटे तक बिजली गुल रहने से गांव के लोगों को पेयजल संकट से जूझना पड़ा। बारिश के कारण बिजली संकट उपभोक्ताओं को परेशान कर रहा है।

सरकारी अस्पतालों में बिजली कटौती से मरीज परेशान

जिला महिला अस्पताल में दोपहर 12 से दो बजे तक बिजली सप्लाई ठप रही। इससे पैथोलॉजी लैब बंद रही। चार मंजिला बिल्डिंग में मरीजों को बिना बिजली के रूक पाना मुश्किल हो गया। इसी तरह जिला अस्पताल में दोपहर में दो घंटे तक बिजली गुल रही। इससे वार्ड में अंधेरा छाया रहा। दो बजे सप्लाई शुरू हुई तो मरीजों को पंखे कूलर की हवा मिली।

शासन से निर्देश | करीब 55 लाख से अधिक किया पौधरोपण, देखभाल करने को ग्राम समितियों को दी हिदायत

रेंजर और वन दरोगा करेंगे पौधों का भ्रमण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- वन विभाग ने पौधा संरक्षण के प्रति बढ़ाई सतर्कता

अमृत विचार : पौधरोपण अभियान के तहत जुलाई में रोपे गए पौधों को सुरक्षित रखने के लिए वन विभाग ने शासन के निर्देश पर निगरानी करने का निर्णय लिया है। निगरानी करने को रेंजर और वन दरोगा को जिम्मेदारी दी गई है। पौधों को लगाने के बाद उनकी देखभाल करने को ग्राम समितियों को भी हिदायत दी गई है।

जनपद में करीब 55 लाख से अधिक पौधरोपण किया गया। पौधरोपण अभियान में सभी विभागों को अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किया था। इसके तहत पौधरोपण अभियान पूरे माह चलता रहा। हालांकि अगस्त में भी पौधा रोपण जारी है। वन विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि अब पौधों की देखभाल के लिए वन दरोगा और रेंजर को जिम्मेदारी दी गई है। जिले में जहां भी पौधे रोपे गए हैं उनकी देखभाल करें। ग्राम समितियों की मदद से पौधों की ग्रोथ का आकलन करें।

यदि कोई पौधा किसी कारणवश नष्ट हो गया है तो उसी स्थान पर फिर से पौधा रोपित करें। गांव के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। जिससे लोग अपने द्वारा लगाए गए पौधों की देखभाल जिम्मेदारी से करें। कहा कि सड़क किनारे या फिर ग्राम पंचायत की भूमि पर लगाए गए पौधे स्वस्थ रहें जिससे लोगों को छाया मिल सके। पौधों की देखभाल के लिए ग्राम प्रधानों को भी हिदायत दी गई है। जिले के दातागंज रेंज में इस बार एक लाख से अधिक पौधे रोपे गए हैं।

सैजनी और हजरतपुर इलाके में खाली पड़ी बंजर भूमि पर हर साल पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन उनकी देखभाल नहीं हो पाती है जिससे 80 प्रतिशत पौधे नष्ट हो जाते हैं। लेकिन इस बार वन विभाग ने पौधों की निगरानी करनी शुरू कर दी है। दातागंज रेंज में पौधों की देखभाल करने को स्थानीय लोगों को भी जोड़ा गया है। कादरचौक और सहसवान क्षेत्र के वन क्षेत्रों की देखभाल करने को भी सख्ती की गई है। मालपुर ततेरा जंगल से अवैध रूप से लकड़ी काटने की सूचनाओं के बाद वन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। वन चौकियों पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को निर्देशित किया गया है। कि रात को इधर से गुजरने वाले वाहनों पर नजर रखी जाए। दिन में भी संदिग्धों से पूछताछ की जाए। लकड़ी माफियाओं पर नजर रखी जाए। सड़क किनारे जमीन पर गिरे हुए पेड़ों की देखभाल करें और उनकी सूचना विभाग को दें। बता दें कि जनपद में 55 लाख से अधिक पौधरोपण किया गया है।

> पौधों की देखभाल करने को कहा गया है। जहां पर पौधे लगाए हैं वहां पर निगरानी बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोगों को भी पेड़ पौधों की देखभाल करते रहने को कहा गया है। वन विभाग के दरोगा और रेंजर को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। शासन की मंशा है जो पौधे रोपे गए हैं उनकी देखभाल की जाए जिससे उनको पेड़ के रूप में देखा जा सके।
> – **डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा**, डीएफओ

समाधान नहीं होने पर सफाई कर्मचारियों ने शुरू की हड़ताल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

भूख हड़ताल पर बैठे सफाईकर्मी।

- कालीचरण को बहाल कराने को एकजुट हो रहे सफाई कर्मचारी

अमृत विचार : नगर पंचायत रुदायन से निकाले गए सफाई कर्मचारी को शासन के निर्देश के बाद भी बहाल नहीं किया गया। जिला प्रशासन से सफाई कर्मचारी को बहाल कराने की गुहार लगाई गई, लेकिन उनकी फरियाद नहीं सुनी गई। सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को भूख हड़ताल शुरू कर दी।

नगर पंचायत रुदायन के सफाई कर्मचारी कालीचरण को चेयरमैन ने गलत आरोप लगाते हुए कुछ साल पहले में बर्खास्त कर दिया था। कालीचरण ने चेयरमैन और अधिशासी अधिकारी से फरियाद भी की फिर भी उसे बहाल नहीं किया गया। इसके बाद कालीचरण कोर्ट की शरण में गए। कोर्ट ने 2024 में उसे बहाल करने का आदेश दिया फिर भी सफाई कर्मचारी को बहाल नहीं किया गया। मंगलवार को सफाई कर्मचारी अरुण कुमार वाल्मीकि सहित तीन सफाई कर्मचारी मालवीय आवास गृह पर भूख हड़ताल पर बैठ गए। सफाई कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार ने कहा कि यदि प्रशासन समस्या का समाधान नहीं करता है तो भूख हड़ताल अनिश्चितकाल तक जारी रहगी।

ब्रीफ न्यूज

जमीन के विवाद में चले लाठी-डंडे

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद के परेवा वैश्य निवासी मोहम्मद आरिफ ने थाना में तहरीर देकर बताया उसकी कृषि भूमि का पिता के भाइयों का 50 वर्ष पूर्व समझौता हो गया था, उस पर उसका कब्जा है। लेकिन चाचा हसन, गुल हसन, अकरम, असलम, मोहसिन, जावेद, शराफत समेत उसकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे है। आरोप है 2अगस्त की शाम 7 बजे जब अमीन जमीन देखने के लिए आए तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी।

सोता रह गया परिवार चोर चोरी करके फरार

पीलीभीत,अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मोहम्मद वासिल निवासी कदीर अहमद ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। रात में किसी समय चोर छत के रास्ते से उनके घर में घुस गए। चोरों ने घर के कमरे की अलमारी का ताला तोड़ दिया। इसके बाद चोरों ने घर में रखे दो लाख रुपये और दो तोले सोने के जेवरात लेकर भाग गए।

ड्यूटी से लौट रहे सिपाही की हादसे में मौत

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव कुंदावली के पास हुआ हादसा

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : थाना इस्लामनगर क्षेत्र के रुदायन से मंगलवार सुबह ड्यूटी से वापस लौट रहे सिपाही टीपू सुल्तान की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह बाइक से वापस अपने इस्लामनगर स्थित आवास पर लौट रहे थे। प्रभारी निरीक्षक ने मौके मुआयना किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

मृतक टीपू सुल्तान।

मूलरूप से जिला संभल के थाना बहजोई क्षेत्र के गांव आनंदपुर निवासी टीपू सुल्तान (45) सिपाही थे। वह कस्बा इस्लामनगर में ग्रीन फॉर्म हाउस के पास अपनी पत्नी सहाना और दो बेटियों व तीन बेटों के साथ रहते थे। उनकी ड्यूटी पीआरबी पर लगी थी। मंगलवार सुबह ड्यूटी खत्म करने के बाद वह बाइक से वापस लौट रहे थे। सुबह लगभग 8 बजे गांव कुंदावली के पास किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में टीपू सुल्तान गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। घायल सिपाही को रुदायन स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने सिपाही को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचित किया। मौत के बाद परिजनों में चीत्कार मचा है।

हादसे के बाद मौके पर जानकारी करते प्रभारी निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह।

सड़क हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

उसहैत, अमृत विचार : उसहैत निवासी राजू पुत्र चिरौंजीलाल पड़ोसी वीरपाल उर्फ वीरे के साथ 27 जुलाई को बाइक से अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे। गांव कमले नगला और बंगश नगला के बीच ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। दोनों युवक मय बाइक खंती में जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंचे एम्बुलेंस से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के बाद घायल अपने घर वापस आ गए थे, लेकिन सोमवार सुबह वीरपाल की तबीयत बिगड़ गई। उनका भतीजा अवधेश वीरपाल को इलाज के लिए बदायूं के अस्पताल ला रहे थे, लेकिन रास्ते में ही वीरपाल ने दम तोड़ दिया। मृतक के दो छोटे बेटे और दो छोटी बेटियां हैं। पत्नी का रो रोकर बुरा हाल है। युवा मंच संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ध्रुवदेव गुप्ता, चेयरमैन नवाब हसन ने मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

एसएसपी और सीओ ने दिया सिपाही की अर्थी को कंधा

सिपाही टीपू सुल्तान के शव को एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह और सीओ ने कांधा दिया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। मूलरूप से जिला संभल के थाना बहजोई क्षेत्र के गांव आनंदपुर निवासी टीपू सुल्तान (45) साल 2016 में पुलिस में भर्ती हुए थे। वह सिपाही थे और रिजर्व पुलिस लाइन के अंतर्गत पीआरबी 7155 पर तैनात थे। एसएसपी के साथ सीओ बिल्सी संजीव कुमार, प्रशिक्षणाधीन सीओ गौरव उपाध्याय, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित करके दिवंगत सिपाही को श्रद्धांजलि दी। मौन धारण करके शोक संवेदना व्यक्त की।

पुलिस को मुकेश नाम बताकर घायल युवक ने तोड़ दिया दम

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र में एक युवक नग्न हालत में घायल मिला। राहगीरों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची। युवक ने पुलिस को अपना नाम मुकेश यादव बताया और बेहोश हो गया। उसको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने युवक की मौत की पुष्टि कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की पहचान नहीं हुई है।

फैजगंज बेहटा पुलिस को मंगलवार को सूचना मिली कि राजमार्ग स्थित गांव परमानंदपुर के साईं कोल्ड स्टोर के पास एक युवक नग्न अवस्था में है और बेसुध है। पुलिस मौके पर पहुंची। युवक पूरी तरह से नग्न था। आसपास कपड़े भी नहीं थे। सही से उसकी आवाज नहीं निकल पा रही थी। उसने हल्की आवाज में अपना नाम मुकेश यादव बताया और बेहोश हो गया। पुलिस युवक को आसफपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। यहां चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

खंती में युवक के मिलने के दौरान जानकारी करते पुलिसकर्मी।

- **मुरादाबाद-फर्रुखाबाद हाईवे किनारे नग्न अवस्था में मिला था**

शव को मोर्चरी में रखवाया है। युवक के शव का फोटो सोशल साइट्स पर वायरल करके पुलिस शिनाख्त का प्रयास कर रही है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक जहरखुरान का शिकार हो गया हो। थानाध्यक्ष रामेंद्र सिंह ने बताया कि युवक की मौत हुई थी। उसकी शिनाख्त का प्रयास चल रहा है।

डंपर से टकराकर कार सवार बच्चे की गई जान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **संभल के बनियाठेर के पास कैंटर से टकराकर डंपर में घुसी कार**
- **बिसौली के बच्चे की मौत, माता-पिता समेत पांच लोग घायल**

अमृत विचार : रक्षाबंधन मनान के लिए गांव लौट रहे कार सवारों को एक कैंटर ने साइड से टक्कर मार दी। कार डंपर में जा घुसी। हादसे में चार साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौत के बाद परिजनों में चीत्कार मचा है।

बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव परसिया निवासी प्रवेश हिमाचल प्रदेश के ऊना शहर में रहकर मजदूरी करते है। रक्षाबंधन के चलते वह अपने गांव परसिया कार से लौट रहे थे। प्रवेश के साथ पत्नी मीना, चार साल का बेटा अयांश, दो महीने का बेटा लवियान और कुछ अन्य लोग भी थे। संभल के बनियाठेर क्षेत्र में चंदौसी की ओर से आए कैंटर ने कार को साइड से टक्कर मार दी। कार अनियंत्रित हो गई और डंपर से टकरा गई। हादसे में अयांश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रवेश, मीना समेत पांच लोग घायल हो गए। प्रवेश को मुरादाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक अयांश।

पुलिया से टकराया टेंपो, बुजुर्ग की मौत, एक युवक घायल

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : वजीरगंज-बिल्सी मार्ग पर मंगलवार सुबह करीब नौ बजे एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में टेंपो अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गया। हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि टेंपो चालक घायल हो गया।

कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव सिमर्रा भोजपुर निवासी नरेश चंद्र शर्मा (60) पुत्र ओमप्रकाश शर्मा सुबह नगर के अंबियापुर चौराहे से एक टेंपो सवार होकर अपने गांव जा रहे थे। टेंपो गांव के पास छुईया की पुलिया के पास पहुंचा। एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में टेंपो अनियंत्रित हो गया और पुलिया से टकरा गया। हादसे में सवार नरेश चंद्र शर्मा के सिर और पैर में गंभीर चोट लग गई। साथ ही टेंपो चालक आंवला के गांव आसपुर निवासी पुष्पेंद्र पुत्र सुरेश चंद्र निवासी मामूली रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को बिल्सी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां से दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया। जहां इलाज के दौरान नरेश चंद्र ने दम तोड़ दिया।

युवती ने मामा पर लगाया दुष्कर्म का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : एक युवती ने सहसवान पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मामा झांसा देकर उसे बाइक पर बैठाकर ले गया। रास्ते में उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। बताया कि वह अपने मायके में रह रही है। एक अगस्त का उसके माता-पिता दवा लेने कासगंज और भाई स्कूल गया था। वह घर पर अकेली थी। इसी दौरान मामा घर पर आ गया और युवती से कहा कि उसकी मां ने बुलाया है। युवती को कादरचौक ले गया। यहां एक गांव में पेट दर्द की दवा खिलाने के नाम पर उसे नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हमले में घायल युवक ने तोड़ा दम, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **मृतक के परिजनों ने छह सड़का पर किया प्रदर्शन**
- **पांच लोगों ने घंटाघर पर चाकू से किया था बहार हुसैन पर हमला**

अमृत विचार : शहर के बीच चाकू के हमले में घायल युवक ने बरेली के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। परिजन शव लेकर छह सड़का पहुंचे और हंगामा किया। जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। पुलिस के समझाने पर भी परिजन नहीं माने तो पीएसी को बुलानी पड़ी। काफी कोशिश के बाद पुलिस परिजन को शांत करा पाई।

मोहल्ला खंडसारी निवासी बहार हुसैन उर्फ तुर्क दिल्ली में रहकर सिलाई का काम करते थे। एक अगस्त को देर शाम पांच लोगों ने शहर के बीच घंटाघर पर चाकू से उनपर जानलेवा हमला किया था। सीने, पेट, हाथ, पैर आदि सभी जगह चाकू से गोदा था। घायल के बहनोई मुजम्मिल हुसैन ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। घायल बहार हुसैन को जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर घायल को बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान घायल की मौत हो गई। परिजन शव लेकर आए। मोहल्ला खंडसारी के पास छह सड़का पर हंगामा किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने दो हमलावरों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक पर चाकू दिखाया जबकि दूसरे पर नहीं दिखाया। वहीं पुलिस हमले में शामिल शानू को नहीं पकड़ रही है। वह मीट का बड़ा कारोबारी है। पुलिस उससे मिली हुई है। आरोप लगाया कि वहीं हमलावर गैंग का सरगना है। इसके अलावा अन्य दो आरोपी तारिक और शहबाजपुर के बाबा की गिरफ्तारी भी जल्द होनी चाहिए। पुलिस ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करके सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया।

मकान की दीवार में नकब लगा ढाई लाख की चोरी

संवाददाता, म्याऊं

अमृत विचार : थाना उसावां क्षेत्र के गांव मथना में एक मकान में नकब लगाकर चोरों ने नकदी व जेवर समेत करीब सवा दो लाख का सामान चोरी कर लिया। पीड़ित ने तहरीर देकर खुलासे की मांग की है।

गांव निवासी महाराम सिंह खेती व मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनके चार बेटे हैं। दो बेटों की शादी हो चुकी है। जिन्होंने कुछ जेवर घर पर रखा था। सोमवार रात महाराम अपने बेटों के साथ एमएफ राजमार्ग पर कांवड़ियों के लिए लगाए गए भंडारे में सेवा की थी। इसके चलते सभी लोग सोमवार रात थक गए थे और गहरी नींद में सो गए थे। मंगलवार सुबह उनकी पत्नी ने कमरे का दरवाजा खोला तो कमरे के पीछे से रोशनी आती दिखी। सामान फैला पड़ा देखकर चोरी का अहसास हुआ। चोरों ने कमरे की दीवार काटी और बक्सा उठाकर ले गए थे। महाराम के अनुसार चोर घर में रखी सोने की एक चेन व दो अंगूठी, चांदी की एक हसली व कमरबंद, पायलें, 17 हजार रुपये आदि चोरी करके ले गए। इसके अलावा चोरों ने पास के कमरे की दीवार काटी लेकिन उस कमरे में भूसा भरा था। चोरों ने हरिजन बस्ती में एक मकान के सामने जलता बल्ब भी उतारा था। शोर होने पर चोर भाग गए थे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दीवार में लगी नकब।

- **चोरों ने उसावां थाना क्षेत्र के गांव मथना में मकान को निशाना बनाया खंगाला**

रामलीला कमेटी के विनोद प्रबंधक उमेश बने अध्यक्ष

बिल्सी, अमृत विचार : मंगलवार को नारायण ग्रीन हाउस में मेला श्री रामलीला महोत्सव को लेकर कमेटी की एक बैठक आयोजित की गई। इसमें सबसे पहले मेला कमेटी के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया।

साथ ही मेला 22 सिंतबर से कराए जाने का निर्णय भी लिया। मेला श्री रामलीला महोत्सव के लिए गल्ला व्यापारी विनोद पालीवाल को पुनः प्रबन्धक, सभासद उमेश बाबू वार्ष्णेय को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा सभासद अजीत सिंह गुर्जर कोषाध्यक्ष, सभासद सूर्य प्रकाश देवल को उप प्रबंधक, पूर्व चैयरमेन ओमप्रकाश सागर, सुधीर सोमानी, डा.श्रीकृष्ण गुप्ता, मोहित गुप्ता, संजीव वार्ष्णेय डीआर, कृष्ण गोपाल मिश्रा को संरक्षक, लोकेश बाबू वार्ष्णेय को संयोजक, दीपक चौहान, अजय प्रताप सिंह, शेखर सक्सेना, आदित्य माहेश्वरी को उपाध्यक्ष चुने गए। सभी पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है।

गांव में तमंचा लहराकर धमकाने का वीडियो वायरल

तमंचा दिखाकर धमकाता युवक। ● अमृत विचार

संवाददाता, उघैती

- **उघैती के गांव स्वरूपपुर व मेवली के बताए जा रहे वीडियो व फोटो**

अमृत विचार : पुलिस के तमाम प्रयास एवं कार्रवाई के बावजूद नाजायज असलहों का प्रदर्शन थम नहीं रहा है। अब एक गांव से तमंचा लहराकर जान से मारने की धमकी का वीडियो और दूसरे में अंटी से तमंचा लगाने फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला सामने आने के बाद पुलिस दोनों युवकों की तलाश कर रही है।

एक वायरल वीडियो स्वरूपपुर गांव का बताया जा रहा है। इसमें हाथ में तमंचा लेकर युवक दूसरे को जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस बीच उसके परिवार का एक सदस्य युवक के हाथ में तमंचा देखकर हालात समझ जाता है। इसके बाद उसको पीटकर घर भेज देता है। इस बीच पूरे घटनाक्रम का वीडियो किसी ने बना लिया। जिसको सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। दूसरे मामले में युवक मेवली गांव का बताया जा रहा है। इसमें युवक अपनी अंटी में तमंचा लगाकर फोटो खिंचवा रहा है। यह फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि जांच की जा रही है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

मानसिक मंदित को चोर समझकर पीटा

कुंवरगांव, अमृत विचार : ग्रामीणों ने एक लड़के को पकड़ा और चोर समझकर उसकी पिटाई लगा दी। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि युवक मानसिक मंदित है।

कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव हुसैनपुर, पड़ौलिया, कासिमपुर में चोर आने का शोर मचा। सूचना मिलने पर पुलिस दौड़ी। गांव कासिमपुर के ग्रामीणों ने गांव में एक लड़के को चोर समझकर पकड़ा। ग्रामीणों ने उसकी पिटाई लगा दी और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस उसे थाने ले गई। वह मानसिक मंदित निकला।

वह अपना नाम, पता नहीं बता पा रहा है। वहीं गांव पड़ौलिया में भी चोर आने का शोर मचा। ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर पहुंचे। पुलिस गांव पहुंची लेकिन ग्रामीण चोरों की लोकेशन नहीं बता सके। थाना प्रभारी वीपी सिंह ने बताया कि लड़का मानसिक मंदित था। वह कुछ भी नहीं बता पार रहा था। ग्रामीणों जागरूक नहीं हैं। वह किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। गांव में चोरों का शोर होने पर पुलिस पहुंची थी लेकिन ग्रामीणों ने चोर दिखने की बात से इंकार कर दिया।

पंचतत्व में विलीन हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष के पिता

अंतिम संस्कार के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव के साथ मौजूद लोग।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **नेताओं समेत सैकड़ों लोगों ने दी अंतिम विदाई**

अमृत विचार : कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव के पिता अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह यादव पंचतत्व में विलीन हो गए। बारिश के दौरान लालपुल स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इंडिया गठबंधन के सपा सांसद आदित्य यादव ने फोन कर जिलाध्यक्ष अजीत यादव से वार्ता की और शोक व्यक्त किया।

मूलरूप से संभल के थाना गुन्नौर क्षेत्र के गांव पाठकपुर निवासी अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह यादव शहर के मोहल्ला नेकपुर में रहते थे। कुछ महीने से उन्हें फेफड़ों की बीमारी हो गई थी। सोमवार को इलाज के दौरान दिल्ली के एम्स में उनका निधन हो गया था। कचहरी गेट पर बार एसोसिएशन के हॉल के सामने अधिवक्ताओं ने पुष्प अर्पित किए। पूर्व मंत्री ओमकार सिंह, सहसवान विधायक बृजेश यादव, बसपा जिलाध्यक्ष आरपी त्यागी, शशांक यादव, अवनीश यादव, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह, पान सिंह यादव, लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष भोजराज सिंह, शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजीव शर्मा, बार एसोसिएशन अध्यक्ष पवन गुप्ता, अधिवक्ता अरविंद पाराशरी आदि अंतिम विदाई में शामिल हुए।

श्मशान और ग्राम सभा की जमीन को कब्जा मुक्त कराएंगे अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **जिला अधिकारी ने एसडीएम और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को दिए कब्जा मुक्त कराने के निर्देश**

अमृत विचार : जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में श्मशान घाट, ग्राम सभा समेत अन्य भूमि को कब्जा मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए डीएम ने सभी तहसीलों के एसडीएम व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कहा है कि जहां भी भूमि पर अवैध कब्जा है उसे चिन्हित करते हुए मुक्त कराया जाए।

हाल ही में पंचायती राज निदेशक ने डीएम सहित पंचायती राज अधिकारी को पत्र जारी कर आदेश दिया है कि ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा की भूमि, पोखर, खलिहान, खाद के गड्ढे, श्मशान भूमि आदि पर लोगों ने कब्जा कर रखा है। इन सभी भूमि को चिन्हित करते हुए उन्हें कब्जा मुक्त किया जाए। पंचायती राज निदेशक का पत्र मिलने के बाद डीएम ने सभी तहसील के एसडीएम और बीडीओ के साथ पंचायती राज अधिकारी को ग्राम पंचायतों में अवैध कब्जा की गई जमीनों को चिन्हित कर कब्जा मुक्त कराने को कहा है।

दरअसल शासन व प्रशासन स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कब्जा होने की शिकायतें लगातार पहुंच रही हैं। तहसील दिवस में भी अधिकांश शिकायत भूमि पर कब्जा किए जाने की होती है। इन शिकायतों को निस्तारण करने के लिए उच्चाधिकारियों द्वारा तहसील स्तर के अधिकारियों को आदेश दिए जाते हैं। लेकिन उन शिकायतों का निस्तारण नहीं हो पाता। विवश होकर लोग शासन में शिकायत कर रहे हैं। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए पंचायती राज निदेशक ने डीएम और पंचायती राज अधिकारी को पत्र जारी कर अभियान चलाकर भूमि को कब्जा मुक्त करने के आदेश दिए हैं। एडीएम प्रशासन अरुण कुमार ने बताया कि आदेश आया है। सभी एसडीएम को आदेश का पालन के निर्देश दे दिए गए हैं।

कोर्ट के आदेश पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर थाना पुलिस ने मोहल्ला कुंदनपुर गौटिया निवासी छदम्मी लाल की ओर से धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

पीड़ित ने बताया कि उसके पिता के तीन पुत्र नंदराम,रामदयाल और वह स्वयं छदम्मी लाल थे। पिता के नाम राजस्व ग्राम गाजीपुर कुंडा में जमीन थी। उपरोक्त जमीन पिता की मृत्यु के बाद तीनों भाइयों के नाम विरासत में आई। जिसमें नंदराम व रामदयाल अविवाहित थे। आरोप है कि दोनों भाइयों को मृत दिखाकर बरेली के तहसील नवाबगंज के गांव अब्दला निवासी महेंद्र पाल ने षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी से दस्तावेज तैयार कराए और अभिलेखों में अपने नाम विरासत भरवा ली।

कार्यकर्ता अपने बूथों को करें मजबूत

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : पूर्व विधायक हाजी मुर्सरत अली उर्फ बिट्टन के कछला रोड स्थित आवास पर मंगलवार को सपा की मासिक बैठक हुई।

पूर्व विधायक ने कहा सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ को मजबूत करें, जिससे 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बने और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश के मुख्यमंत्री बन सकें। उन्होनें कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों को जनता भली भांति समझ चुकी है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख सर्वेश यादव ने कहा वर्तमान सरकार से युवा, किसान, व्यापारी समेत सभी वर्ग के लोग पूरी तरीके से परेशान है। महंगाई ने गरीब जनता की कमर को तोड़ कर रख दी है। देवेंद्र गौतम ने कहा कि वर्तमान सरकार के रहते भारतीय संविधान और आरक्षण दोनों को खतरा बना हुआ है। इसलिए विधानसभा चुनाव में जनता को प्रदेश में सपा की सरकार बनानी होगी। इस मौके पर मुबीन फरीदी, कविंद्र सक्सेना, फैजान राईन, डोरीलाल बघेल, रईस अहमद, अखिलेश सक्सेना, अजीम गाजी, वसीम उस्मानी, इल्यास खा, चमन पाल, मुजाहिद हुसैन आदि मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते सपा नेता। ● अमृत विचार

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुझे राम किशोर व राम बाबू दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है तथा यह दोनों नाम मेरे ही है। **रामकिशोर पुत्र श्री शेर सिंह निवासी 15घ, सेंधा मेहम्मदपुर पथरा मोहम्मदपुर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

ओबीसी छात्रावासों की मरम्मत को 4.99 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने पिछड़े वर्ग के जर्जर पड़े छात्रावासों को चमकाने के लिए शासन की ओर चार करोड़ 99 लाख रुपये स्वीकृत किये गए हैं। मरम्मत कार्य के तहत राजधानी स्थित राजकीय महिला पॉलीटेक्निक समेत प्रदेश के 10 छात्रावासों में कार्य होगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक लखनऊ, इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी प्रयागराज, राजकीय पॉलीटेक्निक हंडिया प्रयागराज, वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा, राजकीय इंटर कॉलेज हमीरपुर, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा, सर्वोदय इंटर कॉलेज मिहीपुरवा बहराइच, राजकीय केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज मुरादाबाद, काशीनरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर संत रविदासनगर 24 लाख और फैज-ए-आम इंटर कॉलेज मेरठ में मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

बिजली दरों के प्रस्ताव पर जवाब तलब

अमृत विचार, लखनऊ : नई बिजली दरों की जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की आपत्ति पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन समेत सहायक वितरण निगमों से जवाब तलब किया है। आयोग ने सप्ताह भर में बिंदुवार जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। बिजली दरों के निर्धारण को लेकर आयोग ने पिछले दिनों सभी निगमों के स्तर पर जनसुनवाई की थी। इस दौरान उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दरों में बढ़ोतरी व निजीकरण के प्रस्ताव का सख्त विरोध किया था। उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा निगमों पर उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रही धनराशि के एवज में दरों में कमी किये जाने की मांग की थी। उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश के सभी वितरण निगमों में बिजली दरों में एक मुश्त 45 प्रतिशत की कमी या अगले पांच वर्षों तक 9 प्रतिशत की कमी किये जाने की मांग रखी थी।

जटिल कैंसर का इलाज गोरखपुर में भी संभव

अमृत विचार, लखनऊ : कैंसर पीड़ितों को अब सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े शहरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल और दुर्लभ कैंसर का इलाज अब गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग मरीज का विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने ऑपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलतापूर्वक हटाया है।

पीडीए की पाठशाला नहीं सिलेबस पर हो रहा घमासान

वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है बवंडर, एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग कर रही समाजवादी पार्टी

अजय दयाल, लखनऊ

- आखिर कितनी कारगर है भाजपा सरकार की एफआईआर से काट

अमृत विचार: पीडीए पाठशाला को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक घमासान है। सपा नेता पाठशाला लगाने से पीछे नहीं हट रहे तो वहीं व्यवस्था ऐसे नेताओं पर मुकदमा ठोकने से भी नहीं चूक रही। सपा अपने इस अभियान से प्राथमिक स्कूलों के मर्जर पर विरोध जता रही है, वहीं भाजपा सरकार इस तरीके को असमाजिक, कानून विरोधी ठहरा रही है। दोनों तरफ की कवायद राजनीति से परे नहीं लेकिन समझना यह है कि ऐसी पाठशाला कितनी कानून सम्मत है और गैरकानूनी है तो क्यों?

दरअसल, लड़ाई पीडीए की पाठशाला की नहीं, बल्कि इसमें पढ़ाए जाने वाले सिलेबस की है। घमासान भी वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है। पाठ पढ़ाया जा रहा है ए फॉर अखिलेश और डी फॉर डिंपल। इतना तो तय है कि आगामी चुनावों के मद्देनजर सपा एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग करने पर आमादा है। वहीं, राज्य सरकार का तर्क है कि पीडीए पाठशाला के जरिए सरकार विरोधी सामग्री का प्रचार किया जा रहा है। बच्चों की भावनाओं से राजनीतिक खेल किया जा रहा है जो कि कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। ऐसे में एफआईआर तो होनी ही है।

> हमारी पार्टी यह अभियान राइट टू एजुकेशन के समर्थन में चला रही है। प्राथमिक स्कूलों का मर्जर कर सरकार इस कानून उल्लंघन कर रही है। यह लोकतंत्र, संविधान विरोधी है। हम परंपरागत अर्थ के बजाय वर्णमाला की पहचान सिखा रहे हैं। ए फॉर अखिलेश पढ़ाना क्हां से गलत है। हमारा अभियान गैरकानूनी कतई नहीं।
>
> – डॉ. रागिनी सोनकर, सपा विधायक

> प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के नाम पर पीडीए पाठशाला पूरी तरह सतही नाटक है, जो गैरकानूनी तो है ही, समाज में फूट डालने और अराजकता फैलाने का कुत्सित प्रयास है। सरकार सर्व शिक्षा अभियान चला रही है और ये पीडीए पाठशाला के नाम पर राजनीतिक षड्यंत्र कर रहे हैं। ए से अखिलेश पढ़ाकर, आप कैसा सन्देश देना चाहते हैं।
>
> – डॉ. नीरज बोरा, भाजपा विधायक

एफआईआर के विरोध में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, अंग्रेजों ने भी कभी पढ़ाई को लेकर किसी पर एफआईआर नहीं लिखवाई, लेकिन यह सरकार सोचती है कि पुलिस हमारी पाठशाला बंद करा देगी। वहीं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बच्चों और नौनिहालों के मन में राजनीति घुसाना घोर अपराध है। उन्होंने सपा पर बच्चों को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कहा कि आने वाले समय में सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इतना तो तय है कि पीडीए पाठशाला की सरगर्मी से उत्साहित सपा इस अभियान को आगे भी बढ़ाएगी। सपा इसको विधानसभा चुनाव के मैनिफेस्टो में शामिल कर सकती है।

समाजवादी पार्टी का तर्क समझें तो पाएंगे कि प्राथमिक स्कूलों में ज्यादातर पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग से बच्चे पढ़ते हैं। स्कूलों के मर्जर से इनकी शिक्षा प्रभावित होगी, इसलिए उन्हें न्याय दिलाने को हम गांव-गांव, गली-गली पाठशाला लगा रहे हैं। इस तर्क से साफ है कि यूपी में स्कूल मर्जर के विरोध में शुरू की गई सपा की पाठशाला पीडीए वर्ग में पैठ बनाने का जरिया है। अब भाजपा इस अपने मुख्य विपक्षी दल के इस नये राजनीतिक हथियार की काट कैसे निकालती है यह तो वक्त ही बताएगा?

गांव में भी आशियाना बनाने को मिलेगा ऋण

अमृत विचार, लखनऊ : गांव में भी अपना आशियाना बनाने को ऋण मिलेगा। राजस्व, वित्त और न्याय समेत सभी संबंधित विभागों ने घरौनी कानून के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। इस प्रस्ताव को अब मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। इसके तहत आबादी के भीतर अविवादित जमीन पर ग्रामीणों को मालिकाना हक दिया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, आबादी की ऐसी जमीन, जिस पर कोई विवाद नहीं है, लेखपाल मालिकाना हक को लेकर अपनी रिपोर्ट लगाएंगे। राजस्व रिकॉर्ड में इसे कानूनगो की लिखित स्वीकृति से दर्ज करवाया जा सकेगा। उत्तराधिकार, बैनामा, गिफ्ट डीड, और न्यायालय की डिक्री के आधार पर कानूनगो घरौनी तैयार कर सकेंगे।

बारिश बाद सड़कें होंगी गड्ढामुक्त ठेकेदार पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने आगरा मंडल के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

आगरा मंडल के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व विधान परिषद सदस्यों के साथ विकास कार्यों से संबंधित मंडलीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ को विकास में शामिल करने पर जोर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मंडल की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को परखा। बनते ही सड़कों के टूटने और बदहाली के मुद्दे पर विधायकों समेत अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कहा कि बारिश बाद सड़कें गड्ढामुक्त करने की तैयारी शुरू कर दें। गारंटी में सड़कें टूटने और कार्य में लापरवाही पर ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

मंडलायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में आगरा मंडल के चार जिलों, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी हर विधायक से उनके निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं, जन अपेक्षाओं और विकास प्राथमिकताओं पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। कहा कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभवों को विकास कार्यों में शामिल करना है। विकास कार्यों के लिए धन के अभाव से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर उनसे प्रस्ताव लें और विकास कार्यों के लिए प्राप्त संपूर्ण धनराशि का व्यय करें। उन्होंने चेताया कि समय से कार्य योजना, प्रस्ताव और स्वीकृति न होने पर कई विभागों का बजट वापस चला जाता है, जो सरकार की मंशा के खिलाफ है।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा विधानसभावार प्रस्तावित सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, बाइपास और इंटर-स्टेट बॉर्डर कनेक्टिविटी के कार्यों को कार्ययोजना में शामिल किया जाए। उन्होंने बरसात के बाद युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की तैयारी अभी से पूर्ण करने को कहा।

आगरा को मिली अटल पुरम की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा में विकास को नई दिशा देते हुए 'अटल पुरम टाउनशिप' की शुरुआत की। यह परियोजना आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा 36 वर्षों बाद विकसित की जा रही सबसे बड़ी आवासीय योजना है। यह योजना आगरा इनर रिंग रोड के पास 340 एकड़ भूमि पर बनाई जा रही है, जो सरकार की शहरी विस्तार और आधुनिक विकास की नीति का एक बड़ा प्रमाण है। तीन चरणों और 11 सेक्टरों में टाउनशिप विकसित होगी।

योगी ने बाढ़ क्षेत्रों का किया हवाई सर्वे कहा- सरकार पीड़ितों के साथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित, तेजी से चल रहे राहत व बचाव कार्य
- मुख्यमंत्री ने औरैया में और टीम-11 ने जिलों में वितरित की बाढ़ राहत सामग्री

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को आगरा में आयोजित कार्यक्रमों के बाद औरैया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। पीड़ितों को राहत सामग्री और धनराशि देते हुए योगी ने कहा कि पूरी सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। बताया कि यूपी के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। सभी जगह तेजी से राहत-बचाव कार्य चल रहे हैं। एनडीआरएफ की 16, एसडीआरएफ की 18 और पीएसी फ्लड यूनिट की 31 टीमें तैनात की गई हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार कहा कि पिछले 10-15 दिन के अंदर अत्यधिक बरसात के कारण प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण और राहत कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ प्रभावी ढंग से सकुशल संचालन करने के लिए हर प्रभारी मंत्रियों की तैनाती की गई है। मंत्री अपनी देखरेख में जिला व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे है।

सीएम ने कहा कि सरकार की संवेदना हर बाढ़ पीड़ित के साथ है। सरकार हर सहयोग करेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन किसानों की फसल को नुकसान हुआ है। उसके सर्वेक्षण के भी आदेश दिए गए हैं। रिपोर्ट आते ही तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम ने नागरिकों से अपील की कि अभी अगस्त का प्रथम सप्ताह है, इसलिए अलर्ट मोड पर रहना होगा, क्योंकि बाढ़ की आशंका सितंबर तक बनी रहती है।

बाढ़ में विलीन मकानों के मालिकों को मिलेंगे नए घर

सीएम योगी ने कहा कि जनहानि होने पर परिवार को आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये, किसी परिवार का मकान बहने या नदी में विलीन होने पर मुख्यमंत्री आवास योजना से आच्छादित करने की कार्रवाई भी की जा रही है। पशुधन की हानि पर मुआवजा दिया जा रहा है। जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर भी स्थापित किए गए हैं। इस सीजन में एंटी रैबीज वैक्सीन, सांप के काटने पर एंटी स्नेक वेनम की भी व्यवस्था सीएचसी, जिला अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए हैं।

लाल किले पर ध्वजारोहण की साक्षी बनेंगी 14 लखपति दीदियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण समारोह में प्रदेश की 14 लखपति दीदियां विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी इन महिलाओं को केंद्र सरकार की ओर से विशेष सम्मान दिया जाएगा। देशभर से आ रही 700 से अधिक महिलाओं में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व यूपी का रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और योजनाओं के परिणामस्वरूप प्रदेश की लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी हैं। ये महिलाएं घर पर ही घी, अचार, पापड़, नमकीन के उद्यम स्थापित करते हुए अन्य घरेलू उत्पाद तैयार कर न केवल अपना बल्कि अन्य महिलाओं का भी जीवन संवार रही हैं। इन्हीं प्रेरणादायक महिलाओं में से चयनित 14 लखपति दीदियां 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर दिल्ली में लाल किले पर होने वाले समारोह की साक्षी बनेंगी।

मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि प्रत्येक लखपति दीदी को उनके पति या किसी एक सहयोगी के साथ दिल्ली भेजा जाएगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से ठहरने और भोजन की पूरी व्यवस्था की जाएगी।

16 करोड़ रुपये से कालिंजर किला बनेगा पर्यटन हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 16 करोड़ रुपये की योजनाओं से कालिंजर किला पर्यटन हब बनेगा। बांदा स्थित कालिंजर का किला देशी-विदेशी पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है, जिसे राज्य सरकार और विकसित करने जा रही है। लगभग 800 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह किला न केवल स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि भारत के सबसे विशाल और मजबूत किलों में भी गिना जाता है।

राज्य सरकार ने ऐतिहासिक कालिंजर किले में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए 12 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कालिंजर-पन्ना एवं कालिंजर-बांदा मार्ग पर डेकोरेटिव पथ प्रकाश व्यवस्था के लिए 4 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। दोनों परियोजनाओं के लिए कुल 16 करोड़ रुपए राशि की स्वीकृति मिली है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कालिंजर किला देखने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 में कालिंजर आने वालों की संख्या 1,35,566 थी, जो 2023 में बढ़कर 4,54,177 हो गई। साल 2024 में पर्यटकों की संख्या लगभग 6,25,000 रही, तो मौजूदा वर्ष 2025 के जनवरी से जुलाई तक करीब 4,03,012 रही है।

सपा के वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती पर लखनऊ में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य। अमृत विचार

प्रदेशभर में मनाई गई जनेश्वर मिश्र की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों एवं अन्य राज्यों में भी मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम मंगलवार को गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में हुआ। यहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट स्थित उनकी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर नमन किया गया।

जर्जर स्कूल भवनों के ध्वस्तीकरण का अभियान तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी की चेतावनी के बाद हर जिले में जर्जर भवनों की पहचान, मूल्यांकन व तत्काल ध्वस्तीकरण की तैयारी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त चेतावनी के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थित जर्जर भवनों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए मंत्री संदीप सिंह और शासन के आला अधिकारियों ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि वे जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर सत्यापन, मूल्यांकन और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को शीर्ष प्राथमिकता दें।

विभिन्न जिलों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जर्जर भवनों की स्थिति को देखते हुए प्रत्येक जिले में जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर तकनीकी समिति को सत्यापन एवं मूल्यांकन हेतु सूची सौंपी जाएगी। यह कार्य समयबद्धता के साथ सुनिश्चित कराना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। पूर्व में चिह्नित ढांचों के भी शीघ्र सत्यापन और रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। कहा गया है कि जिन्हें ध्वस्त न किया जा सके, उन्हें 'निष्प्रयोज्य' घोषित कर सील किया जाएगा। छतों की सफाई और जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी जर्जर भवन के गिरने या किसी प्रकार की दुर्घटना की सूचना मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे उत्तरदायी मानते हुए उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सुरक्षित वैकल्पिक स्थानों पर होगी पढ़ाई

तकनीकी समिति द्वारा जर्जर घोषित किए गए भवनों में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं की जाएंगी। विद्यार्थियों के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था अन्य सुरक्षित कक्षों, विद्यालय भवनों, पंचायत भवनों या ग्राम सचिवालय आदि में कराना जाना अनिवार्य किया गया है।

जर्जर भवनों से प्रभावित हुई छवि

निर्माण यूनिट के विशेषज्ञ श्यामकिशोर तिवारी ने कहा कि कई विद्यालय परिसरों में अब भी ऐसे ढांचे मौजूद हैं, जो अत्यंत जर्जर हो चुके हैं और कभी भी गिर सकते हैं। इससे बच्चों और शिक्षकों की जान को गंभीर खतरा बना रहता है। हालांकि, शासन स्तर से इस संबंध में पूर्व में कई निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन हाल ही में कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरों ने विभाग की छवि को प्रभावित किया है।

तैयारी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों को गति देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

यूपी में डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक का तैयार हो रहा मसौदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान किए जाएंगे समाप्त
- प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवाएं व प्रक्रियाएं होंगी सरल

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए दो ऐतिहासिक 'डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक' का मसौदा तैयार कर रही है, जिनके माध्यम से राज्य और समवर्ती सूची के अधिनियमों में 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान समाप्त किए जाएंगे। ऐसे में व्यवसाय से जुड़े कानून इस कदर शिथिल कर दिए जाएंगे कि किसी व्यवसायी को अधिकांश प्रकरणों में जेल जाने की नौबत न आए। माना जा रहा है कि यह उत्तर प्रदेश को एक प्रगतिशील और व्यापार-अनुकूल विधिक ढांचा प्रदान करेगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को और अधिक सुगम एवं निवेशकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 'अनुपालन न्यूनीकरण एवं विनियमन शिथिलीकरण 2025' पहल की प्रगति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंगलवार को इन्वेस्ट यूपी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सुधारों की दिशा में हुई प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर मंथन किया।

मुख्य सचिव ने समयबद्ध, समन्वित कार्रवाई और फीडबैक आधारित सुधारों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल व्यवस्थाएं ही सुधार नहीं रहा है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए पुनर्परिभाषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सुधारों को वर्षांत तक निवेश मित्र 3.0 के साथ पूर्ण रूप से एकीकृत किया जाए, ताकि निवेशकों को समग्र और सरल अनुभव मिल सके।

सीईओ इनवेस्ट यूपी विजय किरण आनंद ने राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली 'निवेश मित्र 3.0' के उन्नत संस्करण पर प्रस्तुतीकरण दिया, जो वर्ष अंत तक शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह पोर्टल 44 से अधिक विभागों की 525 सेवाएं प्रदान करता है। नए संस्करण के माध्यम से सेवा प्रदायगी की समय सीमा में 30 प्रतिशत की कमी, आवेदन एवं स्वीकृति प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा दस्तावेजों की आवश्यकता को आधा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे निवेशकों को त्वरित, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-केंद्रित अनुभव मिलेगा।

उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाने पर मंथन

बैठक में कुछ दूरदर्शी सुझावों पर भी चर्चा हुई, जैसे- भवन उपविधियों में संशोधन कर भूमि की बर्बादी रोकना, उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाना और फैक्ट्री, व्यापार लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना। साथ ही द्विभाषी फॉर्म, डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) वीडियो ट्यूटोरियल्स, रिस्पॉन्सिव कॉल सेंटर और जागरूकता अभियान जैसे सुधारों पर भी जोर दिया गया।

बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर हटाए गए मुख्य अभियंता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिजली उपभोक्ता को 40 किलोवाट का कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर गाजियाबाद के मुख्य अभियंता अशोक कुमार को हटा दिया गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अध्यक्ष ने इस प्रकरण से संबंधित अन्य कार्मिकों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

अध्यक्ष को उपभोक्ता के जरिये गाजियाबाद में बिजली आपूर्ति की तकनीकी खराबी समय पर दूर न कराये जाने व बिजली कनेक्शन देने में विलंब की शिकायत मिली थी। बताया गया कि बीती 30 अप्रैल को 40 किलोवाट के कनेक्शन के लिये आवेदन किया गया। इसके लिए 27,615 रुपये जमा कराये गए। भुगतान करने के बाद भी कनेक्शन नहीं दिया गया। साथ ही, लाल कुआं बिजली उपकेंद्र में बीती 24-25 जुलाई को रात में आई तकनीकी खराबी को दो दिन तक ठीक नहीं कराया गया। इस दौरान क्षेत्र के लोग निरंतर बिजली संकट का सामना करते रहे। दोनों घटनाओं पर अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई। मुख्य अभियंता को पर्यवेक्षकीय शिथिलता का दोषी पाया गया। उन्हें प्रशासनिक आधार पर गाजियाबाद से स्थानांतरित कर पावर कॉरपोरेशन से सम्बद्ध किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

जंक्शन पर एफओबी से गिरकर युवक घायल

बरेली, अमृत विचार : बरेली जंक्शन पर सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे प्लेटफार्म एक पर मुरादाबाद छोर की तरफ फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) से एक युवक अचानक नीचे गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक नशे में था, इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया। रेलवे कर्मियों ने तुरंत जीआरपी को सूचना दी। जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि युवक की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। युवक की जेब से कोई पहचान पत्र नहीं मिला, जिससे पहचान नहीं हो सकी।

रेलवे ट्रैक पर भरा पानी रफ्तार पर ब्रेक

बरेली, अमृत विचार : बारिश में मुरादाबाद मंडल के अलग-अलग रेलवे स्टेशनों और ट्रैक पर पानी भरने से ट्रेनों की रफ्तार पर भी ब्रेक लग गया है। ट्रेनों को जहां-तहां रोकना पड़ रहा है। मंगलवार को वंदे भारत, राज्यरानी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें घंटों लेट हो गईं। 22545 लखनऊ-देहरादून वंदेभारत एक्सप्रेस को काफी देर नजीबाबाद से पहले रोक दिया गया।

मिलक में बाइक सवारों ने ई-रिक्शा चालक की गला दबाकर की हत्या

तरब्बा गांव की घटना, साइड नहीं देने पर हुआ था विवाद, मृतक के बेटे को भी पीटा

संवाददाता मिलक

अमृत विचार : साइड न मिलने पर बाइक सवार दबंगों ने पिता पुत्र के साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने अधेड़ की गला दबाकर हत्या कर दी और घटना स्थल से फरार हो गए। इसके बाद घटना स्थल के पास सड़क किनारे बने टिनशेड में परिजनों ने शव रखकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ मिलक राजवीर सिंह परिहार, एसडीएम आनंद कुमार कनौजिया, इंस्पेक्टर धनंजय कुमार ने मौके पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन देर रात तक कोई भी बात मानने को तैयार नहीं था।

थाना क्षेत्र के परम कल्याणपुर निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि वह और उनके पिता भगवानदास (55) ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण पोषण करते हैं।

घटना की जानकारी देता भगवानदास का बेटा जितेंद्र। ● अमृत विचार

मंगलवार शाम को वह और उसके पिता भगवानदास ई-रिक्शा से सवारियां लेकर अपने गांव आ रहे थे। तरब्बा गांव के समीप पहुंचने पर बाइक से आ रहे लोगों ने हार्न दिया। लेकिन आगे गड्ढा होने के कारण उन्होंने ई-रिक्शा नीचे नहीं उतारा। कुछ आगे बढ़ने पर जब आरोपियों की बाइक आगे निकल गई। तब उन्होंने ई-रिक्शा रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने जितेंद्र व उसके पिता भगवानदास को जमकर पीटा। आरोप है कि एक आरोपी ने पीड़ित के पिता का कसकर गला दबा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। भगवानदास के मरने के बाद आरोपी मौके से धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद जितेंद्र ने परिजनों को सूचना दी। तब उनके गांव से दर्जनों लोग घटना स्थल पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। भगवानदास की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। एसपी रामपुर विद्यासागर मिश्र ने बताया कि पुलिस आरोपियों को तलाश कर रही है। पुलिस मामले की जांच गंभीरता से कर रही है। हत्या में जो भी आरोपी शामिल हैं। उनके खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास कर रही है। जिससे पोस्टमार्टम होने के बाद अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

एसडीएम व सीओ ने किया समझाने का प्रयास

घटना की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर सैकड़ों लोग जमा हो गए। सभी ने एक राय होकर शव को सड़क किनारे बने यात्री टिन शेड में रख दिया और आरोपियों की खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। जानकारी मिलने पर एसडीएम आनंद कुमार कनौजिया, सीओ मिलक राजवीर सिंह, मिलक थाना प्रभारी धनंजय कुमार समेत अन्य थानों की पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई। दोनों अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन देर रात तक सभी लोग आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अड़े रहे। सीओ और एसडीएम ने परिजनों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बंदरों के हमले में तीन महिलाएं घायल

बरेली, अमृत विचार: जिले में बंदरों और कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंदर लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर काट रहे हैं। शहर और देहात क्षेत्र में तीन महिलाओं पर बंदरों ने हमला कर दिया जिससे महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिला अस्पताल में इलाज के लिए पहुंची तीनों मरीजों में दो को भर्ती कर लिया गया है। वहीं एक को उपचार देकर छुट्टी दे दी गई।

फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र की नई कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय नीलम रविवार देर शाम घर में खाना बना रही थीं। इस दौरान बंदरों ने उनके सिर पर काट लिया और उनके चेहरे पर कई जगह गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। इसके साथ ही भमोरा के गांव कुंडलीय निवासी शीला देवी सोमवार को दोपहर में भैंस को चारा डालने निकलीं तभी बंदरों ने उन पर हमला कर दिया। उनके बाएं हाथ पर कई बार काटा। वहीं शहर के किला निवासी साजिया मंगलवार को सुबह घर में कपड़े धो रही थीं, अचानक बंदरों का झुंड घर में घुस आया और उस पर हमला कर दिया।

इज्जतनगर से चंडीगढ़ को चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एनईआर ने भेजा प्रस्ताव, नई सुविधाओं और तेज सफर से यात्रियों को मिलेगा लाभ

अमृत विचार: इज्जतनगर रेल मंडल से चंडीगढ़ तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की तैयारी तेज कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) मुख्यालय गोरखपुर से दिल्ली स्थित रेलवे बोर्ड को इस रूट पर वंदे भारत ट्रेन चलाने का प्रस्ताव भेजा गया है। रेलवे सूत्रों के अनुसार प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

प्रस्तावित योजना के अनुसार इज्जतनगर-चंडीगढ़ वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन (शनिवार छोड़कर) संचालित होगी। ट्रेन सुबह 6:30 बजे इज्जतनगर स्टेशन से रवाना होगी और दोपहर 2 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी। वापसी यात्रा में ट्रेन दोपहर 3 बजे चंडीगढ़ से प्रस्थान करेगी और रात 10:30 बजे इज्जतनगर पहुंचेगी। लगभग 7 घंटे 30 मिनट में दोनों शहरों के बीच यात्रा संभव होगी, जो वर्तमान में उपलब्ध अन्य ट्रेनों की तुलना में काफी तेज होगी।

ट्रेन मार्ग में बरेली जंक्शन, मुरादाबाद, सहारनपुर, अंबाला कैंट सहित कुछ प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव दिए जाने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय यात्रियों को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। यह ट्रेन आधुनिक वंदे भारत रेक से संचालित होगी, जिसमें एयर-कंडीशन्ड चेयर कार, एक्जीक्यूटिव क्लास कोच, हाई स्पीड वाई-फाई, जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली, बायो-वैक्यूम शौचालय और स्वचालित दरवाजों जैसी सुविधाएं होंगी।

रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यह नई सेवा व्यापारियों, छात्रों और सैलानियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी।

इज्जतनगर मंडल से पहली वंदे भारत ट्रेन होने के कारण यह क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी होगी। यदि सब कुछ योजना के अनुसार चला तो यह ट्रेन आगामी महीनों में पटरियों पर दौड़ती नजर आएगी।

बअदालत श्रीमान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, बरेली
मुकदमा नं. 450/2024

श्रीमती समरीन बी पुत्री श्री अब्दुल साबिर निवासी ग्राम मन्डनपुर, थाना मीरगंज, जिला बरेली। ......वादिनी बनाम

1. शम्शुद्दीन आयु लगभग 65 वर्ष पुत्र सन्नू (ससुर) 2. श्रीमती महनाज आयु लगभग 60 वर्ष पत्नी शम्शुद्दीन (सास) 3. नसरूद्दीन आयु लगभग 35 वर्ष पुत्र शम्शुद्दीन (पति) 4. ताजउद्दीन, आयु लगभग 25 वर्ष पुत्र शम्शुद्दीन (देवर) 5. सकलैन आयु लगभग 19 वर्ष शमशुद्दीन (देवर) 6. कु. शहीना आयु लगभग 22 वर्ष पुत्री शम्शुद्दीन (ननद) 7. कु. सकीना आयु लगभग 20 वर्ष पुत्री शम्शुद्दीन (ननद) — विपक्षीगण

दरख्वास्त मुसम्मी श्रीमती समरीन बी वास्ते हुक्म सरटीफिकिट वसूल दर्ज व किफायत जाये या फतावी मुसम्मी 1. शम्शुद्दीन, 2. श्रीमती महनाज, 3. नसरूद्दीन, 4. ताजउद्दीन 5. सकलैन, 6. कु. शहीना, 7. कु. सकीना मुतवर्फा अपने व मुजावि एक्ट 7 सन् 1889 ई. व कैद....

हरगाह मुसम्मी श्रीमती समरीन बी ने दरख्वास्त हुक्म सरटीफिकेट और तारीख 23.5.25 वास्ते समायत दरख्वास्त हाजा के मुकर्रर की है लिहाजा इश्तहार जारी किया जाता है कि जिस किसी को दरख्वास्त हाजा के निस्वत कोई उजर हो असालतन या वकालतन बतारीख 08.08.25 पेश होकर दरख्वास्त हाजा की निसवत उजर पेश करें दरसूरत इनकामे तारीख मुकर्रर कोई उजर निस्वत दरख्वास्त सुना नहीं जायेगा और मुनासिव हुक्म निस्वत दरख्वास्त हाजा सादिर होगा। आज तारीख 11.07.2025 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, बरेली

कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

पत्रांक: 72/न.पं.ब./2025-26 दिनांक: 04.08.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत द्वारा वर्ष 2025-26 में 15 वां वित्त आयोग (अनटाईड) ग्रान्ट की धनराशि से नगर पंचायत बरखेड़ा में इन्टरलॉकिंग रोड आदि के निर्माण कार्यो को कराने हेतु निर्माण कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http/etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस में खोली जायेगी।

बिड प्रकाशित होने की तिथि	06.08.2025	प्रात: 08:00 बजे
ऑनलाइन बिड अपलोड करने की तिथि	06.08.2025	प्रात: 10:00 बजे
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	13.08.2025	प्रात: 10:00 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	13.08.2025	अपरान्ह 02:00 बजे

नागेन्द्र पाण्डेय
उपजिलाधिकारी बीसलपुर/ अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बरखेड़ा (पीलीभीत)

श्याम बिहारी भोजवाल
अध्यक्ष
नगर पंचायत बरखेड़ा (पीलीभीत)

एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक हो सकता है विस्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आरटीआई से हुआ खुलासा यात्रियों को मिलेगा लाभ, रेल संपर्क होगा और बेहतर

अमृत विचार: पीलीभीत से गोरखपुर के बीच चलने वाली ट्रेन 15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस को जल्द ही इज्जतनगर तक बढ़ाया जा सकता है। आरटीआई से इसका पता चला है। उत्तर पूर्वी रेलवे ने ट्रेन के विस्तार की प्रक्रिया पर गंभीरता से विचार किया है और प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है।

वर्तमान में यह एक्सप्रेस ट्रेन गोरखपुर से रवाना होकर गोंडा, सीतापुर, शाहजहांपुर होते हुए पीलीभीत तक जाती है, लेकिन इज्जतनगर रेल मंडल के यात्रियों की लंबे समय से मांग रही है कि इस ट्रेन को इज्जतनगर तक बढ़ाया जाए, जिससे बरेली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को पूर्वी उत्तर प्रदेश तक सीधी कनेक्टिविटी मिल सके।

सूत्रों के अनुसार रेलवे इस प्रस्ताव पर तकनीकी और संचालन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां कर रहा है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो निकट भविष्य में 15009 इज्जतनगर से गोरखपुर और 15010 गोरखपुर से इज्जतनगर तक चलाई जाएगी।

ट्रेन के विस्तार से बरेली के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। खासतौर से पूर्वांचल और तराई क्षेत्र के यात्रियों के लिए यह सीधी ट्रेन सेवा सुविधाजनक और समय बचाने वाली होगी।

रेलवे से मिली इस जानकारी ने यात्रियों में उम्मीद जगा दी है कि जल्द ही उन्हें गोरखपुर की ओर एक और वैकल्पिक और किफायती यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा।

छात्रों का डाटा अपडेट नहीं करने पर नोटिस जारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : यूडायस पोर्टल पर छात्रों का डाटा अपडेट नहीं करने में जिले के 392 विद्यालय पीछे हैं। बेसिक, माध्यमिक और मदरसा स्कूलों ने अब तक 32877 छात्रों की जानकारी नहीं भरी है। डाटा भरने की अंतिम तारीख 13 जुलाई थी, जिसके बाद कई बार तारीखें बढ़ाई गईं। जानकारी नहीं अपडेट करने वाले स्कूलों से बीएसए ने स्पष्टीकरण मांगा है, अन्यथा विद्यालयों का यूडायस रद्द किया जा सकता है।

जिले के 5455 विद्यालयों की छात्रों जानकारी यूडायस पोर्टल पर अपडेट होनी थी। बीएसए संजय सिंह के अनुसार अब तक 91 प्रतिशत कार्य हो सका है, इसलिए जिन स्कूलों ने प्रगति रिपोर्ट नहीं अपडेट की है उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। बता दें कि यूडायस पोर्टल पर छात्रों का डाटा अपडेट नहीं किया गया। इस कारण नोटिस भेजा गया है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़, बरेली

पत्रांक : 11475/लेखा/निविदा/क्षे.पं./2025-26 दिनांक : 05 अगस्त 2025

निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग जिला पंचायत राजकीय विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड शेरगढ़ बरेली को प्राप्त क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 में पंचम राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त की प्राप्त धनराशि से निम्न कार्य के निर्माण हेतु (आइटम रेट) पर सीलबंद निविदायें आमंत्रित की जा रही है। निविदायें दिनांक 21.06.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक विकास खण्ड शेरगढ़ मुख्यालय बरेली में रखे निविदा बाक्स में नियत तिथि एवं समय तक डाली जा सकती है जो उसी दिनांक 21.08.2025 अपरान्ह 03:00 बजे निविदादाता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष सार्वजनिक रूप से गठित कमेटी के द्वारा खोली जायेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	स्वीकृति धनराशि (जी.एस.टी. सहित)	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	पूर्ण करने का समय
1.	ग्राम नियामतपुर में विशनस्परूप के घर से पंचायत घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	200 मी.	980000	1500	20000	90 दिन
2.	ग्राम मवईजरेल में हेमराज के घर से नोनीराम के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	190 मी.	983200	1500	20000	90 दिन
3.	ग्राम काबरखास में बी.पी.आर.सी. केन्द्र मिटिंग हाल का निर्माण कार्य	1 वर्क	992300	1500	20000	90 दिन
4.	ग्राम ढकियाठाकुरान में होली चौराहे से मन्दिर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	180 मी.	995600	1500	20000	90 दिन
5.	ग्राम मनूनागर में हरिशंकर के घर से आंगनबाड़ी केन्द्र की ओर नाला निर्माण कार्य	200 मी.	994083	1500	20000	90 दिन
6.	ग्राम सिसौना में राजपाल की दुकान से धर्मवीर के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	205 मी.	876600	1500	20000	90 दिन
7.	ग्राम मानपुर में रमेश के घर से मेन रोड तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	160 मी.	999700	1500	20000	90 दिन
8.	ग्राम म्यूड़ी बुजुर्ग में पी.डब्लू.डी. रोड से बलीरजा के घर तक मिट्टी व खडन्जा निर्माण कार्य	400 मी.	990000	1500	20000	90 दिन
9.	ग्राम लखा में सरकारी टंकी से कब्रिस्तान तक नाला निर्माण कार्य	220 मी.	994083	1500	20000	90 दिन
10.	ग्राम पिपरिया में मेनरोड से प्राईमरी स्कूल तक सी.सी. व नाली निर्माण	110 मी.	711000	1430	14220	90 दिन
11.	ग्राम पिपरिया में उमाशंकर के मकान से शिशुपाल के घर से होकर व मोहन लाल के घर से रामौतार के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	105 मी.	616000	1240	12320	90 दिन
12.	ग्राम चठिया से अमरकान्त के घर के सामने से मुकेश बाबू के घर से होते मुनेन्द्र बाबू एवं राधेश्याम के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	170 मी.	999000	1500	20000	90 दिन
13.	ग्राम पंचायत गौटिया न्याजनगर में नत्थू लाल के घर व सद्दीक अहमद के घर की ओर सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	170 मी.	559500	1120	12000	90 दिन
14.	शाहपुर में बाबूराम के घर से राम किशोर की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	165 मी.	896000	1500	18000	90 दिन
15.	मानपुर में धाराजीत के घर से कमलेश के घर से होते हुए यशपाल के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	160 मी.	996755	1500	20000	90 दिन
16.	सुल्तानपुर में मंगली के घर से विनोद की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	180 मी.	901882	1500	20000	90 दिन
17.	सिमरावा में यमपाल की बैठक से सेवाराम के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	190 मी.	996348	1500	20000	90 दिन
18.	आकलाबाद में गिरीश कुमार के घर से सोमपाल के घर की ओर सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	168 मी.	995151	1500	20000	90 दिन
19.	जाफरपुर में मेनरोड से नरेन्द्र की घर की ओर सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	165 मी.	996760	1500	20000	90 दिन
20.	ग्राम मानपुर चौकी पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	20000	90 दिन
21.	गनुनगला में मन्दिर पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
22.	मानपुर इण्टर कॉलेज पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
23.	औरंगाबाद में मन्दिर पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
24.	पंडरी मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
25.	कस्बापुर मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
26.	सिंहौर में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
27.	बनईया में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
28.	कबरा किशनपुर में मजरा डूंगपुर में देवस्थान पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
29.	कनकपुरी में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	200 मी.	330000	400	6600	90 दिन

1. निविदा प्रपत्र को शुल्क बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से स्वीकार होगा जो खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़ के पक्ष में देय होगा। 2. समस्त ठेकेदारों को पंजीयन प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, जी.एस.टी. रजि. एवं लेवर डिपार्टमेन्ट रजि. व पैन कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करनी होगी। 3. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्दर कोई मूल्य परिवर्तन मान्य नहीं होगा। 4. निविदा को स्वीकृत करने अथवा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 5. प्रत्येक निविदादाता द्वारा रूपये 100/- के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र व 10/- स्टाम्प पेपर पर 90 दिन वेलिडीटी निविदा के साथ संलग्न कराना होगा। 6. सार्वजनिक निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाले उपखनिजों पर रायल्टी का भुगतान सुनिश्चित किये जाने का विषय भूतत्व एवं खनिज कर्म अनुभाग के शासनादेश संख्या 3885/65-2015-292/2015 दिनांक 15.10.2015 का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। 7. पंजीकृत ठेकेदारों को ठेका दिये जाने के पश्चात कभी भी संज्ञान में आता है कि ठेकेदार सक्रि रूप से माफिया गतिविधियों में असामाजिक कार्यो एवं संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है तो उस प्रदान किया गया कार्य का ठेका नोटिस जारी कर सक्षम अधिकारी द्वारा ठेका निरस्त कर दिया जायेगा। 8. किसी भ वाद विवाद की स्थिति में जनपद न्यायालय बरेली ही मान्य होगा। 9. निविदा फार्म क्रय किये जाने सामग्री से सम्बन्धित दिशा निर्देश अधोहस्ताक्षरी कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, शरेगढ़ से दिनांक 06.08.2025 से दिनांक 21.08.2025 मध्यान्ह 12:00 बजे तक निविदा मूल्य बैंक ड्राफ्ट/डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। 10. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की राशि का राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर./एन./एस.सी. जो खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़ बरेली के पक्ष में बन्धक हो मोहरबन्द लिफाफे में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न कराना अनिवार्य है तथा 5 प्रतिशत जमानत राशि की एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जो खण्ड विकास अधिकारी शेरगढ़ बरेली के पक्ष में बन्धक हो निविदा स्वीकृत उपरान्त अनुबन्ध के समय जमा करनी होगी जोकि कार्य समाप्ति के बाद कार्य की गुणवत्ता ठीक होने पर एक वर्ष उपरान्त वापस की जायेगा।

खण्ड विकास अधिकारी
शेरगढ़, बरेली

ब्लाक प्रमुख
विकास खण्ड शेरगढ, बरेली

एमएड में प्रवेश लेने के लिए 11 को होगी काउंसिलिंग

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने एमएड में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की तिथि तय कर दी है। शिक्षा विभाग में एमएड की 55 सीटों पर प्रवेश के लिए 11 अगस्त को काउंसिलिंग सुबह 10 बजे से होगी। 1 से 100 रैंक तक के उम्मीदवारों को काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया है। अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्र एवं उसकी छायाप्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं जाति प्रमाण पत्र साथ लेकर के आएं। प्रवेश मेरिट और आरक्षण नियमों के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से आमंत्रित प्रवेशार्थियों को ईमेल और फोन द्वारा सूचना भेजी जा रही है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बहुभाषी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों से सहयोग करने को कहा है। कुलसचिव संजीव कुमार ने सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को पत्र लिखा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार मल्टीलिंगुअल स्टडीज की ओर से विदेशी भाषाओं जैसे मैंडरीन, चाइनीज, जर्मन और स्पैनिस भाषाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को बहुभाषिक दक्षताओं से सुसज्जित करना और उनके बहुभाषिक कौशल को विकसित करना है। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में बहुभाषिक शिक्षा को सुदृढ़ करने एवं इन पाठ्यक्रमों में नामांकन को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर के प्रत्येक संकाय और विभाग से विद्यार्थियों को पंजीकरण में सहयोग प्रदान करें। आग्रह है कि अपने-अपने विभागों में इस सूचना को प्रसारित कराते हुए विद्यार्थियों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करते हुए आवश्यकतानुसार अपना सहयोग प्रदान करें।

3100 सीटें लॉक होना शेष, विवि से मांगा समय

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में अब तक स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित करीब 31 सौ विद्यार्थियों की सीटें लॉक नहीं हो सकी हैं। इसकी वजह से कॉलेज की ओर से रुहेलखंड विश्वविद्यालय को एक सप्ताह का समय और बढ़ाने का अनुरोध किया है। विश्वविद्यालय ने अंतिम तिथि 7 अगस्त निर्धारित की है। बरेली कॉलेज में मंगलवार को करीब तीन सौ विद्यार्थियों की सीटें लॉक हुईं। अब तक 19 सौ सीटें लॉक हो चुकी हैं। स्नातक में करीब पांच हजार प्रवेश हुए हैं। ऐसे में अभी करीब 31 सौ सीटें लॉक होनी है। शुरुआत में समर्थ पोर्टल का सर्वर स्लो होने की वजह से दिक्कतें आईं। इसके अलावा सावन के सोमवार और बारिश की वजह से भी बच्चे कम आए। कई विद्यार्थी मेसेज भेजने के बाद भी सीटें लॉक कराने नहीं आए हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 158/न.पा.परि.बी./2024-25 दिनांक: 02.08.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णाक में	निविदा मूल्य +18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर के अन्तर्गत कान्हा गौशाला (चारा गोदाम, टीन शेड, चरही, पानी का टैंक, बाउण्ड्री वॉल, समर सेवल पम्प, वेटेनरी डॉ. कक्ष, चपरासी कक्ष, एम.एस. गेट, खडंजा, बिजली व्यवस्था, गोबर गैस प्लांट शेफ कटर, कैटल कश आदि) का निर्माण कार्य।	1,90,39000.00	3,22,710.00	22500.00	12 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 6.8.2025 को प्रात: 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 26.08.2025 को अपरान्ह 05:00 बजे ।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 27.08.2025 को प्रात: 10:00 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 व प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खताा सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डॉक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

मिलावटखोरी : मिठाई, घी, चाय समेत 31 खाद्य पदार्थों के सैंपल हुए फेल

- एफएसडीए की टीम ने जुलाई में 257 खाद्य पदार्थ बेचने वाली दुकानों का किया था निरीक्षण

बरेली, अमृत विचार : रक्षा बंधन का त्योहार आगामी नौ अगस्त को मनाया जाएगा। इस बीच खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग (एफएसडीए) से मिले जुलाई के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। एफएसडीए की टीमों ने जुलाई में जिले भर की कुल 257 खाद्य पदार्थ बेचने वाली दुकानों का निरीक्षण किया था। इस दौरान कुल 115 सैंपल जांच के लिए लैब भेजे, हाल ही में इन सैंपल में से कुल 61 सैंपल की रिपोर्ट विभाग को प्राप्त हुई है। इसमें 31 सैंपल अधोमानक पाए गए हैं। वहीं 7 सैंपल असुरक्षित मिले हैं।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार जो 7 सैंपल असुरक्षित मिले हैं। इनमें चाय, घी, मिठाई समेत दैनिक उपभोग वाले खाद्य पदार्थ शामिल हैं। जिन भी खाद्य दुकानों के सैंपल जांच में अधोमानक और असुरक्षित पाए गए हैं इनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हैरत की बात ये है कि रक्षा बंधन पर मिठाई की खरीद सर्वाधिक होती है। ऐसे में मिठाई का सैंपल अधोमानक मिलने पर लोगों की सेहत पर मिलावटी मिठाई का सेवन करने से गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। वहीं मिलावटी खाना जानलेवा हो सकता है। जिला अस्पताल के फिजीशियन डा. राहुल बाजपेयी बताते हैं कि मिलावटी वस्तुएं स्वास्थ्य के लिए न सिर्फ हानिकारक होती हैं, बल्कि जानलेवा भी हैं। मिलावटी सामान का उपयोग करने से किडनी, हृदय और आंतों के अलावा पाचन तंत्र पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे फूड पॉयजनिंग से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

अगर आप सच बोलते हैं तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नहीं है। - मार्क ट्वेन

आपदा और आफत

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने की भयावह घटना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी आपदा बनकर आई है। अथाह जल राशि के तेज वेग के साथ बहकर आए मलबे में पलक झपकते ही सारा इलाका तबाह हो गया। मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। बाजार, बस्ती, इंसान और मवेशी सभी बह गए। पहाड़ों पर पिछले कुछ समय से बादल फटने की बढ़ती घटनाएं लगातार विचलित कर रही हैं। ऐसे प्राकृतिक हादसे अधिकतर मानसून की बारिश में ही होते हैं। बादल फटने का मतलब होता है, सीमित अंतराल और दायरे में अचानक काफी भारी बारिश होना। इसके पीछे भौगोलिक और परिस्थितिजन्य कारणों के अलावा विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, अवैध निर्माण, जंगलों की आग, पेड़ों की अंधाधुंध कटान और कचरा जलाने को जिम्मेदार ठहराते हैं। वजह कुछ भी हो, बादल फटने से जीवन और संपत्ति का जिस तरह बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, उसे देखते हुए जरूरी हो गया है कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय खोजने के साथ लोगों को पहले से अलर्ट करने वाले इंतजाम खोजने ही पड़ेंगे। हालांकि बरसात का मौसम केवल पहाड़ों के लिए आफत भरा है, ऐसा भी नहीं है।

मुसीबत मैदानी इलाकों में भी कम नहीं है, जहां कुछ घंटे की बारिश में सारा विकास धुल जाता है, जगह-जगह पानी भर जाता है। कहीं सड़क तो कहीं पुल-पुलिया बह जाती है। सब कुछ डूब जाता है। नाले-नाली और रोड के बीच का फर्क खत्म हो जाता है। यह कहानी हर साल की तब है, जब शहरों में जल निकासी को लेकर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। सीवेज लाइन, नालियां बनाई जाती हैं। हर बार दावा किया जाता है कि अबकी बारिश में जलभराव नहीं होगा। फौरी तौर पर लगता भी है कि समस्या का समाधान हो गया है, लेकिन जरा सा ज्यादा पानी बरसने पर जल निकासी के प्रबंध पूरी तरह फेल हो जाते हैं या नाला-नाली की सफाई में हुई लापरवाही की भेंट चढ़ जाते हैं। एक और बड़ी बेपरवाही यह भी है कि हर कहीं नगर निगम, पालिका या जल, विद्युत और सड़क निर्माण विभाग अलग-अलग काम करते हैं। इसके चलते सड़कें बनते ही फिर खोद दी जाती हैं। सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को बर्बाद होने का यह भी बड़ा कारण है। दरअसल, शहरों में नई और ऊंची इमारतें तो धड़ल्ले से बन रही हैं, लेकिन ड्रेनेज मैनेजमेंट या सिस्टम को लेकर कोई खास काम नहीं हो रहा है, जबकि हर शहर की आबादी, रियायशी इलाकों और कम से कम आगे के 30 सालों की परिस्थिति आकलन करके योजना तैयार की जानी चाहिए। वर्ना बादल फटने जैसी घटना तो कुछ हद तक प्राकृतिक आपदा कही जा सकती है लेकिन शहरों को डुबाने का गुनाह तो हमारा ही है। बाढ़ से निपटने के लिए जल निकासी की मजबूत व्यवस्था बनाने के लिए अगर जिम्मेदार गंभीर नहीं होंगे तो बरसात का मौसम आफत बनकर जन-जीवन की मुश्किलें बढ़ाता ही रहेगा।

प्रसंगवश

वनाधिकार कानून के पालन में पिछड़ा राजस्थान

राजस्थान 19 साल बाद भी वनाधिकार कानून के पालन करने और आदिवासियों को उनकी जमीन का हक देने में पीछे है। अपने लचर प्रदर्शन के कारण वह टॉप 10 में भी नहीं है। प्रदेश के आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। देश में वनाधिकार कानून 2006 को लागू हुए 19 साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान में आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक, राजस्थान में इन 19 सालों में केवल 51,766 वन अधिकार पट्टे ही वितरित किए गए हैं, जिनमें से 49,215 व्यक्तिगत और मात्र 2,551 सामुदायिक अधिकार हैं।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि यहां के आदिवासी अब भी अपने कानूनी अधिकार पाने में बहुत पीछे हैं, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्य आदिवासियों को कानूनी हक देने में काफी आगे बढ़ चुके हें। देश में वनाधिकार के पट्टों के लिए दावों के निपटारे में सबसे अधिक 65 प्रतिशत दावों को मंजूरी देकर ओडिशा पहले पायदान पर है। वहीं केरल में 64.69 प्रतिशत और त्रिपुरा में 63.79 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे प्रदान किए गए हैं। चौथे नंबर पर झारखंड है, जहां 55.95 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे वितरित कर दिए गए हैं। अपने लचर प्रदर्शन के कारण राजस्थान टॉप 10 में भी नहीं है।

वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) का उद्देश्य आदिवासी समुदायों और वन्य-वन (ओटीएफडी) के साथ हुए अन्याय को दूर करना, उनकी भूमि पर स्वामित्व, आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और वनों के संरक्षण की व्यवस्था को मजबूत करना है। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों की अस्वीकृति की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 13 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी है। यह आबादी राज्य के अधिकांश दक्षिण जिलों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और चित्तौड़गढ़ में निवास करती है। वन अधिकार अधिनियम एक अहम कानून है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सामुदायिक अधिकारों और व्यक्तिगत अधिकारों के संदर्भ में आदिवासी समुदायों और ओटीएफडी के अधिकारों की रक्षा की जाए। राजस्थान सरकार के आंकड़ों के अनुसार, उसे कुल 99,506 दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 43,326 खारिज कर दिए गए हैं। वहीं अब तक 40,015 स्वीकृत किए गए हैं और 16,165 लंबित चल रहे हैं।

वहीं राजस्थान में 310,151 एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिया गया है, जो सुनने में एक बड़ा आंकड़ा लगता है। पर यह उन आदिवासियों के लिए बहुत कम है, जो राजस्थान में पीढ़ियों से जंगल पर निर्भर हैं। महाराष्ट्र में 38.32 लाख एकड़ और मध्य प्रदेश में 23.67 लाख एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिए गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या आदिवासियों के जीवन, उनकी संस्कृति और परंपराओं की कोई अहमियत है? क्या यही है जनजाति सशक्तिकरण, जिसका वादा सरकारें करती हैं।

वहीं राजस्थान में आदिवासी छात्रों को दी जाने वाली प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों की स्थिति भी चिंताजनक है। 2022-23 में जहां 2.36 लाख छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली थी, वहीं 2023-24 में यह घटकर 1.68 लाख रह गई। इस बारे में आदिवासी संगठन पूछते हैं कि यह गिरावट क्या प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है या फिर बजट की कमी की वजह से हो रही है? केंद्र सरकार के अनुसार, देश भर में बैकलॉग के 1.15 लाख एसटी पद भरे जा चुके हैं, लेकिन राजस्थान में इसका कोई स्वतंत्र डाटा उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार की यह चुप्पी आदिवासियों के अधिकारों की ओर गंभीरता की कमी को दर्शाती है। केरल में ट्राइबल प्लस योजना के तहत आदिवासियों को अतिरिक्त रोजगार मिल रहा है। वहीं राजस्थान में ऐसी कोई योजना शुरू नहीं हुई है।

हिरोशिमा की राख से उठते कुछ सवाल

हिरोशिमा दिवस आज

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

6 अगस्त 1945, इतिहास में यह तारीख उस भयावह क्षण के रूप में अंकित है, जब विज्ञान की शक्ति ने मानवता की सीमा लांघ दी थी और विनाश का नया अध्याय शुरू हुआ था। यही वह दिन था, जब अमेरिका ने जापान के शांत और सांस्कृतिक शहर हिरोशिमा पर 'लिटिल ब्वाय' नामक परमाणु बम गिराया था। उस एक विस्फोट ने लगभग एक लाख चालीस हजार लोगों की जान ले ली थी और लाखों अन्य को पीड़ा, विकलांगता, कैंसर, मानसिक संताप और सामाजिक बहिष्करण के लंबे दौर में धकेल दिया था। हिरोशिमा केवल एक शहर नहीं था, जो जलकर राख हुआ, वह मानव विवेक, चेतना और सहअस्तित्व की अवधारणा पर लगा एक ऐसा स्थायी घाव था, जो आज भी रिस रहा है।

हर साल 6 अगस्त को मनाया जाने वाला 'हिरोशिमा दिवस' पूरी दुनिया को यह याद दिलाता है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियां नियंत्रण से बाहर होती हैं तो वे मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। हिरोशिमा पर गिराया गया बम कोई आम हथियार नहीं था। वह लगभग 15 किलोटन यानी 15 हजार टन टीएनटी विस्फोटक के बराबर शक्ति रखता था और उसकी विभीषिका ने केवल शहर की इमारतों को नहीं बल्कि वहां की मिट्टी, जल, वायु और मानव शरीर तक को रेडियोधर्मी विकिरण से बुरी तरह प्रभावित किया। बम विस्फोट के तुरंत बाद लगभग 80 हजार लोग मारे गए और वर्ष के अंत तक यह संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई। वहां की संतानों में जन्म दोष, कैंसर, मानसिक विकार और सामाजिक कलंक के ऐसे दाग लगे, जो पीढ़ियों तक नहीं मिट सके।

परमाणु बम से बच निकले लोगों को जापान में 'हिबाकुशा' कहा गया। इन लोगों ने केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, सामाजिक तिरस्कार और मानसिक आघात भी सहा। जिन लोगों ने त्रासदी झेली, उन्हें अक्सर हीन दृष्टि से देखा गया। यही त्रासदी कुछ ही दिन बाद, 9 अगस्त को नागासाकी में भी दोहराई गई, जब अमेरिका ने 'फैट मैन' नामक बम गिराया और एक बार फिर करीब 70 हजार लोगों की जानें चली गईं। उन दो हमलों के बाद द्वितीय विश्वयुद्ध भले ही समाप्त हुआ, लेकिन मानवता की चेतना पर जो चोट पड़ी, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। उन बम हमलों ने वैश्विक राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया। उसके बाद युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों का खेल नहीं रह गया बल्कि एक ऐसी होड़ में तब्दील हो गया, जिसमें विनाश की क्षमता को ही शक्ति का मानक माना जाने लगा।

हिरोशिमा और नागासाकी की विभीषिका के बाद परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू हुई। अमेरिका के बाद सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बनाए और धीरे-धीरे यह शस्त्र राजनीतिक शक्ति और रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक बन गया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) और व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) जैसे प्रयासों के बावजूद परमाणु खतरा कम नहीं हुआ। कुछ देशों ने इन संधियों को स्वीकार नहीं किया, कुछ ने औपचारिकता निभाई और कुछ ने गुपचुप परमाणु जखीरा बढ़ाया।

भारत ने 1974 में 'स्माइलिंग बुद्धा' के नाम से पहला परमाणु परीक्षण किया और 1998 में पोखरण-2 द्वारा स्वयं को परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' यानी पहले हमला नहीं करने की नीति अपनाई, जो एक जिम्मेदार परमाणु राष्ट्र की पहचान है, लेकिन पाकिस्तान, जिसने 1998 में अपने परमाणु परीक्षणों से ताकत दिखाई, बार-बार इस नीति को चुनौती देता रहा है। भारत-पाक के बीच जब-जब तनाव बढ़ा, चाहे वह कारगिल युद्ध हो, पठानकोट हमला हो, बालाकोट स्ट्राइक हो या पुलवामा अथवा पहलगाम जैसे आतंकी हमले, विश्व समुदाय ने परमाणु टकराव की आशंका के साथ चिंताओं का इजहार किया।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां दी गई हैं, इस बात को स्पष्ट करती हैं कि परमाणु बम केवल संग्रहालय की वस्तु नहीं हैं। उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, चीन का परमाणु शस्त्रागार बढ़ाने का प्रयास हमें बार-बार इस सच्चाई से अवगत कराते हैं कि हिरोशिमा जैसे दृश्य दोहराए जाने की आशंका कभी भी पैदा हो सकती है।

> आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है।

आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, वैश्विक महामारी, जैविक हथियारों और साइबर युद्ध जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब परमाणु हथियारों का अस्तित्व एक ऐसा छिपा हुआ विस्फोटक है, जो केवल एक गलत निर्णय, एक तकनीकी विफलता या एक गलतफहमी से ही धरती को विनाश के गर्त में धकेल सकता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हम अब परंपरागत युद्धों की नहीं बल्कि 'साइबर स्पेस', 'ड्रोन स्ट्राइक्स' और 'परमाणु धमकी' जैसे अस्थिर और अनिश्चित युद्धों के युग में प्रवेश कर चुके हैं।वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने के लिए 'ट्रीटी ऑन द प्रोहिबिशन ऑफ न्यूक्लियर वेपन्स' पारित की गई।

आमने सामने

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अत्यंक चिंताजनक है और इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है, इसलिए हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं। सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

राज्यसभा में सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रभावी विपक्ष बनने के लिए उन्हें ट्यूशन लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अगले कुछ दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। नड्डा ने विपक्ष पर 'अराजक' होने का भी आरोप लगाकर कहा- राज्यसभा में सभापति की अनुमति से बोल रहे सदस्यों को बाधित करना लोकतंत्र नहीं है।

स्त्री-स्वास्थ्य नीतिगत दोलन का शिकार

जय प्रकाश पांडेय
स्वतंत्र लेखक

हम एक ऐसी राष्ट्र-कल्पना में जी रहे हैं, जिसकी सांस्कृतिक चेतना स्त्री को मातृ रूप में प्रतिष्ठित करती है, किंतु विडंबना यह है कि राष्ट्र की यही मातृ रूपा प्रतीक-संरचना, स्वयं उसी स्त्री की अवहेलना में अपनी जड़ें खोजती है। परिणाम स्वरूप, जहां 'माता' शब्द ध्वनि की पवित्रतम आवृत्ति में गूंजता है, किंतु जब उसी 'मां' के हीमोग्लोबिन की चर्चा आती है, तो नीति-पत्रों की गलियों में 'अस्थायी सुझाव' का बोर्ड लटकता दिखता है। इस प्रकार यह प्रतीकात्मक राष्ट्रवत्ता अपने आदर्श से ही पहला विचलन प्राप्त करती है और यह चेतना, जो मां को पूज्य मानती है, उसी मां की वास्तविक सामाजिक उपस्थिति से मुंह मोड़ लेती है।

स्त्री-स्वास्थ्य का विमर्श भारत में आज भी एक ऐसी नीतिगत दोलन अवस्था में है, जहां जनसंख्या नियंत्रण और मातृत्व प्रोत्साहन दो परस्पर-विरोधी ध्रुव नहीं, बल्कि दो वैकल्पिक आंकड़े हैं, जिनके बीच स्त्री की देह एक अनुपस्थित इकाई की तरह झूलती रहती है। जिस शरीर को राज्य, जनसंख्या रेखाओं के ग्राफ़ में नियोजित करता है, उसी शरीर की थकान, पीड़ा और पुनर्निर्माण का कोई स्वतंत्र विमर्श नहीं है। विडंबना यह है कि इस अपूर्ण और लक्ष्य केंद्रित विमर्श को ही हम 'स्वास्थ्य नीति' के नाम से स्वीकृति देते हैं, मानो किसी भी संस्थान की उपस्थिति मात्र ही उसकी न्याय संगतता का प्रमाण हो।

हमें बताया जाता है कि नीतियां मौजूद हैं- जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्र धनुष और हम सहर्ष मान भी लेते हैं, क्योंकि योजनाओं के नाम बड़े सुंदर और श्रद्धास्पद होते हैं। पर थोड़ी देर में समझ आता है कि इन सभी योजनाओं की परिधि वहीं तक है जहां तक स्त्री की देह मातृत्व के लिए उपयोगी मानी जाती है। नीति मानो यह संकेत देती है- 'हम तुम्हारी तब तक चिंता करेंगे, जब तक तुम्हारे भीतर कोई जनगणनात्मक संभावना पल रही हो, उसके बाद तुम्हारा शरीर हमारी दृष्टि से बाहर, तुम्हारा निजी मामला है'। किशोरावस्था, रजोनिवृत्ति, मानसिक स्वास्थ्य या वृद्धावस्था, ये सब स्त्री-जीवन के ऐसे चरण हैं, जो नीति की दृष्टि में शायद 'अवकाश प्राप्त विषय' माने जाते हैं। उनकी चर्चा करना न तो चुनावी भाषणों में उपयुक्त होता है, न बजट की घोषणाओं में शोभनीय। यही कारण है कि स्त्री के संपूर्ण जीवन-चक्र को समझने की कोई संस्थागत जिज्ञासा नहीं बन पाती।

स्त्री के जीवन चक्र को जब तक नीतिगत संरचनाओं में खंडित कर अर्थात किशोरावस्था, मातृत्व, रजोनिवृत्ति और वृद्धावस्था जैसी अवस्थाओं में पृथक-पृथक वर्गीकृत कर देखा जाएगा, तब तक कोई भी स्वास्थ्य कार्यक्रम समग्र नहीं हो सकेगा। यह दृष्टिकोण स्त्री को एक निरंतर जीवंत सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अवसरानुकूल हस्तक्षेप की इकाई के रूप में परिभाषित करता है। राज्य की योजनात्मक दृष्टि यदि देह के केवल उन पक्षों को संबोधित करती है जो प्रजनन-उपयुक्त हैं, तो यह एक वैचारिक अपूर्णता है। एक ऐसी अधूरी संरचना जो भीतर से रिक्त है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 का एक सूक्ष्म पर गहनतः त्रासद आंकड़ा संकेत करता है कि देश की लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों तक पहुंच से वंचित हैं। यह कोई आकस्मिक सामाजिक विचलन नहीं, बल्कि एक दीर्घ कालिक नीतिगत विमुखता का संस्थागत प्रमाण है, जो यह दर्शाता है कि स्त्री की जैविक आवश्यकता को अभी तक सार्वजनिक स्वास्थ्य विमर्श में 'सुविधा' से आगे नहीं देखा गया।

यह उपेक्षा केवल तत्काल असुविधा नहीं लाती, यह आने वाले वर्षों की रक्तहीन संभावनाओं को जन्म देती है। किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है। यह दर केवल शरीर की नहीं, नीति की भी रक्ताल्पता को प्रकट करती है। यदि इन्हीं आंकड़ों को राष्ट्र की स्वास्थ्य-आधारशिला माना जाए तो कहा जा सकता है कि हम एक ऐसे राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी अगली पीढ़ियां पहले से ही रक्तविहीन हैं- शारीरिक रूप से भी और नीति की कल्पना में भी।

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े बताते हैं कि बिहार में आज भी 42% से अधिक प्रसव घरों में सम्पन्न होते हैं और इनमें से अधिकांश मामलों में कोई प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित नहीं होता। यह परिघटना 'स्वावलंबन' की किसी प्रेरक कथा का संकेत नहीं देती, बल्कि यह सुव्यवस्था की अनुपस्थिति की एक सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थायी अवस्था का द्योतक है। दूसरी ओर राजस्थान, जहां प्रतिवर्ष बालिका सशक्तिकरण के नाम पर करोड़ों की योजनाएं स्वीकृत की जाती हैं, वहां केवल 28.6% महिलाएं ही प्रसवोत्तर देखभाल तक पहुंच प्राप्त कर पाती हैं। क्या यह मान लिया गया है कि शेष स्त्रियां मातृत्व के क्षण भर बाद ही आत्मचिकित्सा में स्वयंसिद्ध हो जाती हैं? झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों की स्थिति इस विमर्श को और गहरा करती है। वहां स्वास्थ्य उपकेंद्रों तक पहुंचना आज भी 'पहाड़ चढ़ने' के तुल्य है। यह कोई भाषिक प्रतीक नहीं, अपितु भौगोलिक सत्य है। इन क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका, अपनी मूल अवधारणा से विचलित हो, अब संसाधन-वितरण की अपेक्षा सांस्कृतिक संकोच के हस्तांतरण में अधिक सक्रिय दिखती हैं। वस्तुतः यह मात्र आंकड़े नहीं, सामाजिक चेतावनियां हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.1% सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय किया जाना, उस संरचनात्मक उपेक्षा का प्रत्यक्ष संकेत है, जो दशकों से स्वास्थ्य को कल्याण नहीं, अनुदान की तरह देखती रही है।

> किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है।

सामयिकी

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय व्यापार और नीति पर प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही रूस से ऊर्जा और सैन्य उपकरण खरीदने पर जुर्माना लगाना, पहली नजर में भारत के लिए एक झटका है। एक मुक्त व्यापार समझौता जो भारतीय उत्पादों को दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक अधिक पहुंच की अनुमति देता है और साथ ही, अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए खोलता है, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। 2024-25 (अप्रैल) में अमेरिका को भारत का निर्यात 86 बिलियन डॉलर था, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक था। अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करना भारत के हित में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर व्यापार पर भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों और ऊर्जा तथा सैन्य उपकरणों पर रूस के साथ व्यवहार का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने के पीछे मुख्य कारणों के रूप में उद्धृत किया। अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि जुर्माना कैसा होगा, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने अतीत में ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

प्रो. रिपुदमन सिंह
अर्थशास्त्री

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में खटास पैदा करने वाले कारकों का विश्लेषण जरूरी है। हाल के परिदृश्य के पीछे किसी एक कारक को चिन्हित करना मुश्किल है। भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का मुद्दा, राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल से ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उठाया जाता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप लम्बे समय से यह शिकायत कर रहे हैं कि भारत जैसे देश यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध को आंशिक रूप से वित्तपोषित कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने दोहराया है कि वह अपनी राष्ट्रीय और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अगर इसका मतलब सस्ता रूसी तेल खरीदना है, तो वह यही करेगा।

वर्तमान में रूस से भारत का तेल आयात लगभग 35-40 प्रतिशत है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाता है। इसके अलावा, भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों के मुख्य हिस्सों को अमेरिका सहित सभी व्यापारिक समझौतों से बाहर रखने पर अडिग है। इससे अमेरिका नाराज है, लेकिन यह एक लक्ष्य रेखा है, जिसे भारत पार नहीं करना चाहेगा। इन क्षेत्रों को खोलने से भारत के अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले किसान वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सामने आ जाएंगे, जिसका उनकी आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। फिर यह तथ्य भी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार कहा है कि भारत द्वारा ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करने के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर सहमति बनाने के लिए उन्होंने और उनकी व्यापार वार्ता ने ही काम किया था। भारत सरकार ने इस तथ्य का खंडन किया है, जिससे डोनाल्ड ट्रंप और भी नाराज हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दावों ने भारतीय सत्ता पक्ष को भी नाराज कर दिया है, क्योंकि इससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का एक मौका मिल गया है।

टैरिफ के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। टैरिफ का भुगतान आयातक करते हैं। इसलिए, भारतीय आयातों पर टैरिफ का भुगतान अमेरिका में उन लोगों द्वारा किया जाएगा जो भारतीय सामान आयात कर रहे हैं। यानी भारतीय सामान उनके लिए और महंगे हो जाएंगे। यही भारत के लिए असली समस्या है। बैंक ऑफ बड़ौदा के शोध के अनुसार, वृहद स्तर पर, टैरिफ और उनका भारतीय निर्यात पर पड़ने वाला प्रभाव भारत के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 0.2 प्रतिशत की कमी लाएगा। इसलिए, यदि भारत का विकास अनुमान 6.6 प्रतिशत था, तो ये टैरिफ, यदि लगाए जाते हैं, तो विकास दर 6.4 प्रतिशत हो सकती है। हालांकि, समस्या अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न होगी। वस्त्र, कीमती हीरे, ऑटो पार्ट्स, चमड़े के उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा।

सोशल फोरम

मीना आपा

मीना आपा के भीतर कोई चंचल-शोख़ और मन की उड़ान भरती कोई बेफिक्र लड़की रही होगी...शायद कभी...क्या पता। उनके चुनिंदा मज़ाहिया किरदार देखें तो बरबस उनके शरारती रूप पर यकीन करने का जी हो जाता है। पूरी दुनिया की कई ख़ूबसूरत, बेमिसाल, नायाब अभिनेत्रियों के जीवन पर बहुधा मैंने किसी अभिशाप का साया देखा है।

यूनुस खान
ब्लॉगर

सख्त हक़ीक़त ये है मीना के जीवन पर उदासी का ग्रहण इतना गहरा था कि वो लड़की कहीं बिला गयी। हिरा गयी। और देखिए तो...ऐसे किरदारों में वो ख़ूब खिलीं- जहां कुछ छूट रहा है, जहां हथेली में से रेत की तरह ख़त्म हो रहा है कुछ। वीरान और उजाड़ दुनिया के किरदार, जिनके हिस्से में उनके मन का आकाश नहीं आया। उस पर शाम के सूरज ने गुलाल नहीं बिखराया। उदास शामों, गुमसुम सुबहों और मनहूस रातों वाले किरदार।

'ये बिखरी जुल्फ़ें ये खिलता कजरा/ ये महकी चुनरी ये मन की मदिरा/ ये सब तुम्हारे लिए है प्रीतम/ मैं आज तुमको जाने ना दूंगी'।

....और सामने वाला हाथ झटककर चल देता है। एक स्त्री के वजूद, उसके अरमानों और उसकी तमन्नाओं को धता बताकर। ख़्वाब देखना कोई कुसूर नहीं। क्या रहे होंगे उनके ख़्वाब। और कैसे किरच-किरच बिखरे होंगे, क्या पता...

'पंछी से छुड़ाकर उसका घर/ तुम अपने घर पर ले आये
ये प्यार का पिंजरा मन भाया/ हम जी भर-भर कर मुस्काये
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से/ तुम कहने लगे आज़ाद रहो'

38 बरस की उम्र क्या होती है। सिर्फ़ 38 बरस। इन अड़तीस बरसों में कितने दिन बोझिल और उदास बीते होंगे मीना आपा के। तभी तो उनके लिखे में दर्द छलक-छलक पड़ता है।

आबला-पा कोई इस दश्त में आया होगा
वर्ना आंधी में दिया किस ने जलाया होगा।।
या फिर:
यूं तेरी रहगुज़र से दीवाना-वार गुज़रे
कांधे पे अपने रख के अपना मज़ार गुज़रे।।

मीना ये कहते हुए चली गयीं--
'राह देखा करेगा सदियों तक
छोड़ जाएंगे ये जहां तन्हा'
आज 'नाज़' उनासी की होतीं पर अड़तीस की होकर चली गयीं।

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कानपुर के पास स्थित ब्रह्मावर्त की महिमा पुराणों में, यहीं वाल्मीकि आश्रम में रहीं माता सीता, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की भी गवाह है यह भूमि

यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई

महर्षि वाल्मीकि आश्रम

कानपुर शहर से 20 किमी की दूरी पर स्थित है, धार्मिक-पौराणिक और ऐतिहासिक स्थल ब्रह्मावर्त, जिसकी महिमा पुराणों में वर्णित है। इसे बिठूर के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह क्षेत्र सृष्टि का केंद्र है, क्योंकि जल प्लावन के बाद सबसे पहले जल से प्रकट होने वाला भू-भाग यही था। पौराणिक साक्ष्यों के अनुसार ब्रह्मा ने यहीं सृष्टि रचना पूर्ण करने के उपरान्त ब्रह्मेश्वर शिवलिंग स्थापित कर अश्वमेद्य यज्ञ किया और अश्वनाल को कीलित कर स्थापित किया। बिठूर के ब्रह्मेश्वर घाट में इसकी आज भी ब्रह्मा की खूंटी के रूप में पूजा-अर्चना होती है। बिठूर में ही महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। जहां बैठकर उन्होंने रामायण की रचना की थी। इसी आश्रम में श्रीराम द्वारा परित्याग किए जाने के बाद माता सीता ने निवास किया और लव और कुश नामक दो पुत्रों को जन्म दिया था। आश्रम में तीन मंदिर हैं। इनमें से एक मंदिर महर्षि वाल्मीकि का है, जिसमें उनकी पद्मासन मुद्रा में बैठे और दाएं हाथ में लेखनी लिए प्रतिमा स्थापित है। उनके पास ही भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है।

वाल्मीकि आश्रम में है स्वर्ग की सीढ़ी

- बिठूर में वाल्मीकि आश्रम ऊंचाई पर बना है। इसलिए यहां तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई गई हैं। इन सीढ़ियों को स्वर्ग की सीढ़ी कहा जाता है। आश्रम में माता सीता की रसोई के पास यह सीढ़ियां बनी हैं। यहां श्रीराम तथा उनकी सेना के साथ लव-कुश के युद्ध के प्रमाणों के साथ घटनास्थलों के नाम भी उस कालखंड की पुष्टि करते हैं, जैसे सीता परित्याग स्थल परियर, सेना के साथ रणभूमि में मिलन रणमेल या रमेल तथा महारण झील अथवा महान झील है। यह क्षेत्र आदि काल से ही मुनियों की तपस्थली तथा यज्ञ भूमि के रूप में विख्यात रहा है। ब्रह्मा जी और मित्रसह के अश्वमेघ यज्ञ तथा पृथु द्वारा मनु महाराज से अश्वमेध यज्ञ की दीक्षा प्राप्त करने के साथ ही दुष्यंत पुत्र राजा भरत द्वारा गंगा तट पर 55 अश्वमेघ यज्ञ करने का उल्लेख श्रीमद्भागवत् के नवम् स्कन्ध में मिलता है। इससे प्रमाणित होता है कि ब्रह्मावर्त यज्ञ दीक्षा एवं यज्ञ करने का अति महत्वपूर्ण स्थान था।

इन तथ्यों और अवशेषों से मिले प्रमाण

वाल्मीकि रामायण में उत्तरकाण्ड के पैंसठवें सर्ग के श्लोक 1 तथा 2 में उल्लिखित है कि श्रीराम के भाई शत्रुघ्न ने अयोध्या से लवणासुर को मारने के लिए सेना भेजने के बाद अकेले ही प्रस्थान किया और दो दिन यात्रा के उपरान्त तीसरे दिन वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। अयोध्या से बिठूर तक उस समय में घोड़े या अश्वरथ से 2 दिन का समय लगना पूर्णत: विश्वसनीय है। यही समयावधि सीता परित्याग की घटना में वर्णित है।

- श्रीमद्भागवत् के चतुर्थ स्कन्ध के 19वें अध्याय में राजा पृथु द्वारा मनु महाराज से ब्रह्मावर्त में अश्वमेध यज्ञ दीक्षा लेने का उल्लेख है।
- महाकवि विद्यापति द्वारा 13 वीं सदी में रचित भू परिक्रमा में बिठूर में बलराम जी के तीर्थ यात्रा में आने का उल्लेख मिलता है।
- भारत में सर्वप्रथम ताम्र निधियों की प्राप्ति बिठूर में ही हुई। इनका कालखण्ड 4000 वर्ष ईसा पूर्व तक आंका गया है।
- यहां रामायण काल के अस्त्र - शस्त्र भी मिले हैं, जिनमें से कुछ रामजानकी मंदिर में संग्रहीत हैं।
- महाराज मनु की संतान राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव की तपस्थली के स्मृति स्वरूप यहां ध्रुव टीला आज भी विद्यमान है, जिससे प्रागैतिहासिक काल तक के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

नाना साहब के नेतृत्व में लड़ा गया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

- बिठूर का इतिहास आजादी की लड़ाई से भी प्रमुखता के साथ जुड़ा है। 1817 में पूना के पेशवा बाजीराव पेशवा द्वितीय को अंग्रेजों से हुए समझौते के कारण पेंशन लेकर बिठूर में निवास करना पड़ा। इसके बाद तमाम मराठी परिवार यहां बस गए। बाजीराव ने बिठूर में महल तथा कई इमारतें बनवाईं। 1851 में बाजीराव की मृत्यु के उपरान्त उनके दत्तक पुत्र धूढू पन्त नाना साहब के रूप में विख्यात हुए। लेकिन अंग्रेजों ने नानाराव को पेंशन देने से मना कर दिया। अंग्रेज सरकार के इस रवैये के खिलाफ नाना साहब ने भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने की योजना बनाई। नाना साहब के नेतृत्व में बिठूर को केन्द्र बनाकर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया।

पूर्व वैदिक काल की मान्यता रखता है ध्रुव टीला

घने जंगल में अकेले बैठकर कैसे पांच साल के बालक ध्रुव ने भगवान विष्णु की तपस्या कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, यह कहानी हम सभी ने सुनी है। बालक ध्रुव के समर्पण से सनातन सप्त ऋषियों ने अभिभूत होकर उन्हें विशाल अंतरिक्ष में ध्रुवपद (ध्रुव तारा) का सर्वोच्च पद प्रदान किया था। माना जाता है कि ध्रुव का जन्म बिठूर में हुआ था और जिस स्थान पर वह ध्यान के लिए बैठे थे, उसे ध्रुव टीला कहा जाता है। यह शांत स्थान गंगा नदी के किनारे स्थित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में दुर्लभ तांबे के सिक्के, तांबे के भाले, कुल्हाड़ी, चाकू, मूर्तियां, तांबे के गोलाकार छल्ले और अन्य वस्तुएं मिली हैं। इतिहासकारों का मानना है कि ध्रुव टीला संभवत: पूर्व वैदिक काल का है। मान्यता है कि ध्रुवटीला राजा उत्तानपाद के राजकाल के दौरान का है। यहां ही ध्रुव का जन्म हुआ। 1822 में पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में यहां से ताम्र आयुध बरामद हो चुके हैं। सभी ऐतिहासिक धरोहरें कोलकाता, लखनऊ और प्रयाग के संग्रहालय में संरक्षित हैं। ध्रुव टीला के बगल में एक प्राचीन दुर्गा मंदिर और भगवान हनुमान को समर्पित एक मंदिर है। छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु संत रामदास के सम्मान में एक आश्रम भी बनाया गया है।

लेखक
धर्म प्रकाश गुप्त
संयोजक सचिव
कानपुर पंचायत

प्रकृति की नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल का रंगमंच

नैनीताल का रंगमंच कुमाऊनी संस्कृति और सभ्यता का आईना, और भारतीय अतीत के साहित्य व सामाजिक जीवन का अदभुत रूप है। नैसर्गिक पर्वतीय क्षेत्र का आकर्षण 141 वर्ष पहले कला प्रेमी बंगाली कलाकारों को यहां खींचकर लाया था, जिन्होंने वर्ष 1884 में नाट्य मंचन का शुभारंभ किया। इसी के बाद वर्ष 1900 में इंडियन क्लब की स्थापना हुई और स्थानीय लोग भी नाट्य मंचन में हिस्सा लेने लगे। 1900 में ही इंडियन एमेच्योर क्लब और 1910 में फ्रेंड्स एमेच्योर ड्रामेटिक क्लब खुला। इस दौर में ज्यादातर धार्मिक नाटकों का मंचन हुआ करता था। आजादी के काफी बाद 1980 के दशक में युगमंच की स्थापना हुई। नैनीताल का प्रसिद्ध यह रंगमंच समूह उत्तराखंड के सांस्कृतिक इतिहास, भूगोल और नाट्य आंदोलन में योगदान दे रहा है।

नैनीताल का रंगमंच, सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसने क्षेत्र की कलात्मक विरासत को समृद्ध किया है। कई स्थानीय कलाकारों को अलग पहचान दिलाई है। इनमें ललित तिवारी को जहां बॉलीवुड की राह मिली, वहीं निर्मल पांडे ने बैंडिट क्वीन

में विक्रम मल्लाह का शानदार किरदार निभाया। ज्ञान प्रकाश भी रंगमंच से टीवी धारावाहिक और बॉलीवुड में सक्रिय हैं, जबकि इदरीस मलिक रंगमंच के जरिए युवाओं की प्रतिभा निखार रहे हैं। मशहूर रंगकर्मी मिथिलेश पांडे कहते हैं कि नैनीताल के रंगमंच ने अभिनय ही नहीं बल्कि निर्देशन के साथ फिल्म मेकिंग और कला की अनेक वर्गों में प्रतिभाओं को स्थापित किया है।

लेखक
अभिनेता ललित तिवारी।

मेरी माटी, मेरा मान शिल्प को नई पहचान

सेहत के लिए संजीदा हो रहे समाज में मिट्टी के बर्तनों को हर घर की शान बनाने के अभियान में जुटी हैं, कानपुर की बिंदु सिंह। प्लास्टिक, एल्युमुनियम और नॉन स्टिक मुक्त रसोई बनाने के लिए सर्वोसार्थ माटी के बर्तनों को उन्होंने देश के हर कोने में पहुंचाने के साथ विदेशों में भी पसंदीदा बना दिया है। उनकी इस पहल ने मिट्टी के बर्तनों की मांग खत्म होने से परेशान कुम्हारों के जीवन में नया सवेरा ला दिया है। री-यूजेबल और डिस्पोजल दोनों तरह के बर्तनों के उन्होंने 360 से अधिक प्रोडक्ट तैयार किए हैं। कुम्हारों का पलायन रोकने के साथ बिंदु सिंह ने उन्हें शिक्षा देकर नयी टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया है, इससे नए उत्पाद गढ़ने और उन्हें आधुनिकता के सांचे में ढालने का काम आसान हो गया है। वह मिट्टी के बर्तनों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मेलों और प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने के साथ ऑनलाइन बिक्री भी करती हैं। यही नहीं, जेल में निरुद्ध महिलाओं को मिट्टी के बर्तनों पर पेंटिंग करना सिखाकर जेल से बाहर आने पर रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए इको फ्रैंडली उत्सव और कौशल विकास के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों व संस्थानों में वर्कशॉप आयोजित करती हैं। उनके निर्देशन में 200 से अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो बड़ी संख्या में कुम्हारों के परिवार और गांव भी जुड़े हैं।

बिंदु सिंह।

सुंगध की सैर ले जाती मौर्य और गुप्त वंश तक

कन्नौज का पौराणिक नाम कन्याकुब्ज था। मिहिर भोज के समय में इसे महोदया नाम से भी जाना जाता था। कन्नौज कभी प्रमुख ऐतिहासिक नगर था, जिसे इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। गंगा नदी के तट पर स्थित यह नगर पुरातात्विक दृष्टि से प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है। यह नगर इतना संपन्न था कि इसे राजा हर्ष, नागभट्ट द्वितीय जैसे राजाओं ने राजधानी बनाया। राजा हर्ष के बाद यहां कई राजाओं ने राज किया। वर्ष 554 में यह मौखरी वंश की राजधानी बना। छठी सदी में सम्राट हर्ष ने राजधानी बनाया। 647 में इसकी संपन्नता को धक्का लगा। लेकिन 715 ई. में यशोवर्मन काल में फिर से कन्नौज में संपन्नता का सूरज चमका। 815 में गुर्जर-प्रतिहारों ने इसे संवारा। 1080 गहरवारों के शासन में इसकी समृद्धि बढ़ी। मगर 1194 ई. में यहां के वीर राजा जयचंद्र की पराजय के बाद इसकी समृद्धि का सूरज अस्त हो गया। जयचंद्र के समय कन्नौज में धर्म-संस्कृति कैसी थी, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बंगाल के राजा को धर्म और सभयता के प्रचार-प्रसार के लिए कन्नौज से ब्राह्मणों को बुलाना पड़ा था।

राजा वेणु की सात पुत्रियां देवी के रूप में स्थापित

रामायण काल में कन्नौज के तेजस्वी व महापराक्रमी राजा वेणु हुए, जिनकी सात पुत्रियां थीं। इन सभी सातों पुत्रियों ने कठिन तप किया और वह देवी स्वरूप में परिवर्तित हो गईं। कन्नौज के अलग-अलग क्षेत्रों में इन सभी देवियों माता फूलमती, माता क्षेमकली, संदोहनी देवी, गोवर्धनी देवी, शीतला देवी, सिंह वाहिनी देवी और मौरारी देवी के मंदिर स्थापित हैं।

राजा जयचंद की मौत के बाद अस्त हो गया समृद्धि का सूरज

जयचंद की मौत के बाद कन्नौज गुलाम वंश के अधीन हो गया। तेहरवीं शताब्दी में मोहम्मद तुगलक ने कन्नौज को उजाड़ दिया। लुटेरों का बोलबाला हो गया। मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। कांस्य युग के समय के कई पूर्व ऐतिहासिक हथियार और उपकरण यहां मिले हैं। पुराणों में कन्नौज का अश्वतीर्थ के रूप में वर्णन किया गया है। वर्तमान में कन्नौज अपने परफ्यूम उद्योग के लिए जाना जाता है। कन्नौज में टैराकोटा से बनी चीजें और प्राचीन सिक्कों का मिलना बहुत आम बात है। यहां मौर्य और गुप्त वंश के समय की चीजों को भी देखा जा सकता है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2720, राज श्री 1800, फॉर्चून कि. 2160, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन ली.13kg 1895, जय जवान 1915, सचिन 1950, सूरज 1915, अवसर 1835, उजाला 1900, गृहणी ली 13 kg 1775, क्लासिक (kg) 2035, मोर 2085, चक्र टिन 2035, ब्लू 2005, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2660

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 16000, जीरा 260000, लाल मिर्च 17000-19500, धनिया 9000-11000, अजवायान 15500-23000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 200-240, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4300, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10500

चीनी : डालमियां 4400, पीलीभीत 4300, बरखेड़ा 4250, बहेड़ी नयी 4250

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5500, मसूरी- 4500, बासमती- 9100, परमल- 3700

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7500, मूंग साबुत- 9100, राजमा- 12200-14000, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7300, उड़द साबुत- 8500, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 11600, लोबिया/करमानी- 9400

ब्याज दर पर बदलाव की संभावना कम

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा आज करेंगे तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है।

मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है। अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25% अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल 1% अंक की कटौती की जा चुकी है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी

- 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का कर सकता है इंतजार

अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है। ऐसे में हमें नहीं लगता है कि इसका नीतिगत निर्णय पर तत्काल प्रभाव पड़ना चाहिए।

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही 1% अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं। रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।

एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को 2% घटबढ़ के साथ 4% के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

रिजर्व बैंक के निर्णय से पहले बाजार में आई गिरावट

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले बैंक और तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। बीएसई का सेंसेक्स 308.47 अंक की गिरावट के साथ 80,710.25 अंक पर बंद हुआ। और एनएसई का निफ्टी भी 73.20 अंक की गिरावट के साथ 24,649.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, अडाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बीईएल, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और सन फार्मास्युटिकल नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी शामिल हैं। बीएसई का स्मॉलकैप 0.27 और मिडकैप 0.14% के नुकसान में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.02 प्रतिशत टूटकर 68.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर

- नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से मिला समर्थन, पीएमआई सूचकांक 60.5 रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसे नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन मिला। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है।

एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है। सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया, उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है। भंडारी ने कहा, कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बदलाव हो सकता है... जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी से चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

महिलाओं को लोन देने पर कवरेज बढ़ाएं बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएमएफबीवाई के अंतर्गत किसानों का खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों (एसजीएच) की बहनों की तरक्की के लिए उन्हें लोन देने के संबंध में मंगलवार को बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिए कि वे महिलाओं को लोन देने के लिए फोकस कर कवरेज बढ़ाएं, साथ ही दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों पर भी ध्यान

वर्चुअल बैठक लेते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

- खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और महिला स्वरोजगार को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ली बैठक

दें, ताकि बेहतर नतीजे मिल सकें। सिंह ने निर्णय लिया कि फसल बीमा में किसानों को सुरक्षा कवच देने के लिए 16-30 अगस्त तक देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

शिवराज सिंह ने बताया कि देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनमें 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं हैं। इनको अब तक 11 लाख करोड़ का लोन दिया जा चुका है। किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण 10.25 लाख करोड़ को पार कर गया है। बैंकों द्वारा अब 75% ऋण किसानों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान महंगे ब्याज दरों से बच रहे हैं। बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव शैलेष सिंह, बैंकों और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शीर्ष निर्यातक राज्य रहा गुजरात, महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। कुल 9.83 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार यह जानकारी दी।

पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट के बावजूद, गुजरात का निर्यात अन्य सभी राज्यों से काफी आगे रहा। यह दूसरे स्थान पर रहने वाले राज्य महाराष्ट्र (5,57,271 करोड़ रुपये) से लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये अधिक है। फियो के अनुसार, महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का स्थान है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि गुजरात ने 2024-25 में, देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति फिर से स्थापित की है। फियो के अनुसार, गुजरात से होने वाले निर्यात में कुछ जिलों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसमें जामनगर 3.63 लाख करोड़ रुपये के साथ अगुवा बना हुआ है। इसका मुख्य कारण पेट्रोलियम और रिफाइनरी निर्यात है। जामनगर राज्य के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान देता है।

- निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

फियो निर्यातकों की सहायता के लिए अमेजन के साथ करेगा समझौता

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने कहा कि वह घरेलू निर्यातकों को सीमापार व्यापार के माध्यम से विदेशी बाजारों तक पहुंचने में सहायता करने के लिए वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) ने कहा कि ई-कॉमर्स को लेकर परामर्श कार्यक्रम भी होगा। इसमें प्रमुख मुद्दों, चुनौतियों और भारत से ई-कॉमर्स निर्यात के लिए अनुकूल परिवेश को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बरकरार

मानसून सत्र : एसआईआर व अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों ने किया हंगामा

- हंगामे के बीच लोस में पारित हुआ गोवा राज्य, अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुन: समायोजन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.15 बजे दिनभर के लिए स्थगित हो गई। हंगामे के बीच ही 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

सदन की कार्यवाही स्थगन के बाद दो बजे पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने आवश्यक कागज प्रस्तुत कराए। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024' को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। इसमें गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान है। सदन ने कुछ मिनट के अंदर विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए शोर-शराबे के बीच ही विधेयक को मंजूरी दे दी। इस पर पिछले साल दिसंबर में संसद के शीतकालीन सत्र में चर्चा हुई थी। पीठासीन सभापति संध्या राय ने विपक्षी दलों से शांत रहने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमने पर बैठक को बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया।

लोकसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष को जवाब देते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर पंद्रह मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

सदन की बैठक पूर्वाह्न11 बजे जब शुरू हुई तो बीते सप्ताह राज्यसभा में सदन के अंदर मार्शलों की जगह सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। उपसभापति हरिवंश और सरकार दोनों ने ही सदन में मार्शलों की जगह सीआईएसएफ की तैनाती संबंधी विपक्ष का दावा सिरे से खारिज कर दिया। हरिवंश ने सदन को सूचित किया कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते सप्ताह राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती को लेकर उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने अफसोस जताया कि खरगे का वह पत्र मीडिया के पास पहुंच गया। इसी दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हरिवंश ने इन सदस्यों से शांत रहने और उनकी बात सुनने की अपील की। उन्होंने कहा आपको आसन का पक्ष सुनना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि

सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे हैं और यह सवाल उठाया कि नारेबाजी करना, आसन के समक्ष आना और अन्य सदस्यों को बाधित करना कैसे लोकतांत्रिक विरोध का हिस्सा हो सकता है। खरगे ने कहा कि उन्होंने पत्र की जानकारी सदस्यों के हित में प्रेस नोट के जरिए साझा की। उन्होंने उन्होंने सवाल किया, सीआईएसएफ को सदन में लाया जा रहा है। क्या हम आतंकवादी हैं? इस पर उपसभापति ने कहा, वे सीआईएसएफ के कर्मी नहीं थे, वे संसद सुरक्षा सेवा के कर्मी थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने पूछा कि जब नेता प्रतिपक्ष भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करते हैं या गलत जानकारी वाले पत्र लिखते हैं तो उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "सदन में केवल मार्शल ही आ सकते हैं और उस दिन केवल मार्शल ही मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए राजग ने प्रधानमंत्री को किया सम्मानित

- मोदी बोले- विपक्ष को सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस करने के फैसले पर हो रहा होगा पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को मंगलवार को एक साल के बाद संबोधित करते हुए स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में कई क्षेत्रों में ताकत से परे जाकर कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए। राजग की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी।

मंगलवार को हुई राजग की बैठक में मोदी को पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके बेजोड़ साहस और अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई।

राजग की संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य। एजेंसी

मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है। यह तो बस शुरुआत है। अभी लंबा रास्ता तय करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की लंबी और सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि प्र 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह 6 साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को आतंकी हमले और सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस कराने के फैसले पर पछतावा हो रहा होगा। मोदी ने याद दिलाया कि उन्होंने लोकसभा में अपने जवाब की शुरुआत इस बात से की थी कि वे 'भारत का रुख' प्रस्तुत करेंगे।

बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु के काफिले पर हमला

कूचबिहार (प. बंगाल), एजेंसी

प. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों को नाटक करार दिया।

कूचबिहार में एसपी कार्यालय के बाहर भाजपा की रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर थे। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न और एनआरसी लागू करने के प्रयास का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर धरना दिया। इनमें से अधिकतर अधिकारी के रास्ते में थे।

- टीएमसी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए बताया नाटक

धर्मार्थ संस्था पर वाद के लिए अदालत की पूर्व अनुमति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थाओं से संबंधित प्रावधान के तहत वाद दायर करने के लिए अदालत की पूर्व अनुमति आवश्यक है, क्योंकि यह कदम जनहित में और सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से शुरू किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कानूनी मुद्दों पर दिशा-निर्देश जारी किए और उस अपील को खारिज कर दिया, जो 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक सोसाइटी द्वारा दायर की गई थी। इस अपील में सीपीसी की धारा 92 के तहत उस वाद की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी, जो सोसाइटी के खिलाफ दायर किया गया था। सीपीसी की धारा 92 सार्वजनिक धर्मार्थ या धार्मिक ट्रस्ट से संबंधित मुकदमों से संबंधित है और यह उन मामलों में कानूनी कार्रवाई की अनुमति देती है, जहां कथित भरोसा तोड़ने या ट्रस्ट के प्रशासन के लिए अदालत के निर्देश की आवश्यकता होती है।

- सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत दायर की अपील की खारिज

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, सीपीसी की धारा 92 के तहत दायर किया गया वाद विशेष प्रकृति का प्रतिनिधि वाद होता है, क्योंकि यह सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से और जनहित में दायर किया जाता है। मुकदमे को आगे बढ़ाने से पहले अदालत से 'अनुमति' प्राप्त करना एक प्रक्रियात्मक और विधायी सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करता है।

प्रदूषण बोर्ड पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति कर सकते हैं लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में पर्यावरणीय क्षति के लिए प्रतिपूर्ति और प्रतिपूरक हर्जाना लगाने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारों को बरकरार रखा और कहा कि रोकथाम एवं निवारक उपाय पर्यावरणीय प्रशासन के अधीन होने चाहिए। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जल अधिनियम और वायु अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संवैधानिक और वैधानिक रूप से वास्तविक या संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए हर्जाना लगाने का अधिकार रखते हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने सोमवार को दिए फैसले में लिखा, भारतीय पर्यावरण कानूनों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विचार करने के बाद हमारा मानना है कि जल और वायु अधिनियमों के तहत शक्तियों का प्रयोग करने वाले पर्यावरण नियामक यानी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संभावित पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए एक निश्चित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति या प्रतिपूरक हर्जाना लगा सकते हैं और वसूल सकते हैं या पूर्व-निर्धारित उपाय के रूप में बैंक गारंटी प्रस्तुत करना आवश्यक कर सकते हैं।

मप्र के कुबरेश्वर धाम में भीड़ के दौरान झड़प, दो की मौत

- कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है कुबरेश्वर धाम
- क्षमता से अधिक लोगों के आने से फैली अव्यवस्था

सीहोर, एजेंसी

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में स्थित कुबरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे।

कुबरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया था, जिसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने के बाद कुछ लोगों में कथित तौर पर झड़प हो गई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुनीता रावत ने दो लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

वर्ल्ड ब्रीफ

कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ 5वें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ पांचवें दिन भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित सभी साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

रोजगार आंकड़े जारी करने पर अफसर बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई में रोजगार संबंधी आंकड़े जारी होने के बाद श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के निदेशक को बर्खास्त कर दिया। अमेरिका में नौकरियों संबंधी मासिक आंकड़ों पर शेयर बाजार के निवेशकों और अर्थशास्त्रियों की पहले से ही नजर रहती है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस रिपोर्ट की निगरानी करने वाले अधिकारी को शुक्रवार को बर्खास्त किए जाने के बाद ये आंकड़े विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें और रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेताओं को खराब दिखाने के लिए जून के रोजगार संबंधी आंकड़ों में हेरफेर किया गया था।

संदीप आर्य भूटान में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली। संदीप आर्य को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। श्री आर्य भारतीय विदेश सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी वियतनाम में भारत के राजदूत हैं। उन्हें वर्ष 2022 में वियतनाम का राजदूत नियुक्त किया गया था। श्री आर्य को श्री सुधाकर दलेला की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। मंत्रालय के अनुसार श्री आर्य के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

ब्राजील अमेरिकी टैरिफ को देगा चुनौती

ब्रासीलिया। ब्राज़ील विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में नए लगाए गए अमेरिकी आयात शुल्क को औपचारिक रूप से चुनौती देने की तैयारी कर रहा है, साथ ही बातचीत के रास्ते भी खुले रखे हुए है। ब्राज़ील के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बुधवार से लागू होने वाले कॉफी, बीफ और पेट्रोकेमिकल्स सहित ब्राज़ील के कई वस्तुओं के निर्यातों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आया है।

पश्चिमी देशों को क्यों रास आता है

दुनिया में तेल का खेल

तेल जिसे ब्लैक गोल्ड भी कहा जाता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। यह पूरी दुनिया के लिए एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें तमाम देशों के राजनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हित शामिल हैं। रूसी तेल के आयात को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव का यही एक बड़ा कारण है। दुनिया की ऊर्जा पर निर्भरता, तेल आधारित महंगाई और बाजार नियंत्रण के साथ राजनीतिक दबाव का प्रमुख जरिया होने के कारण ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश तेल के कारोबार पर अपना नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए आर्थिक प्रतिबंधों और निर्यात बाधित करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल करते हैं।

तेल का महत्व

- **आर्थिक :** तेल सबसे बड़ी कमोडिटी है और इसका उपयोग परिवहन, विनिर्माण, और बिजली उत्पादन सहित कई उद्योगों में किया जाता है।
- **राजनीतिक :** तेल भंडार वाले देशों का वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, तेल की कीमतें अक्सर देशों के बीच तनाव और सहयोग का कारण बनती हैं।
- **भू-राजनीतिक :** तेल की उपलब्धता और पहुंच अक्सर देशों के बीच संघर्ष और सहयोग का कारण बनती है, खासकर मध्य पूर्व और अन्य तेल समृद्ध क्षेत्रों में।

प्रमुख तेल उत्पादक

- वेनेजुएला, सऊदी अरब, कनाडा, ईरान और इराक जैसे देश सबसे बड़े तेल भंडार हैं और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में भूमिका निभाते हैं।

पश्चिमी देशों का रुख

- अमेरिका समेत पश्चिमी देश अर्थव्यवस्था, राजनीतिक दबाव और महंगाई पर नियंत्रण के लिए दुनिया भर में तेल के कारोबार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं।
- अमेरिका जैसे देशों का विपरीत परिस्थितियों में अपने विशाल तेल भंडार खोलकर पूरी दुनिया में तेल कीमतों को नियंत्रित करने का पुराना हथकंडा है।
- प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण का भी इस्तेमाल किया जाता है। रूस-ईरान जैसे देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उनका तेल निर्यात सीमित किया गया है।

रूस की ताकत बना तेल

- रूस की बजट आमदनी का 40% से अधिक हिस्सा तेल और गैस से आता है। युद्ध के समय यह आय हथियारों और सेना के खर्च में लगाई जा रही है।
- यूरोप द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद रूस ने भारत, चीन, तुर्किए जैसे देशों को रियायती दर पर तेल बेचना शुरू किया जिससे उसकी आय बरकरार रही।
- कई देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह रूस से रिश्ता नहीं तोड़ सके जैसे जर्मनी और हंगरी यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत में।

ओपेक

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) तेल उत्पादक देशों का संगठन है जिसमें 13 देश शामिल हैं। ये दुनिया के तेल उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा नियंत्रित करता है और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तेल ने बनाया अर्थशक्ति

सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने सॉवरेन वेल्थ फंड में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यूएई ने तेल के पैसे से दुबई और अबूधाबी को वैश्विक आर्थिक हब में बदल दिया। कुवैत-कतर जैसे छोटे देश प्रति व्यक्ति आय में उच्चस्तर पर है और कई सामाजिक कल्याण कार्यक्रम भी चला रहे हैं। नॉर्वे दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन फंड बनाया है।

अमेरिका में विदेशी पर्यटकों को 15000 डॉलर का देना होगा बांड

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- वीजा अवधि से ज्यादा समय तक रुकने वालों के लिए बना नियम

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

मंत्रालय ने कहा, व्यापार या मौज मस्ती के लिए अस्थाई आगंतुक के रूप में वीजा आवेदक और मंत्रालय द्वारा चिह्नित ऐसे विदेशी जिनका वीजा अवधि से अधिक दिन ठहरने का इतिहास रहा है, अथवा निवेश के जरिए नागरिकता की पेशकश करने वाले व्यक्ति और ऐसे विदेशी जिन्होंने बिना आवश्यकता के नागरिकता प्राप्त की हो, वे इस प्रायोगिक कार्यक्रम के अधीन हो सकते हैं। इस कार्यक्रम के दायरे में आने वाले देशों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपींस सहमत

मोदी ने कहा- भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपींस तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है। मोदी ने कहा, यह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है। भारत और फिलीपींस दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत-फिलीपींस के बीच नौ समझौतों पर हुए हस्ताक्षर।

दोनों देशों ने किए नौ समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और फिलीपींस ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है। मोदी ने कहा कि फिलीपींस भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

- मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपींस सरकार का आभार जताया। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं।

फिलीपींस में त्वरित परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, आज जब फिलीपींस के राष्ट्रपति भारत में हैं, तब भारतीय नौसेना के तीन जहाज पहली बार फिलीपींस में किसी नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और तीन अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा, व्यापार संबंधों को और मजबूत करने के लिए, भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की जल्द समीक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम करने का भी फैसला लिया है। मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां सूचना एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचे और खनिज क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, विषाणु विज्ञान से लेकर एआई और 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' (3-डी प्रिंटिंग) तक, संयुक्त अनुसंधान किए जा रहे हैं।

बांके बिहारी मंदिर का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना अध्यादेश का उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- हाईकोर्ट के जज ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम
- सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे

उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय से मंगलवार को कहा कि बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के लिए अध्यादेश लाने का उसका उद्देश्य मथुरा के वृंदावन स्थित धार्मिक स्थल का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना है। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को झटका देते हुए सोमवार को कहा था कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारा विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को दी गई मंजूरी को स्थगित रखेगा, क्योंकि इसमें मुख्य हितधारकों की बात नहीं सुनी गई।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा गुप्त तरीके से अदालत पहुंचने के दृष्टिकोण की निंदा की थी और प्राचीन मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 लाने की जल्दबाजी पर सवाल उठाया था। पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि 2025 के अध्यादेश का मंदिर प्रशासन के स्वामित्व के लंबित मुकदमे से कोई लेना-देना नहीं है। मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी और निर्देश पारित किए गए थे। कहा कि अध्यादेश मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए जारी किया गया था, जहां हर हफ्ते लगभग दो-तीन लाख श्रद्धालु आते हैं। इसके बाद पीठ ने नटराज से कहा कि उनकी दलीलें अच्छी हो सकती हैं, लेकिन यह तब दी जा सकती हैं जब अध्यादेश को चुनौती देने का मामला उच्च न्यायालय में भेज दिया जाए।

राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा

नटराज ने राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा जिसकी समीक्षा करने पर पाया गया कि यह 4 अगस्त को अदालत द्वारा दिए गए सुझाव के समान ही है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि उन्हें मंदिर के प्रशासन के मुद्दे पर आठ अगस्त तक प्रस्ताव और सुझाव देने की अनुमति दी जाए। याचिकाकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 की वैधता को चुनौती दी है। पीठ ने मामले की सुनवाई 8 अगस्त के लिए स्थगित कर दी तथा याचिकाकर्ताओं को इस मुद्दे पर अपने सुझाव देने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने 15 मई को श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारे को विकसित करने की उप्र सरकार की योजना का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। कोर्ट ने सरकार की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें कहा गया था कि श्री बांके बिहारी मंदिर की निधि का इस्तेमाल केवल मंदिर के आसपास पांच एकड़ भूमि खरीदने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बनाये गये निरुद्ध क्षेत्र (होल्डिंग एरिया) बनाने के लिए किया जाए।

दोषी एमपी-एमएलए पर ताउम्र पाबंदी पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सीजेआई करेंगे फैसला

आपराधिक मामलों में दोषी सांसदों और विधानसभा सदस्यों को स्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने की मांग एक याचिका पर वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर फैसले के लिए सीजेआई बीआर गवई के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मंगलवार को इस मामले का उल्लेख किया और शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर यह जनहित याचिका, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती है, जो वर्तमान में दोषी विधायकों को सजा पूरी करने के बाद केवल छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकती है।

पीठ ने मामले की तात्कालिकता को स्वीकार किया और निर्देश दिया कि मामले को आगे के निर्देशों के लिए सीजेआई के समक्ष रखा जाए। इस याचिका पर अंतिम सुनवाई 20 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार जता चुकी है विरोध

फरवरी 2025 में केंद्र सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की आजीवन अयोग्यता संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला है, न्यायपालिका को इस पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। केंद्र ने जबाव में कहा कि कोर्ट न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत किसी प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, लेकिन याची द्वारा सुझाए गए छह वर्ष के स्थान पर आजीवन शब्द का प्रयोग करने के लिए कानून को फिर से नहीं लिख सकता।

ब्राजील : पूर्व राष्ट्रपति जेयर को नजरबंद करने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। श्री बोल्सोनारों पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कथित साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चल रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने सोमवार को यह आदेश जारी करते हुए कहा कि बोल्सोनारो अदालत की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जिसमें सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का उपयोग भी शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि बोल्सोनारो ने अन्य यूजर्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट के लिए भाषण रिकॉर्ड किए थे। यह तीसरे पक्ष के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए साक्षात्कारों या सार्वजनिक या निजी भाषणों के दुरुपयोग पर रोक लगाने वाले आदेश का उल्लंघन है।

पलटवार: भारतीय सेना ने अमेरिका के चेहरे से मुखौटा उतारा

यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के ट्रंप के आरोपों के बाद पाकिस्तान को हथियार देने वाली पुरानी खबर साझा की

नई दिल्ली, एजेंसी

- 1954 से 1971 तक अमेरिका ने पाकिस्तान को की थी दो अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से भारत की आलोचना और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के आरोपों के बीच भारतीय सेना ने मंगलवार को अगस्त 1971 की एक समाचार क्लिप साझा की, जिसमें 1954 से पाकिस्तान को हथियार देने में अमेरिका की भूमिका को उजागर किया गया है। यह समाचार क्लिप सेना की पूर्वी कमान द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में साझा की गई।

पोस्ट में हैशटैग भारतीयसेना, पूर्वीकमान, विजयवर्ष, 'लिबरेशन ऑफ बांग्लादेश' और 'मीडिया हाइलाइट्स' के साथ ही इसमें नोफैक्ट्स (तथ्यजानें) हैशटैग के साथ 'इस दिन उस वर्ष' युद्ध की तैयारी - 05 अगस्त 1971 का भी उल्लेख किया गया है। यह समाचार 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुआ था। युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। इस खबर में तत्कालीन समय से पिछले लगभग दो दशकों में पाकिस्तान को हथियार मुहैया कराने में अमेरिका की भूमिका के बारे में बताया गया था। इसका शीर्षक था, 'यूएस आर्म्स वर्थ डॉलर2 बिलियन शिप्ड टू पाकिस्तान सिंस 54' यानी '1954 से अब तक दो अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियार पाकिस्तान भेजे गए हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर और अधिक शुल्क लगाने की धमकी देने के कुछ ही घंटे बाद विदेश मंत्रालय ने मॉस्को के साथ नयी दिल्ली के ऊर्जा संबंधों की आलोचना को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मापदंड की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं।

तत्कालीन रक्षामंत्री ने खोली थी पोल

खबर में तत्कालीन रक्षा उत्पादन मंत्री वीसी शुक्ला का हवाला दिया गया है, जिन्होंने उस अवधि के दौरान आपूर्ति किए गए हथियारों के अनुमानित मूल्य के बारे में राज्यसभा को बताया था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट नई दिल्ली द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर वाशिंगटन की बढ़ती आलोचना के बीच आया है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण' तरीके से निशाना बनाने को लेकर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 13.12 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

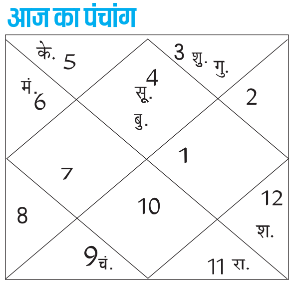

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल और ताराबल
ताराबलअश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती, चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष – आज आपके कामकाज की सराहना होगी। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टि से भी दिन उत्तम है। निवेश के लिए नए अवसर मिल सकते हैं।

वृष – आपके लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। आप संयम से काम लें। घर में किसी मुद्दे पर वाद-विवाद संभव है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा। पैसों की लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही से बचें।

मिथुन – आज के दिन आप नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता या नौकरी से संबंधित अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। घर में खुशी का माहौल रहेगा और परवार के लोगों से सहयोग मिलेगा। रुके हुए पुराने पूरे हो सकते हैं।

कर्क – आज का दिन मानसिक रूप से कुछ उतार-चढ़ाव वाला है। किसी पुराने दोस्त से गलतफहमी हो सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में नए अनुबंध मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और खान-पान का समय दुरुस्त रखें। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह – आजका दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा और लोग आपके सुझावों को अहमितयत देंगे। साझेदारी में किया गया काम सफल रहेगा। आपको समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या – आज आप रचनात्मक और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। पेट संबंधी समस्याएं आज उभर सकती हैं।

तुला – आपका आज का दिन भाग्यशाली है। किसी खास आदमी से मुलाकात फायदा पहुंचाएगी। संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी आपको मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन का आगमन होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ेगा।

वृश्चिक – आपको अपनी योजनाओं को लेकर गोपनीयता बरतने की जरूरत है। करियर में कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। आज घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान का सहारा लें।

धनु – आजका दिन आपके लिए विशेष है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत मिलेंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे प्रभावित होंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मकर – आपको धैर्य और समझदारी से आज आगे बढ़ना होगा। आपके कार्यों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन मेहनत से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में संयम रखने की जरूरत है। आज अनावश्यक खर्चों से बचें।

कुंभ – आपके विचारों में आज सकारात्मकता रहेगी। योजनाओं पर गंभीरता से काम करें तो सफलता जरूर मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन – आपका आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

सुडोकू -61

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 60 का हल

4	2	7	6	8	1	5	9	3
3	8	1	5	9	2	6	7	4
9	6	5	4	3	7	2	8	1
8	4	3	9	5	6	1	2	7
1	7	6	8	2	4	3	5	9
5	9	2	1	7	3	8	4	6
6	5	8	3	4	9	7	1	2
7	1	9	2	6	5	4	3	8
2	3	4	7	1	8	9	6	5

> जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे। ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है। - सुनील गावस्कर

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

थके भारतीय खिलाड़ी समूहों में स्वदेश रवाना

लंदन : ओवल में सीरीज बराबर करने वाली ऐतिहासिक जीत के बाद बड़े जश्न की उम्मीद थी लेकिन भारतीय टीम के सदस्यों ने मंगलवार सुबह स्वदेश के लिए रवाना होने से पहले शांति से समय बिताने का फैसला किया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के कई सदस्य लंबी और थकाऊ सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में नाटकीय जीत के 24 घंटे से भी कम समय बाद एमिरेट्स की उड़ान से रवाना हुए। टीम के सदस्य मंगलवार शाम को दुबई पहुंचेंगे और फिर भारत में अपने-अपने गृहनगरों के लिए उड़ान भरेंगे। अंतिम टेस्ट में जीत के सूत्रधार सिराज दुबई पहुंचने के बाद हैदराबाद के लिए अगली उपलब्ध उड़ान लेंगे। अर्शदीप सिंह और शारदुल ठाकुर भी स्वदेश लौटने वालों में शामिल हैं। कुछ ने इंग्लैंड में ही रुकने का फैसला किया है।

एशिया कप टीम में चुने जा सकते हैं गिल

नई दिल्ली : शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन भारत की एशिया कप टीम में चयन की दौड़ में हैं जिसे अगस्त के तीसरे सप्ताह में चुने जाने की उम्मीद है। जायसवाल और टेस्ट कप्तान गिल व्यस्त कार्यक्रम के कारण पिछले कुछ टी20 मैचों में नहीं खेले हैं लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद एक महीने के आराम के कारण वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा में कल से

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है।

कनाडाई किशोरी मबोको सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव अंतिम चार में

टोरंटो : शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में मुकाबला रूस के कारेन या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

सब-जूनियर तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु : कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम ने उम्मीद से बढ़कर किया प्रदर्शन, पूरी श्रृंखला रही रोमांचक

लंदन, एजेंसी

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी, लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंदी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है।

भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है। भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को भी दूर कर दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने।

कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में जसप्रीत बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह उन्होंने दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की ज़रूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां व अंतिम मैच जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी। एजेंसी

बड़े मौकों पर छूटे कैच

लंदन : यह सीरीज सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में भी शीर्ष पर रही। कुल 41 कैच छूट गए, जो गेंद-दर-गेंद के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से (2018 के बाद से) किसी भी सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। दोनों टीमों ने कैच छोड़ने की साख भी बना ली है। सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में शीर्ष चार सीरीज में से तीन भारत और इंग्लैंड के बीच हैं, जिनमें से अन्य दो तब हुई थीं जब भारत ने 2021/22 (37) और 2018 (32) में इंग्लैंड का दौरा किया था। इस दौरे पर, भारत ने 23 मौके गंवाए, जो एक सीरीज में उनके लिए सबसे ज़्यादा हैं - 2018/19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की तुलना में सात ज्यादा।

खराब रिव्यू

इस सीरीज में दोनों टीमों द्वारा अंपायर के फ़ैसलों को 63 बार चुनौती दी गई, जिनमें से 44 रिव्यू असफल रहे। इस तरह, 69.8% रिव्यू बर्बाद हो गए, जिससे पता चलता है कि अंपायरों ने ज्यादातर सही फैसले दिए। भारत ने 24 असफल रिव्यू लिए (जिसमें एलबीडब्ल्यू अपील पर अंपायर कॉल के फैसले शामिल हैं), जो एक सीरीज में उनके लिए तीसरे सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, ड्रॉप कैच की तरह, 2018 के दौरे से शुरू होकर इंग्लैंड में हर सीरीज में भारत के असफल रिव्यु की संख्या भी बढ़ी है, जबकि इंग्लैंड के रिव्यू में सुधार हुआ है। गेंदबाजी करते समय एलबीडब्ल्यू फैसलों की समीक्षा करने की बात आती है, तो इन पांचों टेस्ट मैचों में दोनों टीमें मैदान पर लिए गए फैसले को केवल दो बार ही पलट सकीं।

करीबी श्रृंखलाएं : जब गेंद और बल्ले के संघर्ष व रणनीति की हुई परीक्षा

नई दिल्ली : भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पीटीआई भाषा ने पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन किया है, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए।

- **ओवल भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 :** संभवत: यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।
- **भारत बनाम श्रीलंका, 2015 :** इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर दी।
- **भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 :** यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्न मोर्कल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा।
- **भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 :** अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।
- **ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 :** यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाज़ थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था। यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू श्रृंखला में पहली हार थी।
- **न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 :** जैसे ही न्यूज़ीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।
- **भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 :** यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

पूरी सीरीज अपनी बारी का इंतजार करते रहे स्पिनर कुलदीप यादव। एजेंसी

सितारों के मर्जी से मैच चुनने पर लगाम संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर हमेशा से भारतीय क्रिकेट में मेगा स्टार संस्कृति के खिलाफ रहे हैं, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज के लगातार अच्छे प्रदर्शन से भारत के मुख्य कोच को अब अपने हिसाब से टीम कल्चर बनाने का मौका मिल गया है। इंग्लैंड से श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर टीम में जरूर ऐसा माहौल बनाना चाहेंगे जिसमें सभी को बराबर माना जाए। समझा जाता है कि चयन समिति, गंभीर और भारतीय क्रिकेट के आला अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और श्रृंखला खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर एकमत हैं ।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, खास तौर पर उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चुनने का कल्चर नहीं चलेगा । उन्होंने कहा इसके यह

• कार्यभार प्रबंधन के अधिकार पर गौर कर सकता है बीसीसीआई

मायने नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा । तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है लेकिन इसकी आड़ में खिलाड़ी अहम मैचों से बाहर नहीं रह सकते । इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185 . 3 ओवर डाले जिसके अलावा नेट्स पर गेंदबाजी और फील्डिंग अलग । उन्होंने फिटनेस के नये मानदंड कायम किए। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढ़कर नहीं हैं । इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल डाले । इससे यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कार्यभार प्रबंधन को अपनी सहूलियत के हिसाब से ढाल बनाया जाता है ।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में जीत के बाद अपने स्टाफ सदस्यों के साथ जमकर जश्न मनाया। एजेंसी

उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन शब्द गायब हो जाएगा : गावस्कर

लंदन : भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा चोट प्रबंधन का मामला था। उन्होंने कहा, आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी

लंदन : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते जाते रहें। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा जिस तरह से यह श्रृंखला खेली गई है, 2-2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई।

उन्होंने कहा हमें बेहतर होते रहना है। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे। लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा शुभकानायें । पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो।

जस्सी भाई की कमी खली, वह होते तो खास होता : सिराज

लंदन, एजेंसी

यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है। बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए।

बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता : वॉन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे।

वॉन ने कहा बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा उन्हें बस एक साझेदारी की ज़रूरत थी। हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है। स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया। फिलहाल ये ऑस्ट्रेलिया में होने वाली सीरीज के लिए अच्छी तैयारी है।

वनडे क्रिकेट | इंग्लैंड में युवा भारतीय ब्रिगेड के धमाकेदार प्रदर्शन से सीनियर खिलाड़ियों की चुनौती बढ़ गई

कोहली और रोहित की राह हुई मुश्किल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत का बेहद कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोकना टीम में शामिल नए क्रिकेटरों के आत्मविश्वास और देश तथा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने की निडरता का जश्न था। मोहम्मद सिराज ने लगभग 200 ओवर गेंदबाजी की और अपने थके हुए शरीर को पांच टेस्ट मैच के दौरान अच्छी तरह संभाला।

वाशिंगटन सुंदर कभी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। यशस्वी ने जरूरत पड़ने पर योगदान दिया, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा प्रभावी नजर आए और साई सुदर्शन ने अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता की झलक दिखाई। लेकिन इस शानदार प्रयास का एक और आयाम भी है। इससे सवाल उठता है कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा चोटों से जूझने वाले जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों का क्या होगा। कोहली 36 और रोहित 38 साल के हैं और ये दोनों संभवतः ऑस्ट्रेलिया में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलेंगे। इसके बाद इन दोनों को जनवरी-जुलाई 2026 के बीच न्यूजीलैंड (स्वदेश) और इंग्लैंड (विदेश में) के खिलाफ छह एकदिवसीय मैचों में खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन क्या ये मुकाबले 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की उनकी तैयारी के लिए हैं? क्या यह दिग्गज जोड़ी सिर्फ एक प्रारूप और आईपीएल के दम पर इतने लंबे समय तक खेलना चाहेगी? एक सूत्र ने बताया हां, इस पर जल्द ही चर्चा होगी। अगले विश्व कप (नवंबर 2027) के लिए हमारे पास अभी भी दो साल से अधिक का समय है।

कोहली और रोहित दोनों तब तक 40 के करीब हो जाएंगे इसलिए इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए एक स्पष्ट योजना होनी चाहिए क्योंकि हमने पिछला खिताब 2011 में जीता था। हमें समय रहते कुछ युवाओं को भी आजमाने की जरूरत है। कोहली और रोहित ने 2024 में विश्व कप जीत के साथ टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा लेकिन इन दोनों का टेस्ट संन्यास काफी शांत रहा।

विराट कोहली व रोहित शर्मा। एजेंसी

घरेलू मैच खेलना जरूरी है

बीसीसीआई के मौजूदा नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होने पर घरेलू मैच नहीं छोड़ सकता है और घरेलू मुकाबले में नहीं खेलने पर उसे राष्ट्रीय टीम से बाहर किया जा सकता है। कोहली और रोहित के लिए मैच के समय की कमी है क्योंकि ये दोनों इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेले हैं और नवंबर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 और उसके बाद दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी से पहले सीमित ओवरों के क्रिकेट की कोई घरेलू प्रतियोगिता भी नहीं है। हालांकि कोहली और रोहित को उनके कद को देखते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने से छूट मिल सकती है।